राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, रविवार 30 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 105 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

संथाली प्रश्नपत्र में सिलेबस से बाहर का सवाल पूछे जाने पर धनबाद में प्रदर्शन करते आक्रोशित छात्र

रांची के गेतलसूद फ्लोटिंग सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन शुरू, सिकिदिरी को भेजी जा रही 50 मेगावाट बिजली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में रांची के गेतलसूद डैम में बने 100 मेगावाट क्षमता वाले फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट से शनिवार (29 अगस्त 2026) से बिजली का व्यावसायिक उत्पादन सफलतापूर्वक शुरू हो गया है। पहले चरण में 50 मेगावाट बिजली का उत्पादन प्रारंभ कर इसे सिकिदिरी ग्रिड भेजा जा रहा है। उत्पादित बिजली की खरीद झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) द्वारा की जा रही है। इससे अब रांची और आसपास के इलाकों में 'जीरो पावर कट' (निर्बाध बिजली आपूर्ति) का रास्ता साफ हो गया है। झारखंड ऊर्जा संचरण निगम और जेबीवीएनएल के सहयोग से प्लांट के स्विच यार्ड स्थित 132 केवी डबल सर्किट गेतलसूद-ईरबा ट्रांसमिशन लाइन और 33 केवी केबल को चार्ज कर दिया गया है। सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के वरिष्ठ परियोजना अभियंता नवीन उरांव ने बताया कि मुख्य लाइनें चार्ज हो चुकी हैं और बाकी 50 मेगावाट क्षमता के लिए अंतिम चरण का कार्य जारी है जिससे अगले सप्ताह से उत्पादन शुरू होने की पूरी संभावना है। लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से इस मेगा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट का निर्माण 'सेकी' द्वारा एलएंडटी के सहयोग से किया जा रहा है। यह प्लांट गेतलसूद डैम के कुल जलभाग के मात्र आठ प्रतिशत हिस्से में स्थापित किया गया है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से सेकी ने स्थानीय मछुआरों और नौका चालकों से जलाशय क्षेत्र में बिछाये गये 33 केवी अंडरवाटर केबल से सुरक्षित दूरी बनाये रखने की अपील की है।

घास काट रहे मजदूरों को कंटेनर ने रौंदा, दो की मौत, तीन घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रांची-जमशेदपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर नामकुम थाना क्षेत्र के पुराना रामपुर के पास शनिवार की सुबह करीब 9:30 बजे दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। डिवाइडर पर उगी घास की कटाई कर रहे मजदूरों को तेज रफ्तार कंटेनर ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक महिला और एक पुरुष मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य मजदूर घायल हो गए। मृतक तमाड़ के रहने वाले बताए जा रहे हैं। रामपुर थाना प्रभारी ने घटना की पुष्टि की है। रामपुर के पूर्व मुखिया महादेव मुंडा ने बताया कि हादसा रिंग रोड गोल चक्कर से करीब एक किलोमीटर आगे जमशेदपुर की ओर जाने वाले मार्ग पर हुई। एनएच के डिवाइडर पर बड़ी-बड़ी घास उग आने के कारण मजदूरों को उसकी कटाई के काम में लगाया गया था। मजदूर घास काटकर उसे ट्रैक्टर पर लाद रहे थे। इसी दौरान जमशेदपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे कंटेनर ने मजदूरों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर भी घटनास्थल से काफी दूर जा गिरा। हादसे में एक महिला और एक पुरुष मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। पूर्व मुखिया महादेव मुंडा ने बताया कि सड़क के डिवाइडर पर घास की कटाई का काम नियमित रख-रखाव के तहत कराया जा रहा था। काम के दौरान सुरक्षा के उपाय भी किए गए थे। जिस स्थान पर मजदूर घास काट रहे थे, वहां रेड सिग्नल लगाया गया था। बावजूद तेज रफ्तार कंटेनर मजदूरों को कुचलते हुए निकल गया। इसके बाद ग्रामीणों ने कंटेनर का पीछा करना शुरू किया। कुछ दूरी आगे जाकर चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और कंटेनर पलट गया। इसके बाद ग्रामीणों ने चालक को पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया। नामकुम थाना प्रभारी राम नारायण सिंह ने बताया कि पुलिस ने कंटेनर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। चालक उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। हादसे में घायल तीन मजदूरों में से दो को मामूली चोटें आई हैं। उनका प्राथमिक उपचार कर घर भेज दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

आदिवासी एकता महाजुटान रैली आज

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड कांग्रेस के प्रभारी और कार्यसमिति के स्थाई आमंत्रित सदस्य के. राजू 30 अगस्त को दौरे पर रांची आएंगे। वह मोरहाबादी मैदान में होने वाली आदिवासी एकता महाजुटान रैली में शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि के. राजू 30 अगस्त की सुबह करीब 11 बजे रांची पहुंचेंगे।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

जामताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के मिहिजाम थाना अंतर्गत गोवाकोला स्थित तालाब में शनिवार को नहाने के दौरान 32 वर्षीय मंगल राय की डूबने से मौत हो गई। वह तलवड़िया गांव का निवासी था और दैनिक मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। बताया गया कि मंगल राय शनिवार को गोवाकोला स्थित तालाब में नहाने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूबने से उसकी मौत हो गई।

टायर बदलते समय पलटा ट्रक, चालक घायल

चाईबासा(नबिटा ब्यूरो)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में टेकासाई स्थित सनराइज रेस्टोरेंट के पास शनिवार को एक ट्रक टायर बदलते समय पलट गया। इस हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि उसपर लदा सारा सामान सड़क पर बिखर गया। जानकारी के अनुसार यह वैष्णो ट्रांसपोर्ट का यह ट्रक जमशेदपुर से चाईबासा की ओर आ रहा था। टेकासाई के पास पहुंचने पर ट्रक का एक टायर पंचर हो गया। चालक ने वाहन को खड़ा कर पंचर टायर बदलना शुरू किया तभी अचानक ट्रक असंतुलित होकर पलट गया।

पारिवारिक विवाद के बाद युवक ने फांसी लगाकर दी जान

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बसिया प्रखंड स्थित कोनवीर गांव में 38 वर्षीय विकास सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। विकास ने पारिवारिक विवाद के बाद यह कदम उठाया गया। मृतक के भाई दीपक सिंह ने पुलिस को बताया कि उसका अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ और उसने मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद विकास ने फांसी लगा अपनी जान दे दी।

किशोर ने लगाई फांसी

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। जिले के सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के इंदिरा नगर में 17 वर्षीय किशोर शिवम राज की मौत से परिवार में मातम छा गया। शुक्रवार देर रात उसने अपने घर में फांसी लगा ली। परिजनों को घटना की जानकारी शनिवार सुबह हुई। इसके बाद उसे फंदे से उतारकर तुरंत एमजीएम अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दो करोड़ से अधिक का गांजा जब्त, दो भाई गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र से लगभग 443 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत दो करोड़ 21 लाख 50 हजार रुपये बताई रही है। इस मामले में पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि तस्कर ओडिशा से भारी मात्रा में गांजा लाकर बिहार-झारखंड सीमा से सटे नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र में उसका भंडारण करते थे। यहां से गांजे की खेप बिहार सहित अन्य क्षेत्रों में भेजी जाती थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह तस्करी नेटवर्क पलामू, बिहार के औरंगाबाद और ओडिशा तक फैला हुआ है। एसपी को 28 अगस्त को गुप्त सूचना मिली थी कि नौडीहा बाजार के ग्राम महुरांव में बड़े पैमाने पर गांजा की तस्करी और भंडारण किया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई की गई। छतरपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रशांत कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने महुरांव चौक के पास छापेमारी कर जमशेद आलम (25) और उसके भाई अली रजा (19) को एक आइसर ट्रक और टेम्पो से गांजा उतारते हुए रंगे हाथ पकड़ा। दोनों आरोपी महुरांव गांव के ही निवासी हैं। तलाशी के दौरान पुलिस ने आइसर ट्रक में नारियल पानी (डाब) के बीच छिपाकर रखे गए 16 प्लास्टिक के बोरों से 424 छोटे-छोटे पैकेटों में रखा लगभग 443 किलोग्राम गांजा बरामद किया। जांच में बरामद पदार्थ के गांजा होने की पुष्टि हुई है। गांजे के अलावा पुलिस ने आइसर ट्रक, एक टेम्पो और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। गिरफ्तार दोनों भाइयों से पूछताछ के आधार पर तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

सिलेबस से बाहर के सवालों से आक्रोशित छात्रों ने किया प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। संथाली भाषा के प्रश्नपत्र में कथित तौर पर पाठ्यक्रम से इतर सवाल पूछे जाने को लेकर अभ्यर्थियों का आक्रोश सामने आया है। धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं जुटे और परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जमकर नारेबाजी की। अभ्यर्थियों का आरोप है कि संथाली भाषा के पेपर में ऐसे प्रश्न शामिल किए गए जिनका निर्धारित पाठ्यक्रम से कोई सीधा संबंध नहीं था। इससे परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शन में शामिल छात्र नेता आशीष अनुराग ने कहा कि अभ्यर्थी लंबे समय से निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर परीक्षा की तैयारी कर रहे थे लेकिन प्रश्नपत्र में सिलेबस से अलग विषयों से सवाल पूछे गए। उनका आरोप है कि संथाली भाषा के प्रश्नपत्र में संस्कृत साहित्य से संबंधित सवाल भी शामिल कर दिए गए। छात्र ने एक सवाल का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रश्नपत्र में 'महुआ को संस्कृत में क्या कहते हैं' जैसे सवाल पूछे गए। अभ्यर्थियों का कहना है कि संथाली के प्रश्नपत्र में भाषा, साहित्य, लिपि और संस्कृति से जुड़े निर्धारित विषयों पर ही सवाल होने चाहिए थे। ऐसे में दूसरे विषय से संबंधित प्रश्नों को शामिल करना परीक्षा प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। छात्रों ने कहा कि परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों ने महीनों तक निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार मेहनत की है। अगर प्रश्नपत्र तैयार करते समय सिलेबस का पालन नहीं किया जाएगा तो इसका सीधा असर युवाओं के भविष्य पर पड़ेगा। प्रदर्शनकारियों ने पूरे मामले की जांच कराने और अभ्यर्थियों की शिकायत पर उचित कार्रवाई की मांग की है। धनबाद में प्रदर्शन के बाद अभ्यर्थियों ने आंदोलन को राज्यस्तर पर ले जाने की चेतावनी दी है। छात्रों का कहना है कि अगर उनकी मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया गया तो 2 सितंबर को रांची की बापू वाटिका में जुटकर बड़े आंदोलन का ऐलान किया जाएगा। अभ्यर्थियों ने स्पष्ट किया कि वे परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप प्रश्नपत्र तैयार किए जाने की मांग को लेकर पीछे हटने वाले नहीं हैं।

सरना धर्मकोड और परिसीमन का मुद्दा गरमाया, आंदोलन की धमकी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। परिसीमन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। सियासी बयानबाजी के बीच आदिवासी छात्र संघ ने जनगणना में सरना धर्मकोड का विकल्प नहीं होने पर परिसीमन और जनगणना दोनों का बहिष्कार करने की घोषणा की है। आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय संयोजक डॉ. सुशील कुमार मिंज ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि 1961 में आदिवासी धर्म कोड को कांग्रेस सरकार ने षड्यंत्र के तहत हटाया और अन्य कॉलम को जोड़ा। अब अन्य धर्म कॉलम को भी जनगणना परिपत्र से भाजपा सरकार हटाकर आदिवासी अस्तित्व और पहचान को भारत से मिटाने का षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी धर्म कोड और परिसीमन के बीच सीधा संबंध है। ऐसे में धर्मकोड के अभाव में आदिवासी जनसंख्या को हिंदू धर्म कोड में जोड़ा जा रहा है और जनसंख्या को घटाया जा रहा है ताकि आदिवासियों को मिलने वाला आरक्षण खत्म हो सके। उन्होंने सरना धर्म कोड नहीं तो जनगणना नहीं और जनगणना नहीं तो परिसीमन नहीं के नारे के साथ आदिवासी छात्र संघ ने 18 सितंबर को गुमला से धर्म कोड लागू करने और परिसीमन के विरोध में महारैली की शुरुआत करने की घोषणा की है। डॉ सुशील कुमार मिंज ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार द्वारा संसद में परिसीमन विधेयक पारित करने का विरोध किया जाएगा। 13-14 सितंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में ऑल इंडिया ट्राइबल कल्चर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें देश के सभी राज्यों से प्रतिनिधि आएंगे। उनके बीच धर्मकोड और परिसीमन के संबंध में सहमति बनाई जाएगी। तत्पश्चात संपूर्ण देश में इसका विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी छात्र संघ ने भारत बंद और आर्थिक नाकेबंदी करने की भी तैयारी की है और आगामी 4 अक्टूबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में महारैली के जरिए उग्र आंदोलन का निर्णय लिया गया है।

झारखंड में स्वाइन फ्लू को लेकर अलर्ट, गाइडलाइन जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। देश के कई राज्यों दिल्ली, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र और राजस्थान में इन्फ्लूएंजा ए एच 1 एन 1और एच 3 एन 2 सीजनल इन्फ्लूएंजा के बढ़ते मामलों और झारखंड में भी एच 1 एन 1 के केस मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। केंद्र सरकार के जारी निर्देश के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने राज्य के सभी सिविल सर्जन, मेडिकल कॉलेजों और जिला सर्विलेंस पदाधिकारियों को अलर्ट रहने और संक्रमण की निगरानी रखने का निर्देश जारी किया है। वहीं एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम आइडीएसपी के तहत राज्य सर्विलेंस पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह की देखरेख में राज्यभर में आइएलआइ और सारी मामलों की दैनिक निगरानी और आइएचआइपी पोर्टल पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया है कि राज्य में कई जगहों से एच 1 एन 1 संक्रमण की सूचनाएं मिली है। हालांकि झारखंड में अभी तक इन्फ्लूएंजा के संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। एच 1 एन 1 सीजनल इन्फ्लूएंजा (स्वाइन फ्लू) संक्रमण से निपटने के लिए अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा के निर्देश पर राज्य स्तर पर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इन्फ्लूएंजा ए-एच 1 एन 1 और एच 3 एन 2 की जांच सुविधा रिम्स और एमजीएम, जमशेदपुर में उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा सभी जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में संभावित व संक्रमित मरीजों के इलाज के लिए कम से कम 10 बेड का आइसोलेशन वार्ड चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा अस्पतालों में पीपीइ किट, एन 95 मास्क, ट्रिपल लेयर मास्क, भटीएम किट, आवश्यक दवाएं, ऑक्सीजन उपकरण और वेंटिलेटर की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। वहीं, अस्पतालों के ओपीडी में आने वाले आइएलआइ सर्दी, खांसी, बुखार और सारी गंभीर श्वसन संक्रमण के मरीजों की अनिवार्य रूप से स्क्रीनिंग की जाएगी, जिसके लिए डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को मास्क पहनने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। स्वाइन फ्लू को लेकर आईईसी के स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ. राहुल किशोर सिंह ने बताया कि इन्फ्लूएंजा से 'कैसे बचाव करें और उसके क्या लक्षण है' से संबंधित सामग्री के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी के अनुसार बुजुर्ग व्यक्ति, पांच साल तक के बच्चे, गर्भवती महिलाएं एवं गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्ति इस संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील हैं, इसलिए उन्हें विशेष ध्यान रखने की जरूरत है। राज्य सर्विलेंस पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि सभी निजी व सरकारी अस्पतालों को मरीजों का डेटा आइएचआइपी पोर्टल पर नियमित दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। संक्रमण से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सलाह जारी करते हुए कहा है कि भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाते समय मास्क पहनें, छींकते या खांसते वक्त रुमाल या कपड़े से मुंह-नाक ढंकें और शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा लिक्विड चीजें लें। इसके अलावा लोगों से हाथ मिलाने से बचें, सार्वजनिक स्थानों पर न थूकें, डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक्स दवाएं न लें और गंदे हाथों से आंख, नाक व मुंह को बार-बार न छुएं। स्वास्थ्य संबंधी किसी भी परामर्श, लक्षण दिखने पर सलाह या सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी के लिए राज्य सरकार का 24 घंटे उपलब्ध हेल्पलाइन नंबर 104 पर संपर्क किया जा सकता है।

विस्थापित परिवारों को मिले 50 डिसमिल जमीन : मरांडी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड में कोयला ब्लॉक से विस्थापित हुए परिवारों की समस्याओं को लेकर झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने गांवों का दौरा किया। उन्होंने चिलगो, बिशनपुर और आलूबेड़ा समेत अन्य विस्थापित गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। दौरे से पहले मरांडी प्रखंड मुख्यालय पहुंचे जहां भाजपा जिलाध्यक्ष सरिता मुर्मू समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। ग्रामीणों ने बताया कि विस्थापन के बाद उन्हें सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। जमीन से जुड़ी समस्याओं और रोजगार के अभाव का मुद्दा भी ग्रामीणों ने प्रमुखता से उठाया। कई विस्थापित परिवारों ने कहा कि पर्याप्त रोजगार नहीं मिलने से आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर भी इसका असर पड़ रहा है। ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विस्थापित परिवारों को सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने सरकार से विस्थापित परिवारों के लिए कम से कम 50 डिसमिल जमीन उपलब्ध कराने की मांग की। उनका कहना था कि बढ़ती आबादी को देखते हुए मौजूदा जमीन भविष्य के लिए पर्याप्त नहीं होगी। उन्होंने विस्थापित परिवारों के लिए 50 वर्ष की दीर्घकालिक योजना तैयार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया ताकि आने वाली पीढ़ियों को जमीन, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष नहीं करना पड़े। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को सरकार के समक्ष मजबूती से उठाया जायेगा और समाधान के लिए पहल की मांग की जाएगी। ग्रामीणों ने भी उनसे विस्थापन के बाद उत्पन्न समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया। उनका कहना है कि वर्तमान पीढ़ी के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को लेकर भी चिंता है। ग्रामीणों ने बताया कि रोजगार का उचित अवसर नहीं मिलने से परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। वहीं बच्चों की शिक्षा के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। सड़क, बिजली, पेयजल और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं की कमी के कारण रोजमर्रा की जिंदगी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने विस्थापन से जुड़ी जमीन की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग भी मरांडी के समक्ष रखी।

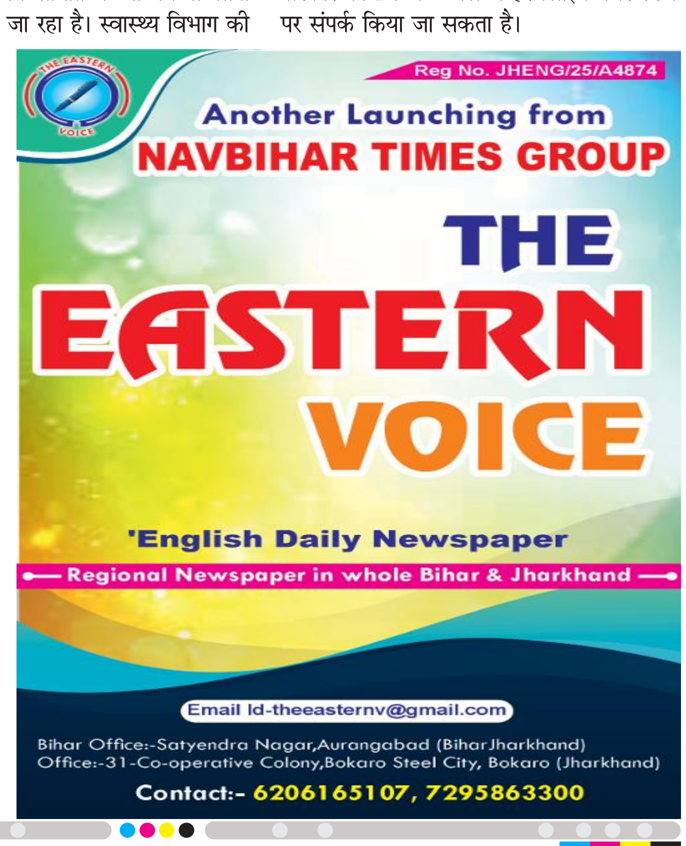

उपायुक्त ने विष्णुगढ़ प्रखंड का किया दौरा, विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र एवं डीवीसी कोनार परियोजना का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने आज विष्णुगढ़ प्रखंड का दौरा कर विभिन्न संस्थानों एवं विकास योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्क्रमित उच्च विद्यालय, सिलवार खुर्द, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, महेश्वरा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, विष्णुगढ़ तथा डीवीसी कोनार परियोजना का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। उपायुक्त ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय, सिलवार खुर्द का निरीक्षण कर विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था, शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रधानाचार्य से विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों की संख्या एवं उनकी उपस्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। वर्तमान में विद्यालय में 6 शिक्षक कार्यरत हैं। उपायुक्त ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई एवं विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्था की भी जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के क्रम में विद्यालय भवन की छत से पानी रिसने की समस्या सामने आने पर उपायुक्त ने डीएमएफटी मद से विद्यालय भवन की आवश्यक मरम्मत कराने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया। विद्यालय की प्राचार्य ने उपायुक्त के समक्ष विद्यालय में शौचालय निर्माण एवं अतिरिक्त कक्षों के निर्माण की आवश्यकता से अवगत कराते हुए इसके लिए अनुरोध किया। उपायुक्त ने विद्यालय में विद्यार्थियों को किताब एवं बैग वितरण की स्थिति की भी जानकारी ली।

उपायुक्त ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर, महेश्वरा का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रसव कक्ष का जायजा लेते हुए वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध दवाइयों एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की भी जांच की तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, विष्णुगढ़ का भ्रमण एवं गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इलाज कराने पहुंचे मरीजों से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, उपचार व्यवस्था एवं किसी प्रकार की कठिनाई के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने ओपीडी में मरीजों का रजिस्टर नियमित रूप से संधारित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने आयुष्मान कार्ड, डेंटल क्लिनिक कक्ष, एक्स-रे कक्ष, एचआईवी कक्ष, लैब जांच घर, सेल्फ केयर किट, प्रसव कक्ष, महिला वार्ड एवं कोल्ड चेन रूम सहित विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने दवाइयों एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता की भी जानकारी ली। निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं को संतोषजनक बताया तथा मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। दौरे के क्रम में उपायुक्त ने डीवीसी कोनार परियोजना, विष्णुगढ़ का भी निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजना के अंतर्गत लगभग 33 एकड़ क्षेत्र में 8 मेगावाट विद्युत उत्पादन हेतु लगाए जा रहे सोलर पैनल के कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने परियोजना की प्रगति एवं कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया। उपायुक्त के इस दौरे का उद्देश्य प्रखंड क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आधारभूत संरचना से जुड़ी व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर उनकी वास्तविक स्थिति का आकलन करना तथा आवश्यकतानुसार सुधारात्मक एवं विकासात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करना रहा।

आदिवासी एकता महाजुटान रैली को लेकर प्रवक्ता विक्की कुमार व विजय सिंह ने प्रेस को किया संबोधित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । प्रस्तावित परिसीमन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संवैधानिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर रविवार को रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले आदिवासी एकता महाजुटान में हजारीबाग से हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोगों के शामिल होने का दावा किया गया है। जिले के सभी 16 प्रखंडों से महिला, युवा और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को रांची ले जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। महाजुटान की तैयारियों को लेकर शनिवार को हजारीबाग के प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रवक्ता विक्की कुमार धान एवं संयोजक विजय सिंह भोक्ता ने संयुक्त रूप से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाजुटान को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और हजारीबाग से बड़ी संख्या में लोग रांची के लिए रवाना होंगे। विक्की कुमार धान ने कहा कि महाजुटान का उद्देश्य आदिवासी समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व, संवैधानिक अधिकारों तथा जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा से जुड़े सवालों को लोकतांत्रिक तरीके से मजबूती के साथ उठाना है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित परिसीमन केवल निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन का विषय नहीं, बल्कि झारखंड में आदिवासी समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व और लोकतांत्रिक भागीदारी से भी जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। महाजुटान में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित विधानसभा सीटों में वृद्धि, पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों में पेसा कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, लोकसभा एवं विधानसभा में आदिवासी राजनीतिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करने, स्थानीय एवं नियोजन नीति लागू करने, आदिवासी जमीन की सुरक्षा, लैंड

बैंक एवं लैंड पूल को समाप्त करने, विस्थापन एवं पलायन पर रोक सहित कई प्रमुख मांगें उठाई जाएंगी। वही विजय सिंह भोक्ता ने कहा कि आदिवासी समाज की जमीन उसकी पहचान, संस्कृति और अस्तित्व से जुड़ी है। इसलिए जमीन की सुरक्षा से संबंधित कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों में ग्राम सभा के अधिकारों को मजबूत करने तथा पेसा कानून को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने की मांग भी महाजुटान में प्रमुखता से रखी जाएगी। आयोजकों ने बताया कि महाजुटान में विभिन्न आदिवासी सामाजिक संगठनों की भागीदारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

सिंगरावां में सड़क हादसे में 10 वर्षीय मासूम की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने प्लांट का किया घेराव

चौपारण/हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सिंगरावां में कल हुई सड़क दुर्घटना में 10 वर्षीय मासूम आरव की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक के साथ-साथ आक्रोश का माहौल है। घटना से नाराज ग्रामीणों ने संबंधित प्लांट का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है। उन्होंने मृतक आरव के

परिजनों को उचित मुआवजा देने तथा भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। प्लांट के घेराव के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुटे रहे। ग्रामीणों ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने और सड़क पर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग उठाई। मासूम की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं घटना को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखा गया।

29-30 अगस्त को लगेगा स्वस्थ मेला, सस्ती दरों पर होगी स्वास्थ्य जांच

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। डॉ. लाल पैथलैब्स की ओर से गिरिडीह में 29 और 30 अगस्त, शनिवार एवं रविवार को ह्यस्वस्थ मेलाह्न का आयोजन किया गया है। अभिषेक प्रसाद ने कहा की मेले में लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच सुविधाएं विशेष रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी। मेले में सीबीसी, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल, एसजीपीटी और क्रिएटिनिन की जांच के लिए विशेष ह्यग्रामीण फिटह्न पैकेज ₹150 में उपलब्ध कराया गया है। इसके अलावा स्वस्थफिट के तहत शुगर, लिपिड, थायरॉयड, एलएफटी , केएफटी , एचबीए 1सी , विटामिन डी , बी 12 और सीबीसी जैसी जांचों के पैकेज भी रियायती दरों पर दिए जा रहे हैं। आयोजकों के अनुसार मेले के दौरान डॉक्टर परामर्श और आंखों की जांच निःशुल्क रहेगी। स्थानीय स्तर पर डॉ. लाल पैथलैब्स के केंद्र बरगंडा और बड़ा चौक में भी स्वास्थ्य जांच सेवाएं उपलब्ध हैं। मेला स्थलः बोरो, सिद्धि डायग्नोस्टिक सेंटर, बरगंडा, गोवर्धनलाल मेमोरियल हॉस्पिटल के पास, गिरिडीह।

41 स्कूलों में गूंजी कानून, साइबर सुरक्षा और सड़क सुरक्षा की पाठशाला

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार के निर्देश पर शनिवार को जिले के 41 विद्यालयों में एक साथ छात्र जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान डीएसपी, इंस्पेक्टर और थाना प्रभारियों ने विद्यार्थियों को कानून, साइबर सुरक्षा और यातायात नियमों की जानकारी दी। एसपी डॉ. बिमल कुमार स्वयं जमुआ के मिजार्गंज स्थित लंगटा बाबा उच्च विद्यालय पहुंचे और बच्चों को नए आपराधिक कानून बीएनएस- बीएनएसएस , जीरो एफआईआर और ई-एफआईआर के साथ महिला-बाल सुरक्षा कानूनों की जानकारी दी। बच्चों को साइबर ठगी, सोशल मीडिया ब्लैकमेलिंग, टास्क फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों से सावधान रहने की सलाह दी गई। साइबर ठगी होने पर 1930 पर कॉल करने और साइबरक्राइम .गोव .इन पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई। सड़क सुरक्षा के तहत नाबालिगों को वाहन नहीं चलाने, हेलमेट पहनने और ट्रिपल राइडिंग से बचने की अपील की गई। पुलिस अधिकारियों से सवाल-जवाब कर बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर पुलिस लाइन में फुटबॉल मैच, एसपी डॉ. बिमल कुमार ने किया शुभारंभ

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शनिवार को गिरिडीह पुलिस की ओर से पुलिस केंद्र (पुलिस लाइन) के खेल मैदान में फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के मौके पर आयोजित इस

प्रतियोगिता का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने फुटबॉल पर किक मारकर किया। एसपी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन, टीम भावना और आपसी समन्वय को मजबूत करते हैं। मेजर ध्यानचंद का जीवन और खेल के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि गिरिडीह पुलिस खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। कार्यक्रम में पुलिस के वरीय पदाधिकारी, डीएसपी, पुलिस बल के जवान और बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

पंचतत्व में विलीन हुए राज्य-गीत के कवि सत्यनारायण

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नवगीत के महान हस्ताक्षर और राज्य-गीत के अमर रचनाकार कवि सत्यनारायण शनिवार की सुबह पंचतत्त्व में विलीन हो गए। सम्पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार बाँसघाट स्थित मुक्तिधाम शवदाह-गृह में संपन्न हुआ। प्रातः ९ बजे उनके बड़े पुत्र संदीप स्नेह ने मुखाग्नि दी। इसके पूर्व राष्ट्रीय-ध्वज में लिपटा कवि का पार्थिव शरीर शव-वाहन से उतारा गया तो माहौल में एक गर्व-मिश्रित उदासी थी। सशस्त्र सलामी देने के लिए उपस्थित महिला-बल की एक टुकड़ी पहले से तैनात थी। शोक-धुन के साथ सशस्त्र सलामी दी गयी। बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ अनिल सुलभ, विधान-पार्षद संजय मयूख, पूर्व मंत्री श्याम रजक, कवि के छोटे पुत्र संजय, साहित्यकार रत्नेश्वर, कुमार अनुपम, प्रसिद्ध फि ल्मकार किरणकांत वर्मा, अभय सिन्हा, इंदु भूषण सिन्हा, संजीव कुमार, नंदन कुमार, रंजन कुमार अमृतनिधि, सुयश, चंद्रभूषण कुमार, सुनील कुमार समेत बड़ी संख्या में साहित्यकार और कवि के परिजनों ने अश्रुपूरित नेत्रों से कवि को अंतिम विदाई दी।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर डीवीसी कोनार में खेलों का उत्साह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़ (हजारीबाग)। महान हॉकी खिलाड़ी एवं ह्यहॉकी के जादूगरह्न मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के तहत डीवीसी कोनार में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन परियोजना प्रधान श्री राणा रणजीत सिंह के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर डीवीसी मध्य विद्यालय एवं उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ डीवीसी कोनार के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान कबड्डी एवं फुटबॉल के मुकाबले आयोजित किए गए, जिसमें खिलाड़ियों ने पूरे जोश, उत्साह और अनुशासन के साथ अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेल मैदान में खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों ने बेहतरीन टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और खेल कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता एवं उपविजेता टीमों को वरीय प्रबंधक (विद्युत) श्री विशाल यादव ने ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर वरीय प्रबंधक श्री विशाल यादव (विद्युत) ने कहा कि खेल केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जीवन में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व और संघर्ष की भावना भी विकसित करता है। अनुशासन में रहकर खेल खेलने से व्यक्ति जीवन में प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकता है। कार्यक्रम में उच्च विद्यालय कोनार के प्राचार्य भरत किशोर महतो, मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजेश्वर कुमार रजक, संजय दास, मुनेश्वर लाल, सुनील तुरी, महेश प्रजापति सहित डीवीसी के अधिकारी, कर्मचारी, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पांडु गांव में खनन ब्लास्टिंग से दहशत, ग्रामीणों ने कंपनी पर लगाया लापरवाही का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड अंतर्गत पांडु गांव में खनन कार्य के दौरान हो रही ब्लास्टिंग को लेकर ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि रिहायशी इलाके के बेहद करीब एनटीपीसी की माइनिंग परियोजना में कार्यरत बीजीआर कंपनी द्वारा लगातार भारी ब्लास्टिंग की जा रही है, जिससे लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों के अनुसार, रिहायशी क्षेत्र से महज 50 से 100 मीटर की दूरी पर ब्लास्टिंग किए जाने से तेज धमाकों के साथ पत्थरों के टुकड़े उड़कर आसपास के क्षेत्रों तक पहुंचते हैं। ब्लास्टिंग के कारण घरों में कंपन महसूस होने और कुछ मकानों की दीवारों में दरारें आने की बात भी ग्रामीणों ने कही है। वहीं, खनन क्षेत्र से उड़ने वाली धूल से भी ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ब्लास्टिंग के दौरान बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भय के माहौल में रहने को मजबूर हैं। लोगों को आशंका है कि यदि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया तो कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

श्री श्याम अरदास कीर्तन परिवार का पंचम मनुहार महोत्सव आज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवीन सिन्हा (हजारीबाग ब्यूरो)। बाबा श्याम की भक्ति और भजनों की मधुर धुनों से रविवार को हजारीबाग भक्तिमय होने जा रहा है। श्री श्याम अरदास कीर्तन परिवार की ओर से 30 अगस्त को अग्रसेन भवन में पंचम श्री श्याम मनुहार महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। महोत्सव को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन स्थल पर भव्य दरबार, आकर्षक सजावट, रोशनी, प्रसाद एवं श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है। महोत्सव के दौरान बाबा श्याम का विशेष और मनमोहक दरबार सजाया जाएगा। दरबार की भव्य सजावट श्रद्धालुओं के लिए

विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। कोलकाता के कारीगरों द्वारा तैयार किए गए भव्य दरबार में आकर्षक सजावट और रोशनी के बीच बाबा श्याम का अलौकिक स्वरूप श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति कराएगा। बाबा श्याम का चंदन और केसर से विशेष दिव्य श्रृंगार किया जाएगा। श्रृंगार के बाद बाबा श्याम के मनमोहक स्वरूप के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। पूरे आयोजन स्थल पर भक्ति और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिलेगा। महोत्सव में देश के प्रसिद्ध भजन गायक जयपुर के अभिषेक नामा, कटिहार के आदर्श दाधीच एवं जयपुर के दीपांशु अग्रवाल अपनी भजन प्रस्तुतियों से बाबा श्याम का गुणगान करेंगे। स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियों के बाद प्रसिद्ध भजन गायकों की मधुर आवाज से अग्रसेन भवन परिसर बाबा श्याम के जयकारों और भक्ति गीतों से गूंज उठेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2:15 बजे बाबा श्याम की पूजा-अर्चना के साथ होगा। राणी सती मंदिर के प्रधान पुजारी शशिकांत मिश्रा विधिवत पूजा-अर्चना संपन्न कराएंगे। इसके बाद अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी और भव्य भजन-कीर्तन का सिलसिला शुरू होगा। श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शन के साथ भजन-कीर्तन में शामिल होकर भक्तिरस का आनंद लेंगे।

पूर्व सांसद महावीर लाल की धर्मपत्नी सीता देवी के निधन पर दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो । हजारीबाग के पूर्व सांसद आदरणीय महावीर लाल विश्वकर्मा की धर्मपत्नी सीता देवी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त होने पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने दिवंगत सीता देवी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके निधन को परिवार के साथ-साथ समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति बताया। शेफाली गुप्ता ने कहा कि किसी प्रियजन का इस संसार से चले जाना परिवार के लिए अत्यंत पीड़ादायक क्षण होता है। सीता देवी जी के निधन से परिजनों और शुभचिंतकों को जो अपार दुःख हुआ है, उसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने शोकाकुल परिवार के सदस्यों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की कामना की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि भगवान पुण्यात्मा सीता देवी जी को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा उन्हें मोक्ष एवं शांति प्रदान करें। साथ ही, ईश्वर शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति, संबल और धैर्य प्रदान करें। भाजपा नेत्री ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में पूरा समाज और शुभचिंतक परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि दिवंगत सीता देवी जी की स्मृतियां सदैव परिजनों और उन्हें जानने वालों के बीच जीवित रहेंगी। उनकी आत्मा की शांति के लिए सभी ने प्रार्थना की और परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

विद्यार्थियों को नशा, साइबर फ्रॉड व डायन कुप्रथा के प्रति किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण थाना अंतर्गत केबीएसएस प्लस टू उच्च विद्यालय में चौपारण थाना की ओर से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को एनडीपीएस (मादक पदार्थ) से होने वाले नुकसान, डायल 112 की उपयोगिता, डायन कुप्रथा, साइबर फ्रॉड एवं महिला प्रताड़ना जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। पुलिस पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से समझाते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है। विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी नशे के विरुद्ध जागरूक करें। साइबर अपराध से बचाव के संबंध में विद्यार्थियों को अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी एवं अन्य निजी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा नहीं करने की सलाह दी गई। साथ ही किसी आपात स्थिति में डायल 112 का उपयोग करने की जानकारी भी दी गई। चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार ने कहा कि, ह्युवाओं और विद्यार्थियों को जागरूक करना नशामुक्त एवं सुरक्षित समाज बनाने की दिशा में बेहद जरूरी कदम है। नशे के कारण व्यक्ति का भविष्य प्रभावित होने के साथ-साथ उसका परिवार भी बर्बाद हो सकता है।

सांसद मनीष जायसवाल के दो वर्षों के कार्यकाल में हजारीबाग का हुआ चौतरफा विकास : विवेकानंद सिंह

भाजपा जिलाध्यक्ष ने प्रेस वार्ता कर सांसद के विकास कार्यों का रखा ब्यौरा, कांग्रेस के आरोपों को बताया बेबुनियाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवीन सिन्हा (हजारीबाग ब्यूरो)। हजारीबाग स्थित फ्लोरिस्टा रेस्टोरेंट के सभाकक्ष में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी हजारीबाग जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने प्रेस वार्ता कर सांसद मनीष जायसवाल के दो वर्षों के कार्यकाल में क्षेत्र में किए गए विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि हजारीबाग की जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सांसद मनीष जायसवाल ने सड़क, पुल, भवन, रेलवे, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और सामाजिक सरोकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। विवेकानंद सिंह ने कहा कि सांसद ने विकास कार्यों के साथ समाज के हर वर्ग के सुख-दुख में सहभागी बनकर सेवा की नई परंपरा स्थापित की है। वर्ष 2024, 2025 और 2026 में कुल 227 गरीब एवं असहाय परिवारों की बहन-बेटियों का सामूहिक विवाह सम्मानपूर्वक कराया गया तथा उन्हें जीविकोपार्जन के साधन उपलब्ध कराने की पहल की गई। उन्होंने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया गया तथा अब तक 24 हजार से अधिक खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिला है। वहीं सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के तहत गरीब एवं जरूरतमंद सनातनियों को अयोध्या, काशी, प्रयाग और विंध्याचल के दर्शन कराने का अभियान जारी है। अब तक 74 जत्थे तीर्थ दर्शन के लिए रवाना हो चुके हैं। विकास कार्यों की जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के माध्यम से भारत माता चौक से सिंदूर बाईपास तक करीब 107 करोड़ रुपये की लागत से 10 किलोमीटर सड़क के पुनर्निर्माण एवं चौड़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। इसके अलावा

चुटूपालु घाटी, चरही घाटी तथा दनुवां-भानुवां घाटी के दुर्घटना संभावित स्थलों पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य भी कराया जा रहा है। हजारीबाग और रामगढ़ जिले में करीब 67 किलोमीटर लंबी सड़क के निर्माण की दिशा में भी कार्य जारी है। रेलवे क्षेत्र में बरकाकाना जंक्शन को अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल किए जाने, हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन पर रेल डिब्बों के रखरखाव तथा नई रेल सेवाओं में बढ़ोतरी को सांसद की सक्रिय पहल का परिणाम बताया गया। उन्होंने कहा कि कोडरमा-हजारीबाग-बरकाकाना रेलखंड की करीब 133 किलोमीटर लंबी दोहरीकरण परियोजना को लेकर भी कार्य किया जा रहा है। विवेकानंद सिंह ने बताया कि सांसद निधि से करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से सड़क, पीसीसी पथ सहित विभिन्न स्थानीय योजनाओं को स्वीकृति दी गई है। बरसात के बाद इनके निर्माण कार्य में तेजी आने की बात कही गई। वहीं दो वर्षों में 84 जरूरतमंद मरीजों को करीब 1 करोड़ 89 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिलाने का दावा किया गया। उन्होंने कहा कि विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों के सहयोग से रामगढ़, चौपारण, टाटीझरिया, दारू और चरही समेत कई प्रखंडों में सैकड़ों सौर एवं सामान्य स्ट्रीट लाइट लगाने की पहल हुई है। इसके अलावा 25 विद्यालयों में स्मार्ट कक्षाएं शुरू की गई हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बड़कागांव, सदर, केरेडारी, विष्णुगढ़ और चौपारण में दो वर्षों के दौरान 8 सड़कों का निर्माण, जिसकी कुल लंबाई करीब 94 किलोमीटर है, पूरा किए जाने की जानकारी भी प्रेस वार्ता में दी गई। उरफ के माध्यम से शिक्षा, ग्रामीण विकास, पेयजल, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण, सामुदायिक विकास, गरीबी उन्मूलन, खेल, कौशल विकास और युवा विकास से जुड़े विभिन्न कार्य कराए जाने की बात कही गई। कांग्रेस जिला अध्यक्ष, पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री जयप्रकाश भाई पटेल द्वारा सांसद के दो वर्षों के कार्यकाल में विकास कार्य नहीं होने के आरोप पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने पलटवार किया। उन्होंने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि विकास कार्यों का यह विवरण स्वयं कांग्रेस के आरोपों का जवाब है। उन्होंने कहा कि लगातार घटती लोकप्रियता से घबराकर सांसद मनीष जायसवाल के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी की जा रही है। प्रेस वार्ता में भाजपा जिला महामंत्री जय नारायण प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष मंजू नंदिनी एवं कुणाल किशोर, जिला मंत्री निरंजन मेहता, कार्यालय प्रभारी विवेक सिंह एवं जितेंद्र जैन तथा पूर्व जिला उपाध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि अजय साहू, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सह जिला महामंत्री जय नारायण उपस्थित थे।

दम घुटने से चार मजदूर की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोपालगंज। जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र स्थित सवनही पट्टी गांव में शनिवार दोपहर एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां शौचालय की टंकी की सेंट्रिंग खोलने के दौरान जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण दम घुटने से चार कामगारों की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना में चारों को बचाने की कोशिश कर रहा एक स्थानीय युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल रेफर किया गया है। एक साथ चार मौतों से पूरे गांव और आसपास के इलाकों में कोहराम मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सवनही पट्टी गांव निवासी गयासुद्दीन के मकान में करीब 15 दिन पहले शौचालय की टंकी की ढलाई का काम पूरा हुआ था। शनिवार दोपहर टंकी के अंदर लगी लकड़ी और प्लाई की सेंट्रिंग हटाने के लिए कामगार एक-एक करके नीचे उतरे थे। टंकी काफी दिनों से बंद थी, जिसके कारण उसके अंदर जहरीली गैस जमा हो गई थी। जैसे ही पहला मजदूर नीचे उतरा, उसका दम घुटने लगा। उसे छटपटाता देख और बचाने के प्रयास

शौचालय की सेंट्रिंग खोलने उतरे थे लोग

में बाकी कामगार भी एक-एक कर टंकी के अंदर उतर गए। जहरीली गैस की चपेट में आने से सभी की हालत बिगड़ गई और वे वहीं बेहोश होकर गिर पड़े।

मृतकों की पहचान सवनही पट्टी गांव निवासी रमाशंकर बैठा के पुत्र बंटी बैठा, मकान मालिक गयासुद्दीन मियां के पुत्र टीपू, सवनही वृत्त गांव निवासी विश्वनाथ यादव के पुत्र उमेश यादव और श्रीपुर थाना क्षेत्र के गिदहा गांव निवासी एक अन्य युवक के रूप में हुई है।

घटना के दौरान चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग राहत और बचाव के लिए दौड़े। बचाव कार्य के दौरान मंजूर खान का पुत्र सिराज खान भी जहरीली गैस की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों की मदद से सभी को आनन-फानन में टंकी से बाहर निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, फुलवरिया ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चारों कामगारों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल सिराज को प्राथमिक उपचार के बाद गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया गया।

डूबने से युवक की मौत

मुजफ्फरपुर। जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम नहर में नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने से 25 वर्षीय युवक की डूबकर मौत हो गई। घटना साहेबगंज प्रखंड की जगदीशपुर पंचायत स्थित जगदीशपुर गांव के नहर कैनाल की है। मृतक की पहचान देव नारायण दास के 25 वर्षीय पुत्र मंतोष कुमार दास के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि सूचना मिलने के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए और परिवार को सांत्वना दी।

बताया गया कि शुक्रवार शाम करीब 5 बजे मंतोष कुमार जगदीशपुर नहर कैनाल में नहाने गया था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। ग्रामीणों ने युवक को पानी से निकालने के लिए अपने स्तर पर काफी प्रयास किया। कई घंटे की मशक्कत के बाद रात करीब 9 बजे उसका शव नहर से बरामद किया जा सका। ग्रामीणों के मुताबिक, पानी से बाहर निकाले जाने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी।

मंतोष अपने परिवार में दो बहनों के बीच इकलौता भाई था। उसकी दो बहनें शादीशुदा हैं।

आरक्षण मुद्दे पर मांझी-चिराग आमने सामने

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार की सियासत में आरक्षण को लेकर एनडीए के भीतर मतभेद अब खुलकर सामने आने लगे हैं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने जीतन राम मांझी और उनके बेटे संतोष सुमन के आरक्षण में बदलाव से जुड़े रुख पर कड़ा ऐतराज जताया है।

चिराग ने साफ कहा कि अगर क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की मांग है तो पहले पद से इस्तीफा देना चाहिए।

चिराग पासवान ने कहा कि आरक्षण का आधार आर्थिक स्थिति नहीं, बल्कि सदियों से चला आ रहा सामाजिक भेदभाव है।

ऐसे में आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था में बदलाव को लेकर कोई भी फैसला बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्रीमी लेयर जैसे मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी के बजाय संसद में चर्चा होनी चाहिए।

चिराग ने जीतन राम मांझी के साथ-साथ बिहार सरकार में मंत्री संतोष सुमन के रुख पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अगर दोनों नेता आरक्षण में क्रीमी लेयर या अन्य बदलाव चाहते हैं तो उन्हें पहले अपने पदों से इस्तीफा देना चाहिए।

दरअसल, जीतन राम मांझी और संतोष सुमन आरक्षण के भीतर वर्गीकरण और कोटे में कोटा

दलित राजनीति में बढ़ सकता है टकराव

जैसे मुद्दों की वकालत करते रहे हैं। उनका तर्क है कि आरक्षण का लाभ सभी समुदायों तक समान रूप से नहीं पहुंच पा रहा है।

संतोष सुमन का कहना है कि उनकी मांग आरक्षण खत्म करने की नहीं, बल्कि उन समुदायों तक उसका लाभ पहुंचाने की है जो अब भी सबसे ज्यादा वंचित हैं।

उनका सवाल है कि अगर अन्य वर्गों में अलग-अलग श्रेणियां बनाई जा सकती हैं तो एससी वर्ग के भीतर भी जरूरत के आधार पर व्यवस्था क्यों नहीं हो सकती।

चिराग पासवान का कहना है कि आरक्षण की व्यवस्था आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने के लिए नहीं बनाई गई थी। इसका मूल उद्देश्य सामाजिक भेदभाव और छुआछूत का सामना करने वाले समुदायों को प्रतिनिधित्व और समान अवसर उपलब्ध कराना था।

उनके मुताबिक आरक्षण को केवल आर्थिक स्थिति के आधार पर देखने से इसकी मूल भावना प्रभावित हो सकती है। चिराग ने संकेत दिया कि इस तरह के संवेदनशील मुद्दे पर किसी भी बदलाव से पहले व्यापक संवैधानिक और संसदीय बहस जरूरी है।

आरक्षण के मुद्दे पर चिराग पासवान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी हमला बोला। उन्होंने सामाजिक भेदभाव के लिए कांग्रेस की लंबे समय तक रही सत्ता की भूमिका पर सवाल उठाया।

चिराग ने कहा कि अगर आज भी समाज में भेदभाव की स्थिति बनी हुई है तो लंबे समय तक देश पर शासन करने वाली कांग्रेस को भी इसका जवाब देना चाहिए।

इस बयान के जरिए उन्होंने आरक्षण की बहस को एनडीए के भीतर के मतभेदों से आगे बढ़ाकर विपक्ष पर भी निशाना साधने की कोशिश की।

आरक्षण के मुद्दे पर चिराग पासवान और मांझी-सुमन खेमे के बीच सामने आया मतभेद बिहार की दलित राजनीति के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

दोनों पक्ष खुद को वंचित वर्गों के हितों की आवाज बता रहे हैं, लेकिन आरक्षण की व्यवस्था को लेकर उनके रास्ते अलग नजर आ रहे हैं।

ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या एनडीए के भीतर इस मुद्दे पर कोई साझा रुख बन पाएगा या आने वाले दिनों में आरक्षण को लेकर सहयोगी दलों के बीच टकराव और बढ़ेगा।

मृतक के परिजनों को किया खाद्य सामग्री का सहयोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। अंचल रामगढ़ में कुन्दरूकला पंचायत क्षेत्र के नवाड़ीह गांव निवासी शुगन महतो की धर्मपत्नी स्व गीता देवी के श्राद्धकर्म के लिए खाद्य सामग्री आटा,चावल चुड़ा तथा तेल देकर सहयोग किया गया। रामगढ़ के जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो उर्फ डीएम एवं कुन्दरूकला मुखिया किशुन राम मुण्डा के द्वारा सहयोग किए गए। इस अवसर पर कहा की हम हमेशा अपने पंचायत के लोगो को सहयोग तथा मदद करते आ रहें है। आगे भी करते रहेंगे। हमेशा अपने पंचायत के लोगों के प्रति रात हो या दिन 24 घंटा तत्पर रहते है। मौके पर उपमुखिया मोहराय महतो, वार्ड सदस्य टेकलाल महतो, रामवृक्ष महतो, उगन महतो, टीमन महतो, बजट नायक एवं शोकाकुल परिवारजनों मौजूद थे।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस बलों के बीच नोकझोंक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं परीक्षा में कथित अनियमितताओं समेत विभिन्न मांगों को लेकर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी के नेतृत्व में शनिवार को पटना में निकाला गया अधिकार मार्च जेपी गोलंबर के पास पहुंचते ही पुलिस ने रोक दिया। प्रदर्शनकारी गांधी मैदान से मार्च करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में आगे बढ़ रहे थे, लेकिन जेपी गोलंबर पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने करीब 20 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। स्थिति को देखते हुए गांधी मैदान और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी गांधी मैदान से अधिकार मार्च लेकर आगे बढ़े। मार्च जेपी गोलंबर के पास पहुंचा तो पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रास्ता रोक दिया। प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे, जिसके चलते मौके पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक की स्थिति बन गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जेपी गोलंबर से आगे जाने की अनुमति नहीं दी। मौके पर स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे करीब 20 लोगों को हिरासत में लिया है।

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में बीपीएससी 70वीं परीक्षा में कथित अनियमितताओं की न्यायिक जांच कराना शामिल है। इसके साथ ही प्रदर्शनकारी बीपीएससी चेयरमैन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। इसके अलावा नगर निकायों में काम करने वाले सफाई कर्मचारियों के जीवन स्तर, वेतन, रोजगार और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग भी अधिकार मार्च में उठाई जा रही है।

प्रदर्शनकारियों की अन्य मांगों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए ऑनलाइन एफआईआर की व्यवस्था लागू करना शामिल है। साथ ही बिहार की सभी भर्तियों में 85 प्रतिशत डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग भी की जा रही है।प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर सरकार को गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि परीक्षा को लेकर छात्रों और युवाओं के साथ कथित तौर पर भेदभावपूर्ण व्यवहार किया गया है। उनका आरोप है कि पूरी प्रक्रिया में गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के मुकाबले अमीर वर्ग को फायदा पहुंचाने वाला रवैया दिखाई दिया है।

ट्रक से टकरायी अनियंत्रित बाइक दो दोस्त की गई जान

जिंदगी और मौत से जूझ रहा एक दोस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। करजा थाना क्षेत्र में भीषण सड़क दुर्घटना में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना करजा थाना क्षेत्र स्थित गोनौरा इंडा पेट्रोल पंप के समीप शनिवार अहले सुबह की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि आगे जा रहे ट्रक में पीछे से बाइक की टक्कर हो गई, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ।

घटना के बाद इलाके में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही करजा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मड़वन पहुंचाया। वहां उसकी स्थिति में सुधार नहीं होने पर डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे रेफर कर दिया।

वहीं, पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया। मृतकों की पहचान जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के गोपी धनवत निवासी मुन्ना महतो (20) और रतनपुरा निवासी नितेश तिवारी (22) के रूप में हुई है। वहीं, गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान विशुनपुर दुबियाही उर्फ डोमा डीह निवासी 23 वर्षीय तोखन राय के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मची हुई है।

पूरी घटना को लेकर करजा थाना प्रभारी राम एकबाल प्रसाद ने बताया कि सड़क दुर्घटना में बाइक सवार तीन युवक घायल हुए थे, जिनमें से

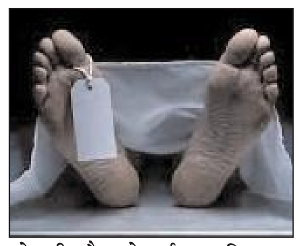

दो की मौत हो गई, जबकि एक घायल का इलाज मेडिकल कॉलेज में कराया जा रहा है। तीनों युवक जैतपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि आगे जा रहे ट्रक में बाइक सवार युवकों की बाइक पीछे से टकरा गई, जिससे दुर्घटना हुई। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार सामने आई है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

चार नाबालिग सहित छह युवती का किया रेस्क्यू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

किशनगंज। भारत-नेपाल सीमा पर सतर्क सशस्त्र सीमा बल की 41वीं वाहिनी के जवानों ने मानव तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल करते हुए चार नाबालिगों समेत छह युवतियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया है। इस दौरान मौके से युवतियों को सीमा पार कराने की कोशिश कर रहे दो मानव तस्करों को भी रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई एसएसबी की 'डी' कंपनी पानीटंकी के जवानों ने गुरुवार देर शाम पुराने पुल के समीप नियमित चेकिंग अभियान के दौरान की।

एसएसबी के अनुसार, शाम करीब 6:30 बजे जवानों ने दो संदिग्ध पुरुषों के साथ चार नाबालिग और दो बालिग युवतियों को पैदल ही भारत से नेपाल सीमा की ओर बढ़ते देखा। संदेह होने पर जब उन्हें रोककर पूछताछ की गई, तो मामला मानव तस्करी से जुड़ा प्रतीत हुआ। इसके बाद एसएसबी मुख्यालय रानीडांगा की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट,

सभी नाबालिगें त्रिपुरा की

खुफिया ब्यूरो और स्थानीय गैर-सरकारी संगठन 'कोसी लोक मंच' को सूचित कर संयुक्त रूप से गहन पूछताछ शुरू की गई।

संयुक्त पूछताछ में एक बड़े अंतरराज्यीय व अंतरराष्ट्रीय गिरोह का खुलासा हुआ। जानकारी के अनुसार, कूचबिहार निवासी अन्ना और नेपाल के विराटनगर स्थित 'लोटस डांस बार' का मैनेजर विक्की कौशिक इन युवतियों को नेपाल पहुंचाने के पूरे नेटवर्क का संचालन कर रहे थे।

जांच में सामने आया कि डांस बार मैनेजर के संपर्क में त्रिपुरा निवासी निर्मल देबबर्मा और जलपाईगुड़ी निवासी चिन्मय बसाक थे। इन दोनों को युवतियों को झांसे में लेकर सीमा पार कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। युवतियों को डांस बार में काम दिलाने और अन्य अनैतिक गतिविधियों में धकेलने की योजना थी। सुरक्षा एजेंसियां इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य तस्करों की तलाश में जुटी हैं।

त्रिपुरा की रहने वाली हैं सभी नाबालिग, पॉक्सो व तस्करी की धाराओं में केस]

रेस्क्यू की गई सभी चारों नाबालिग लड़कियां त्रिपुरा की रहने वाली हैं। वहीं, मौके से गिरफ्तार आरोपितों की पहचान 25 वर्षीय निर्मल देबबर्मा (निवासी त्रिपुरा) और 32 वर्षीय चिन्मय बसाक (निवासी मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी) के रूप में हुई है।

विशेषज्ञों द्वारा काउंसिलिंग के उपरांत सभी छह युवतियों और दोनों आरोपितों को एनजीओ कोसी लोक मंच के सहयोग से आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए खोरीबाड़ी थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने नाबालिगों के सुरक्षित पुनर्वास और घर वापसी की प्रक्रिया शुरू करते हुए आरोपितों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट एवं मानव तस्करी की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

शिक्षक की मौत

शिवाजी नगर। प्रखंड क्षेत्र के 47 वर्षीय शिक्षक टुनटुन मलिक की आकस्मिक मौत से शिक्षकों एवं स्थानीय लोगों में शोक की लहर है। टुनटुन मलिक बांदा कॉलोनी स्थित विद्यालय में कार्यरत थे। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें इलाज के लिए दरभंगा स्थित विवाह हेल्थ केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली शिक्षक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों, सहकर्मियों और परिचितों में मातम छा गया। उनके निधन से शिक्षा जगत में भी शोक व्याप्त है। मृतक अपने पीछे पत्नी रीता देवी (42 वर्ष), बड़े पुत्र चंदन कुमार, पुत्र राजा कुमार एवं पुत्री चंदा कुमारी को छोड़ गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है शोक सभा में शिक्षक संकुल समन्वयक समेत बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं शामिल हुए। सभी ने दिवंगत शिक्षक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शिक्षकों ने कहा कि टुनटुन मलिक अपने कार्य के प्रति हमेशा गंभीर और समर्पित रहते थे। उनका आकस्मिक निधन शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है

राधा गोविन्द विवि में हर्षोल्लास से मना सावन महोत्सव

सावन महोत्सव प्रेम, संस्कार और सामाजिक एकता का प्रतीक :प्रियंका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग की ओर से भारतीय लोक-संस्कृति, परंपरा एवं सावन की हरियाली से विद्यार्थियों को जोड़ने के उद्देश्य से सावन महोत्सव का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा एवं कलात्मक कौशल का मनमोहक प्रदर्शन किया।

महोत्सव के अंतर्गत राखी मेकिंग प्रतियोगिता, थाली सज्जा प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता तथा पारंपरिक खाद्य सामग्री / व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने आकर्षक राखियां, मनमोहक थालियां एवं सुंदर मेहंदी डिजाइनों के माध्यम से अपनी सृजनात्मकता का परिचय दिया। वहीं, पारंपरिक व्यंजनों की विविधता ने भारतीय खान-पान एवं लोक परंपराओं की समृद्ध विरासत

को जीवंत कर दिया। पूरे परिसर में सावन के उल्लास, उमंग और उत्सव का वातावरण देखने को मिला। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने सभी को सावन महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं आशीर्वाद दी और उन्होंने कहा कि सावन का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, प्रेम और समृद्धि लेकर आए।

कुलपति प्रो. (डॉ.) रश्मि ने कहा कि सावन महोत्सव जैसे आयोजन विद्यार्थियों को हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं एवं सामाजिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।

कुलसचिव प्रो (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल ने कहा कि भारतीय संस्कृति की विशेषता उसकी विविधता और जीवंत परंपराओं में निहित है। सावन महोत्सव हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सुंदर प्रयास है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, शिक्षा विभाग के शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही।

फिर नहीं बिके जिले के बालू घाट

राजस्व के साथ- साथ रोजगार को भी झटका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। जिले में बालू खनन से सरकार को राजस्व दिलाने की कोशिशों को एक बार फिर झटका लगा है। जिले के सोन और गंगा नदी के 16 बालू घाटों की नीलामी लगातार 18वीं बार भी नहीं हो सकी। निर्धारित प्रक्रिया के तहत इन घाटों के लिए खरीदार नहीं मिलने के कारण टेंडर की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। अब खनन विभाग की ओर से एक बार फिर इन घाटों की नीलामी का प्रस्ताव राज्य मुख्यालय को भेजे जाने की तैयारी है। लगातार नीलामी नहीं होने से करोड़ों रुपये के राजस्व की संभावित आय अटकी हुई है। इन 16 घाटों में सोन नदी के 11 और गंगा नदी के पांच बालू घाट शामिल हैं।

सोन नदी के घाट संख्या 3, 5, 6, 8, 16, 17, 22ए, 22बी, 39, 40 और 41ए की कुल नीलामी राशि करीब 38 करोड़ रुपये निर्धारित है। वहीं गंगा नदी के घाट संख्या तीनए, तीनबी, चारए, चारबी समेत पांच घाटों की कुल कीमत करीब दो करोड़ रुपये है। इस तरह सभी 16 घाटों की नीलामी से करीब 40 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद थी।

विभागीय स्तर पर लगातार नीलामी की प्रक्रिया कराने के बावजूद खरीदारों के सामने नहीं आने के पीछे कई वजहें बताई जा रही हैं। सबसे बड़ी वजह घाटों के लिए निर्धारित अधिक राशि मानी जा रही है। इसके अलावा कई घाटों की भौगोलिक एवं परिचालन स्थिति भी खरीदारों के लिए अनुकूल नहीं है। नदी के जलस्तर, पहुंच मार्ग, खनन योग्य क्षेत्र और बालू की उपलब्धता जैसे कारणों को देखते हुए कई संभावित बंदोबस्तधारी इतनी बड़ी राशि खर्च करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। यही वजह है कि बार-बार टेंडर निकालने के बाद भी घाटों का बंदोबस्त नहीं हो पा रहा है।

गंडक की लहरों ने सुनाई नेपाल के तबाही की कहानी

नेपाल से बहकर आयी मलवा और लाशें देख सहमे लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। *नेपाल में आई भीषण बाढ़ और जल प्रलय की तबाही का असर अब गंडक नदी के रास्ते बिहार के सोनपुर तक दिखाई देने लगा है।*

शुक्रवार को नदी में बड़ी मात्रा में मलबा, लकड़ियां, घरेलू सामान और अन्य वस्तुएं बहती नजर आईं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मलबे के बीच इंसानों और मवेशियों के शव भी दिखाई दिए। नदी का यह मंजर देखकर किनारे पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।

नेपाल में बुधवार को आई भीषण बाढ़ के बाद तबाही का मलबा अब गंडक नदी के साथ बहते हुए सोनपुर पहुंच रहा है। शुक्रवार सुबह अचानक नदी में बड़ी मात्रा में लकड़ी, टीन, घरेलू सामान और टूटे हुए निमार्णों का मलबा दिखाई देने लगा।

तेज धार के साथ बहती इन वस्तुओं को देखकर लोगों ने नेपाल में हुए नुकसान का अंदाजा लगाया। सुबह से लेकर शाम तक लोग नदी किनारे खड़े होकर इस भयावह दृश्य को देखते रहे।

पुरानी गंडक पुल और नमामि गंगे घाट के आसपास नदी का दृश्य बेहद भयावह नजर आया। तेज बहाव में क्षतिग्रस्त मकानों, दुकानों और अन्य निमार्णों का मलबा बहता दिखाई दिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मलबे के बीच कई शव भी नजर आए। इनमें इंसानों के साथ गाय, भैंस, बकरी, कुत्ते और सूअर जैसे जानवरों के शव होने की बात कही गई।

गंडक नदी में बहकर आए मलबे के बीच गैस सिलिंडर भी दिखाई दिए। इसके अलावा लकड़ी, टीन, फर्नीचर और घरों व दुकानों में इस्तेमाल होने वाली कई वस्तुएं तेज धारा के साथ बहती रहीं।

नदी में दूर-दराज से पहुंचा यह सामान बाढ़ की भयावहता का संकेत दे रहा था। लोगों का कहना था कि तेज बहाव अपने साथ रास्ते में आने वाली हर चीज को बहाकर ला रहा है।

गंडक नदी में बहते मलबे को देखने के लिए सुबह से ही पुरानी गंडक पुल और आसपास के घाटों पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। लोग नदी किनारे खड़े होकर लगातार बहकर आ रहे सामान को देखते रहे।

इस दौरान नेपाल में आई बाढ़ और वहां हुई तबाही को लेकर चचाएँ होती रहीं। नदी के पानी के साथ बहकर आए सामान को देखकर कई लोग स्तब्ध नजर आए।

नदी में बहकर आ रही लकड़ी और अन्य वस्तुओं को निकालने के लिए कुछ लोग तेज बहाव के बावजूद पानी की ओर बढ़ते दिखाई दिए। कुछ लोग छोटी-छोटी टोलियों में नदी की बीच धार तक पहुंचने का प्रयास करते रहे।

एसआइआर से संबंधित नों मैपिंग की हुई जनसुनवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पतरातू / रामगढ़। पंचायत सचिवालय कटिया बस्ती में एसआइआर से संबंधित नों मैपिंग वाले मतदाताओं का जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बूथ संख्या 258 से लेकर 262 तक के मतदाताओं का जनसुनवाई की गई। यह जनसुनवाई पतरातू अंचल क्षेत्र के अंचल पदाधिकारी मनोज कुमार चौरसिया की उपस्थिति में संपन्न किया गया। इस जनसुनवाई में अनुपस्थित रह गए। मतदाताओं को एक मौका और मिलेगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन अक्टूबर महीने में होने की संभावना है। मौके पर मुखिया किशोर कुमार महतो अंचल कार्यालय से संजय कुमार साहू, जागेश्वर प्रसाद साहू एवं धनेश्वर कुमार सहित सैकड़ों स्थानीय लोग मौजूद थे।

CMYK

एक नजर

राष्ट्रीय खेल दिवस पर विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अंबा (औरंगाबाद)। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय बैरांव में विविध इनडोर और आउटडोर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा और टीम भावना का प्रदर्शन किया। विद्यालय परिसर में पूरे दिन खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बना। मैदानी स्पर्धाओं में दौड़, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, लंबी कूद और रस्सी कूद जैसी प्रतियोगिताएं हुईं। वहीं बैडमिंटन, कैरमबोर्ड, शतरंज और लूडो में भी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। प्रधानाध्यापक विनय कुमार गुप्ता ने कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न हिस्सा है। खेलों से बच्चों का शारीरिक विकास होने के साथ आत्मविश्वास, अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व क्षमता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ नियमित रूप से खेलकूद को दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। प्रतियोगिताओं के संचालन में शिक्षक बसंत नारायण ज्योति, गुप्तेश्वर कुमार, यतीश पाठक, विवेक कुमार, सुनीता कुमारी प्रथम और सांसद कुमार राम ने सक्रिय भूमिका निभाई। मौके पर कंचन कुशवाहा, अतुल अनुराग, सुनीता कुमारी द्वितीय, प्रीति ऊषा और प्रशांत कुमार तिवारी मौजूद रहे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय परिवार ने प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन खेलकूद को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन

औरंगाबाद। राम लखन सिंह यादव महाविद्यालय में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी एवं 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मेजर ध्यानचंद के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके अद्वितीय खेल कौशल, अनुशासन, समर्पण और राष्ट्र के प्रति योगदान को याद करते हुए की गई। इस दौरान खेल भावना, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डाला गया। शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मचारियों, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों एवं छात्र-छात्राओं को खेल और फिटनेस के प्रति जागरूक रहने तथा जीवन में अनुशासन, टीम भावना एवं सकारात्मक सोच अपनाने की शपथ दिलाई गई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) विजय रजक ने कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न अंग है। इससे विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता एवं टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन और उनकी उपलब्धियां आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। इस अवसर पर महाविद्यालय के खेल प्रभारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) विवेक कुमार सहित शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में उत्साह, अनुशासन और खेल भावना का माहौल बना रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि एवं जागरूकता बढ़ाने तथा उन्हें स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

सरस्वती शिशु मंदिर में उत्साहपूर्वक मनाया गया खेल दिवस

औरंगाबाद। सरस्वती शिशु मंदिर, औरंगाबाद में शनिवार को खेल दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद विद्यालय परिसर में भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के चित्र पर प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक, उपप्रधानाचार्य संजय कुमार सिंह, खेल शिक्षक राकेश कुमार पांडेय एवं तीनों सदनों के प्रधानमंत्रियों ने माल्यार्पण व पुष्पार्चन कर उन्हें श्रद्धांजलि नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बहन नंदनी राज पुरोहित ने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, सहयोग और नेतृत्व की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। वरिष्ठ आचार्य सह खेल शिक्षक राकेश कुमार पांडेय ने विद्यार्थियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों को भी जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। उन्होंने जीत-हार से ऊपर उठकर खेल भावना, अनुशासन और परिश्रम को महत्व देने का आह्वान किया। इसके बाद विद्यार्थियों के लिए म्यूजिकल चेयर, पासिंग बॉल, इमरती रेस और गुब्बारे फुलाने सहित विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के दौरान तालियों की गूंज और विद्यार्थियों के उत्साह से विद्यालय परिसर खेलमय बना रहा। खेल दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों में शारीरिक स्वास्थ्य, टीम भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के आचार्यों एवं विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा। समापन पर सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

1.4 किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

बिहारशरीफ। जिले में अवैध मादक पदार्थों और शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत वेना थाना पुलिस ने सरथा गांव में छापेमारी कर 1.4 किलोग्राम गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से गांजा तौलने में इस्तेमाल किया जाने वाला एक छोटा तराजू भी बरामद किया है।गिरफ्तार युवक की पहचान हरनौत प्रखंड क्षेत्र के सरथा गांव निवासी बिपिन कुमार, पिता राजवल्लभ प्रसाद के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर उसके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।वेना थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने शनिवार को बताया कि पुलिस अधीक्षक नालंदा के निर्देश पर क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थों और शराब के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर सरथा गांव में छापेमारी की गई, जहां से आरोपी को गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया।

रक्षाबंधन पर ससुराल गए 37 वर्षीय व्यक्ति की गिरने से मौत

हरनौत। थाना क्षेत्र के सबनहुआ-बवन बीघा गांव निवासी राजेंद्र मांझी के 37 वर्षीय पुत्र संतोष मांझी की इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जाता है कि संतोष मांझी रक्षाबंधन पर्व के मौके पर अपने ससुराल नारी गांव गए हुए थे। इसी दौरान ऊंचे स्थान से गिरने के कारण वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए।घटना के बाद परिजनों ने गंभीर रूप से घायल संतोष मांझी को इलाज के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

रजौली अंचल में लगा जनता दरबार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। रजौली अंचल कार्यालय परिसर में स्थित प्रखंड सभागार में शनिवार को अंचलाधिकारी मो. गुफरान मजहरी के नेतृत्व में जनता दरबार का आयोजन किया गया। अंचलाधिकारी ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को अंचल कार्यालय में रैयती भूमि विवादों के निपटारे को लेकर जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। इस शनिवार को आयोजित जनता दरबार में कुल पांच मामले आए थे,जिनमें हरदिया निवासी अनिल कुमार का स्वामित्व विवाद दिनेश सिंह, अमावां निवासी तब्बसुम का रास्ता विवाद कुन्ती देवी, अंधरवारी निवासी रविंद्र प्रसाद यादव का स्वामित्व विवाद राजकुमार यादव व वीरेंद्र यादव, घसियाडीह निवासी चंचला देवी का दखल विवाद कॉलेज यादव व फुलवा देवी एवं सिरोडाबार निवासी वासुदेव चौधरी का दखल विवाद सरयू चौधरी,मनोज चौधरी,बिरजू चौधरी व अन्य के साथ था। उक्त पांचों मामलों में दोनों पक्षों के लोगों की मौजूदगी में अंचल स्तर से विवादों का निपटारा कर दिया गया है। जनता दरबार के बाद अंचलाधिकारी ने लोगों से अपील की कि जमीन को लेकर आपस में तनाव, मारपीट और झगड़ा न करें। अगर कोई विवाद है तो उसे सीधे जनता दरबार में लाएं। यहां पारदर्शी तरीके से और कानून के दायरे में रहकर मामले का निष्पादन किया जाएगा।उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि छोटे-छोटे भूमि विवाद गांव में ही सुलझ जाएं, ताकि आपसी सौहार्द बना रहे। इस मौके पर अंचल कर्मचारी के अलावे गृहरक्षक के जवान मौजूद रहे।

मोरहाबादी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन होंगे शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर मंदिरों से लेकर सामाजिक संगठनों द्वारा आयोजित होनेवाले दही हांडी प्रतियोगिता की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी को लेकर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्य संरक्षक राजीव रंजन प्रसाद के नेतृत्व में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। साथ ही उन्हें औपचारिक रूप से इस वर्ष रांची के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में होने वाले दही हांडी प्रतियोगिता 2026 एवं बाल गोपाल बाल राधा कार्यक्रम के समापन समारोह सह पुरस्कार वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया. आयोजन समिति के आग्रह को

मुख्यमंत्री ने स्वीकारते हुए इस कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति प्रदान की है। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य संरक्षक राजीव रंजन प्रसाद, अध्यक्ष विनोद गोप, संरक्षक डॉ राजेश गुप्ता छोटू, डॉ कुमार राजा, कार्यकारी अध्यक्ष राहुल किटू सिंह, महासचिव मनोज गुप्ता, सचिव रोहित सिंह, सह-सचिव नरेंद्र सिंह शामिल रहे. रांची जिला श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में इस वर्ष दिनांक 03 एवं 04 सितंबर 2026 को मोरहाबादी में भव्य रूप से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के दो दिवसीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 3 सितंबर 2026 गुरुवार को बाल गोपाल एवं बाल राधा पोशाक प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिष्ठित बैंक्वेट में संध्या 4 बजे से किया जाएगा। 4 सितंबर 2026, शुक्रवार को भजन संध्या, श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित नृत्य मंचन एवं पुरुष और महिला गोविंदा दलों के लिए दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन संध्या 6 बजे से श्रीकृष्ण के संध्या आरती 11 ब्राह्मणों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से होगा।

स्वास्थ्य केंद्र के ऑपरेशन थिएटर में सांप, मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों में मची अफरा-तफरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। तोपचांची से हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। साहूबहियार स्वास्थ्य केंद्र के ऑपरेशन थिएटर में अचानक सांप घुस गया। ओटी में सांप को देखते ही डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में स्नेक रेस्क्यू टीम को बुलाया गया, जिसके बाद सांप को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अस्पताल के ओटी में सांप होने की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्यकर्मियों ने सावधानी बरती और स्नेक रेस्क्यू टीम को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही स्नेक रेस्क्यूअर प्रकाश यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने काफी सावधानी के साथ ट्यूबलाइट के फ्रेम में फंसे सांप को बाहर निकाला। रेस्क्यू के दौरान अस्पताल में मौजूद मरीज और उनके परिजन भी सहमे नजर आए। राहत की बात यह रही कि ओटी में सांप घुसने के बावजूद किसी मरीज, डॉक्टर या स्वास्थ्यकर्मी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। रेस्क्यू के बाद सांप की पहचान धामिन सांप के रूप में हुई।

संथाल परगना में आदिवासियों की घटती आबादी चिंता का विषयः बाबूलाल मरांडी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। झारखंड के संथाल परगना प्रमंडल में आदिवासियों की घटती आबादी चिंता का विषय है। अगर इस मुद्दे पर खास ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में स्थानीय आदिवासियों और मूल निवासियों के लिए खतरा पैदा हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि दूसरे लोग यहां बसने के लिए आदिवासी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं और सरकारी योजनाओं पर अपना दावा जता रहे हैं, जिससे स्थानीय आबादी उन फायदों से वंचित हो रही है, जिनके वे हकदार हैं। ये बातें विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने पाकुड़ सर्किट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं। **घुसपैठिए**

पश्चिम बंगाल के रास्ते आते हैं: बाबूलाल मरांडी

विपक्ष के नेता ने कहा कि अगर 2001 से अब तक विधानसभा क्षेत्रों, खासकर पाकुड़ और साहिबगंज के आंकड़ों को देखें, तो आदिवासी आबादी में काफी कमी आई है। उन्होंने बताया कि संथाल परगना इलाके में पाकुड़ और साहिबगंज भौगोलिक रूप से बांग्लादेश के करीब हैं, पश्चिम बंगाल के रास्ते लोग इन इलाकों में आते हैं, इसके अलावा देश के दूसरे हिस्सों से भी लोग आकर यहां बस गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव ने किया रांची सदर अस्पताल का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, अस्पतालों को नई तकनीक से जोड़ने, ऑनलाइन ओपीडी की सेवा के विकास के लिए स्वास्थ्य विभाग विशेष पहल कर रहे हैं। ऐसे में आज शनिवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड के संयुक्त सचिव दिनेश यादव ने शनिवार को सदर अस्पताल रांची का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने रांची सदर अस्पताल में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं विभागों का भ्रमण कर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों के साथ कार्यों की समीक्षा की। सदर अस्पताल के निरीक्षण के दौरान संयुक्त सचिव ने टेली आईसीयू, टेली ईसीजी, टेली मानस, टेली मेडिसिन, रेडियोलॉजी सहित अस्पताल के अन्य महत्वपूर्ण विभागों का भ्रमण किया और वहां से संचालित किये जा रहे कार्यो को देखा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विभागवार उपलब्ध सुविधाओं, मानव संसाधन, उपकरणों की स्थिति एवं सेवाओं के संचालन से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने सभी विभागों के नोडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि 30 सितंबर तक अपने-अपने विभाग से संबंधित सभी आवश्यक कार्यों एवं व्यवस्थाओं को अद्यतन करते हुए सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित करें।

असाधारण खेल प्रतिभा के धनी थे मेजर ध्यानचंद

राजकीय डिग्री महाविद्यालय ओबरा में जयंती पर खेल आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। राजकीय डिग्री महाविद्यालय ओबरा में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद की जयंती मनाई गई। महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन प्राचार्य डॉ. आकाश कुमार के दिशा निर्देशों पर किया गया। शुभारंभ महाविद्यालय के बर्सर डॉ. इश्तेयाक अहमद द्वारा किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों के जीवन में खेल-कूद के महत्व पर प्रकाश डाला। शिक्षक ज्ञान प्रकाश ने मेजर ध्यानचंद के व्यक्तित्व एवं उनके गौरवपूर्ण खेल-जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों से अवगत कराया। उन्होंने मेजर ध्यानचंद की असाधारण खेल प्रतिभा और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रेरित किया। खेल-कूद के सामाजिक परिप्रेक्ष्य तथा उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी प्रकाश डाला। कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सफल विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। डॉ. निवेदिता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण डॉ. पूजा, डॉ. नीतेश, रविरंजन भी उपस्थित रहे। आयोजन ने विद्यार्थियों में खेल-भावना, अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित किया।

नशा से सर्वाधिक प्रभावित युवा वर्ग : डॉ.चंचल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। पुरानाशहर स्थित ज्ञान ज्योति शिक्षण केन्द्र में जूनियर कक्षा के विद्यार्थियों की संगोष्ठी का आयोजन शनिवार को किया गया। इसमें नशा मुक्त समाज को लेकर बच्चों के बीच विशेष चर्चा हुई। सभी बच्चे बारी बारी से अपना विचार प्रकट किए। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए संस्था के निदेशक सह सम्पूर्णानंद एजुकेशनल एन्ड सोशल डेवलपमेंट ट्रस्ट के सचिव डा.चंचल कुमार ने कहा कि नशा के सेवन से मानव दानव का रुप ले लेता है। वह नशे के लिए अपने घर की किमती जेवरात बेच देता है। नशा के शिकार लोग दूसरे के घर में चोरी कर रहे, ताकि नशा का सामान खरीद सके। उसे यह मालुम नहीं कि जिस उम्मीद से उसकी मां और पिता पाले आज वह उनका ही शान नशा के कारण मिटा रहा है। कहा कि नशे के लिए अपने परिवार को अपमानित करता है। एकजुट होकर इसका समाधान करना चाहिए। कहा कि नही तो जिस तरह से युवा नशे के कारण अपना जीवन बर्बाद कर रहें हैं आने वाले भविष्य में देश के पास एक कठिन चुनौती होगी। हमलोगों को सबसे पहले घर का महौल ठीक करना होगा। नशे से होने वाले नुकसान को लोगों तक पहुंचाना होगा। और यह संस्था इसमें विशेष पहल करेगी। ताकि अधिक से अधिक लोग जागरूक हो सकें। अंत में सभी बच्चे नशा मुक्त समाज को लेकर संकल्प लिए। मौके पर सभी शिक्षक गण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर पीएमश्री मध्य विद्यालय कुटुंबा में खेल प्रतियोगिता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुटुंबा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शनिवार को पीएमश्री मध्य विद्यालय कुटुंबा में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर वॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, 100 मीटर दौड़ सहित अन्य खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग की अलग-अलग टीमों ने हिस्सा लिया। बालक वर्ग में रवि, प्रिंस, विवेक, सौरभ, निखिल, नैतिक, मुन्ना, चंदन, पवन, अनुज, रवीश सहित अन्य छात्रों ने भाग लिया। वहीं बालिका वर्ग में निधि, चंदा, मनीषा, आरती, रिया, अंशु, प्रिया, पल्लवी, जुली, प्रीतम, रंजू सहित अन्य छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक चंद्रशेखर ने बच्चों को राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। यह दिन हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि मेजर ध्यानचंद विश्व के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ियों में शामिल थे। उन्होंने अपने खेल जीवन में 1000 से अधिक गोल किए और ओलंपिक में भारत को तीन बार स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हीं के सम्मान में 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। खेल प्रशिक्षक विमल चौहान ने बच्चों के बीच विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं कराईं और उन्हें खेल के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ अनुशासन एवं टीम भावना का भी विकास करता है। मौके पर शिक्षिका रीता कुमारी, सत्येंद्र सिंह, यूसुफ आलम, कमाल फातमा, सतीश कुमार सिंह, कुमारी नंदिनी, संगीता कुमारी, शिक्षा सेवक गोपाल चौधरी सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं कर्मी उपस्थित रहे।

खेल दिवस पर स्कूलों में 'एक घंटा खेल के मैदान में' कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। बिहार सरकार के खेल विभाग के निर्देश पर जिला प्रशासन के तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शनिवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों में 'एक घंटा खेल के मैदान में' थीम के तहत खेलकूद एवं शारीरिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों में बच्चों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए व्यायाम, योग, बैडमिंटन, कबड्डी, फुटबॉल सहित विभिन्न खेल एवं शारीरिक गतिविधियां कराई गईं। विद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ खेल गतिविधियों में भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों एवं किशोरों में खेल भावना अनुशासन, टीम भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना तथा उन्हें नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करना

है। खेलकूद एवं व्यायाम के माध्यम से बच्चों को सक्रिय एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विद्यालयों में 'हॉकी के जादूगर' मेजर ध्यानचंद को भी याद किया गया। उनके खेल जीवन, अनुशासन, समर्पण एवं खेल भावना से प्रेरणा लेते हुए विद्यार्थियों के अंदर खेल भावना को प्रोत्साहित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा विद्यालयों में आयोजित इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को यह संदेश दिया गया कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, सकारात्मक सोच, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार है। विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेल एवं शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

मदनपुर-रफीगंज पथ पर अवैध ब्रेकर से राहगीर परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। मदनपुर-रफीगंज मुख्य पथ पर जगह-जगह बनाए गए अवैध ब्रेकर और उभरे गड्ढों ने राहगीरों की परेशानी बढ़ा दी है। करीब 30 किलोमीटर लंबे इस मार्ग पर अनियंत्रित और मानक के विपरीत बने ब्रेकरों के कारण वाहन चालकों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, सड़क पर उभरे गड्ढे भी दुर्घटना का कारण बन रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, इस मार्ग पर कई स्थानों पर ऐसे ब्रेकर बनाए गए हैं, जिन पर न तो कोई संकेतक लगाया गया है और न ही चेतावनी बोर्ड। वाहन चालकों को महज कुछ दूरी के अंतराल पर अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है। इससे समय की बर्बादी के साथ दुर्घटना की आशंका भी बढ़ जाती है। माली गांव निवासी सचिन कुमार ने बताया कि करीब 30 किलोमीटर की दूरी में 80 से अधिक ब्रेकर हैं। इनमें अधिकांश ब्रेकर मानक के अनुरूप नहीं हैं। ब्रेकरों के संबंध में कोई संकेतक या चेतावनी बोर्ड नहीं होने के कारण रात के समय स्थिति और भी भयावह हो जाती है। अंधेरे में ब्रेकर दिखाई नहीं देने से तेज रफ्तार वाहन अचानक उछल जाते हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के साथ बुजुर्गों और मरीजों को विशेष परेशानी होती है। सड़क पर जगह-जगह उभरे गड्ढों ने भी यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश के मौसम के बाद कई स्थानों पर सड़क की ऊपरी परत उखड़ गई है, लेकिन अब तक इसकी समुचित मरम्मत नहीं कराई गई है। गड्ढों और अवैध ब्रेकरों के दोहरे संकट के कारण बस, ऑटो और निजी वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है। इससे यात्रियों को औरंगाबाद से नबीनगर तक की यात्रा में पहले की अपेक्षा अधिक समय लग रहा है।

शराब बिक्री व नशाखोरी के खिलाफ बैठक

दाउदनगर (औरंगाबाद)। नगर परिषद वार्ड नंबर पांच गुलजारपुर में पूर्ण शराब बंदी के सवाल पर माले नगर कमिटी सदस्य किसान नेता रामचंद्र चौहान के नेतृत्व में मुहल्लावासियों की बैठक हुई। बैठक में दर्जनों महिला पुरुष भाग लिए। वक्ताओं ने कहा कि यह बटाई मणि पट्टा पर खेती करने वाले गरीब मजदूर किसानों का टोला है। पूर्वज जैसे तैसे जीवन जीते हुए गुजर गए। गाँव व बच्चों बच्चियों के भविष्य को देखते हुए अपने आप को खुद संभालना होगा। नवनिर्मित प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को प्रवेश करा कर पढ़ाई लिखाई पर जोर देने एवं नशाखोरी तथा शराब बिक्री पर पूर्ण रोक लगाने पर बल दिया गया। चेतावनी देते हुए वक्ताओं ने कहा कि शराब बिक्री करने वालों का समर्थन गलत है। अगर शराब बिक्री, नशाखोरी नहीं बन्द होता है तो प्रशासन का सहारा लिया जाएगा। आजीविका दीदी सरिता देवी सहित सभी महिलाओं पुरुषों ने भी सर्वसम्मति से नशाबंदी करने की पहल को समर्थन किया। बैठक को नगर सचिव बिरजू चौधरी,नगर सांसद प्रतिनिधि कयूम अंसारी, नगर कमिटी सदस्य संजय कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, उत्पाद विभाग के एसआई ओमी कुमारी ने संबोधित किया। इस बैठक में नरसिंह चौधरी, राजाराम चौधरी, राजू चौधरी, जितेन्द्र कुमार, प्रमोद कुमार, सूरज कुमार, युगेश कुमार, सुषमा देवी, वर्षा देवी, लक्ष्मीनिया देवी, मंजू देवी, मुनारिका देवी लक्ष्मी देवी, अनिल चौधरी, जे पी चौधरी, दीपक चौधरी, सुनील चौधरी शामिल हुए।

केंद्रीकृत रसोईघरों में सुबह 9 बजे के बाद ही बनेगा मिड डे मील : शिक्षा मंत्री

संस्कृत विद्यालयों एवं मदरसों की व्यवस्थाओं पर सरकार की विशेष नजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि अब केंद्रीकृत रसोईघरों से मध्याह्न भोजन सुबह 9 बजे के बाद ही बनाया जाए ताकि स्कूल के बच्चों को ताजा, गर्म एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके। उन्होंने कहा कि पूर्णिया में गुरुकुलम संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की जाएगी। ये बातें शनिवार को शिक्षा मंत्री ने कटिहार और पूर्णिया के एक दिवसीय प्रवास के क्रम में शिक्षा विभाग की बैठक में कहीं। इस दौरान श्री तिवारी ने शिक्षा व्यवस्था की स्थिति, विद्यालयों के संचालन, विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। कटिहार जिला अतिथि गृह में हुई बैठक के दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा कि बच्चों की सेहत और पोषण के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मध्याह्न भोजन बनाने वाली एजेंसियों और स्वयंसेवी संस्थाओं की कार्यपद्धति, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, मात्रा तथा निर्धारित समय पर बच्चों तक भोजन पहुंचने की नियमित निगरानी की जाए। विद्यालयों में साफ-सफाई और भोजन तैयार करने की प्रक्रिया में निर्धारित मानकों का अनिवार्य रूप से पालन कराया जाए। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पूर्णिया की बैठक में श्री तिवारी ने कहा कि पूर्णिया में गुरुकुलम संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना का उद्देश्य संस्कृत शिक्षा को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा को मजबूत आधार प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार संस्कृत भाषा एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्स्थापना के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि संस्कृत विद्यालयों एवं मदरसों की शैक्षणिक व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं पर सरकार की विशेष नजर है। इन संस्थानों में अध्ययनरत बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर वातावरण तथा सरकार की निर्धारित सुविधाओं का समुचित लाभ मिले, यह सुनिश्चित करना शिक्षा विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि इन संस्थानों की नियमित निगरानी एवं समीक्षा सुनिश्चित की जाए। पूर्णिया की समीक्षा बैठक में मंत्री श्रीमती लेसी सिंह, मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल, माननीय विधायक कृष्ण कुमार ऋषि, उप विकास आयुक्त सहित विभाग के सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। कटिहार की समीक्षा बैठक में पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, विधायक दुलालचंद गोस्वामी, माननीय विधायक संगीता देवी, विधान पार्षद अशोक अग्रवाल, जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष मनोज राय के अलावा जिला पदाधिकारी, उपविकास आयुक्त, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं विभाग के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्र के प्रति समर्पित था डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और राष्ट्रीय एकता के विचारों से प्रेरित रहा। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं और हमारी समृद्ध ज्ञान-परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। राज्यपाल आज लोकभवन में आयोजित विश्व हिन्दी परिषद द्वारा आयोजित क्षेत्रीय हिन्दी सम्मेलन एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के मुख्यातिथि इंद्रेश कुमार ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का चिंतन भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक आत्मबोध से जुड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि हिन्दी सहित भारतीय भाषाएं देश की विविधता को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी हैं और भाषा के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना को मजबूत किया जा सकता है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का चिंतन भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक आत्मबोध से जुड़ा हुआ था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि हिन्दी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और जनभावनाओं से जुड़ी भाषा है। उन्होंने कहा कि बिहार की धरती ने हिन्दी साहित्य और भारतीय चिंतन को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है तथा ऐसे सम्मेलन इस विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं। विश्व हिन्दी परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. विपिन कुमार ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का व्यक्तित्व भारतीय शिक्षा, संस्कृति, राष्ट्रीय एकता एवं राष्ट्रनिर्माण के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उनके विचारों पर विमर्श के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय ज्ञान-परंपरा, संस्कृति और राष्ट्रीय चिंतन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। विश्व हिन्दी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक ठाकुर ने कहा कि हिन्दी को केवल एक भाषा के रूप में नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और विभिन्न भारतीय भाषाओं के बीच संवाद के सशक्त माध्यम के रूप में देखने की आवश्यकता है।

सत्यनारायण जी का लिखा बिहार गीत राज्य की जीवंत पहचान : श्रवण कुमार

वरिष्ठ कवि सत्यनारायण जी के निधन पर ग्रामीण विकास मंत्री ने जताया गहरा शोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की सांस्कृतिक पहचान को अपनी लेखनी से स्वर देने वाले वरिष्ठ कवि एवं गीतकार सत्यनारायण जी का शुक्रवार देर रात निधन हो गया। ग्रामीण विकास तथा सूचना जनसंपर्क मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार गीत 'मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार' के रचयिता कवि सत्यनारायण जी का निधन बिहार की सांस्कृतिक विरासत और साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से बिहार की मिट्‌टी, इतिहास, गौरव और जनभावनाओं को शब्दों में पिरोया। उन्होंने कहा कि सत्यनारायण जी द्वारा रचित बिहार गीत आज भी प्रदेश की पहचान का जीवंत प्रतीक है। यह गीत सरकारी कार्यक्रमों से लेकर विद्यालयों तक गूंजता है और बिहार की गौरवशाली सांस्कृतिक पहचान को अभिव्यक्त करता है। उनकी रचनाएं आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करती रहेंगी। मंत्री ने कहा कि सत्यनारायण जी के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनकी कविताओं ने जनचेतना को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे हिंदी साहित्य जगत के महत्वपूर्ण स्तंभ थे। उनकी लेखनी ने न केवल साहित्य को समृद्ध किया, बल्कि बिहार की सांस्कृतिक चेतना को भी मजबूती प्रदान की। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि सत्यनारायण जी के निधन की खबर से पूरे प्रदेश के साहित्यिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक हलकों में शोक की लहर है।

एसटीइटी-2026 के आवेदन की तिथि 15 दिन बढ़ाई गई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के निर्देश के बाद बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने शनिवार को माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (एसटीईटी-2026) के लिए ऑनलाइन आवेदन एवं शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 15 दिन बढ़ा दी। पूर्व में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अगस्त तय थी। अब अभ्यर्थी 15 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों ने शिक्षा मंत्री से फॉर्म भरने की तिथि बढ़ाने का अनुरोध किया था। श्री तिवारी ने अभ्यर्थियों की मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया था।

अभ्यर्थियों की मांग को ध्यान में रखते हुए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने आवेदन की अंतिम तिथि 15 दिन विस्तारित करने का निर्णय लिया है। इससे एसटीईटी-2026 में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन का अतिरिक्त मौका मिल जाएगा।

आइजीआइएमएस का होगा विस्तार, 1750 बेड की क्षमता से मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में मुख्यमंत्री के संकल्प बेहतर शिक्षा-बेहतर स्वास्थ्य को मजबूती देने के लिए एक और बड़ा निर्णय लिया गया है। राजधानी के प्रसिद्ध अस्पताल आईजीआईएमएस में मरीजों के बेहतर व सटीक उपचार के लिए बी,सी,ई ब्लॉक का उद्घाटन सितंबर अंत या अक्टूबर शुरूआत में करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अस्तपाल के उपनिदेशक विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि आईजीआईएमएस में पांच ब्लॉक में से ए और डी ब्लॉक का उद्घाटन पूर्व ही किया जा चुका है। इन ब्लॉकों में अस्पताल में आये मरीज के इलाज के लिए सभी तरीके की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध की जा चुकी है। वहीं अस्पताल के प्रति मरीजों के विश्वास व बढ़ती संख्या को देखते हुए बी,सी,ई ब्लॉक का उद्घाटन कर डेढ़ महीने के अंदर करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि इस विषय पर दिशा-निर्देश के आलोक में हाल ही में रिव्यू मीटिंग का भी आयोजन किया गया था जिसमें यह तय किया गया कि भवन के एयर कंडीशनिंग सिस्टम को शीघ्र क्रियात्मक बनाते हुए अत्याधुनिक तकनीक व हर प्रकार के खास उपकरण से लैस इन भवनों को मरीज की सेवा के लिए शुरू कर दिया गया है। उपरोक्त कार्यों के लिए स्वास्थ्य विभाग व आईजीआईएमएस के निदेशक डॉ बिंदे कुमार के दिशा-निर्देश के तहत यह कार्य किया जा रहा है। उपनिदेशक विभूति प्रसन्न सिन्हा ने कहा कि आईजीआईएमएस में फिलहाल बेड की संख्या 1397 है। वहीं बी,सी,ई ब्लॉक के उद्घाटन से बेड की संख्या बढ़कर 1750 के करीब हो जायेगी। 280 करोड़ की लागत से बनने जा रहे इन ब्लॉकों में ओपीडी,ऑपरेशन थिएटर,क्रिटिकल केयर यूनिट और जनरल इमरजेंसी सुविधा भी शुरू की गयी है।

नेपाल त्रासदी में फंसे यात्रियों को रेलवे ने विशेष व्यवस्था कर नागपुर रवाना किया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नेपाल में उत्पन्न त्रासदी के बीच फंसे 106 यात्रियों के सुरक्षित भारत लौटने के बाद पूर्व मध्य रेल के दानापुर मंडल द्वारा उनकी सुगम एवं सुरक्षित रेल यात्रा के लिए विशेष व्यवस्था की गई। सड़क मार्ग से आज सुबह पटना जंक्शन पहुंचे इन यात्रियों को 17609 पटना-पूर्णा एक्सप्रेस से नागपुर के लिए रवाना किया गया। अपर मंडल रेल प्रबंधक/इंफ्रा राजीव कुमार के नेतृत्व में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए यात्रियों की आवश्यकताओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया। इस दौरान सहायक वाणिज्य प्रबंधक प्रदीप कुमार, सहायक सुरक्षा आयुक्त प्रियरंजन एवं सीटीआई/पटना राजेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी यात्रियों की सहायता एवं सुविधा के लिए लगातार सक्रिय रहे। यात्रियों के पटना जंक्शन पहुंचते ही पहले से ही तैयार दानापुर मंडल की वाणिज्य, आरपीएफ एवं मेडिकल टीम पूरी तत्परता के साथ सहायता कार्य में जुट गई। वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन में थर्ड एसी के दो अतिरिक्त कोच लगाए गए। साथ ही टिकट उपलब्ध कराने के लिए रात से ही अतिरिक्त स्पेशल टिकट काउंटर की व्यवस्था कर दी गई थी, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। यात्रियों ने भी रेलवे के इस प्रयास को सकारात्मक रूप से लेते हुए अपनी प्रसन्नता जाहिर करते हुए आभार व्यक्त किया।

गंगा पर इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना, कच्ची दरगाह-बिदुपुर महासेतु से करीब आएगा उत्तर और दक्षिण बिहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) को एक नई और भव्य पहचान मिलने जा रही है। गंगा नदी की विशाल धारा पर करीब 5,000 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6-लेन पुल राज्य के सड़क नेटवर्क में एक ऐतिहासिक अध्याय जोड़ने के लिए लगभग तैयार है। संबंधित विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह एक्स्ट्राडोज्ड केबल ब्रिज अपनी आधुनिक तकनीक और शानदार इंजीनियरिंग के लिए देशभर में जाना जाएगा। पथ निर्माण विभाग की देखरेख में बीएसआरडीसीएल की ओर से निर्मित कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6-लेन पुल की लंबाई करीब 9.76 किलोमीटर है जो 67 मजबूत पिलरों पर टिका हुआ है। पहुंच पथों को शामिल करने पर इस पूरी मेगा परियोजना की कुल लंबाई 19.30 किलोमीटर हो जाती है। इस पुल के निर्माण से पटना का समस्तीपुर समेत संपूर्ण उत्तर बिहार से सीधा और सुगम संपर्क स्थापित हो जाएगा। इससे दोनों क्षेत्रों के बीच दूरी और यात्रा के समय में काफी कमी आएगी। पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल का कहना है कि कच्ची दरगाह-बिदुपुर 6-लेन गंगा पुल केवल पत्थरों और कंक्रीट का ढांचा नहीं, बल्कि यह बदलते और प्रगतिशील बिहार का प्रतीक है। इसके चालू होने से वाणिज्यिक वाहनों की आवाजाही आसान होगी जिससे स्थानीय व्यापार और कृषि उत्पादों के परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह पुल पटना में लगने वाले भारी ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और राजधानी को राज्य के अन्य प्रमुख जिलों से तेजी से जोड़ेगा। उनके अनुसार आधुनिक बिहार के निर्माण की दिशा में यह परियोजना एक मील का पत्थर साबित होने जा रही है। सचिव श्री पाल के अनुसार इस महासेतु के माध्यम से पटना रिंग रोड और आमस-दरभंगा मार्ग का भी जुड़ाव होगा। पुल दानापुर, दीघा, शिवाला, बिहटा, कन्हौली, डुमरी, नयागांव, तेलवारीचक, कच्ची दरगाह और सबलपुर समेत पटना शहर के चारों ओर एक मजबूत कनेक्टिविटी हब तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विश्व की पूर्ण भाषा है संस्कृत : डॉ अनिल कुमार सिंह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना की ओर से आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के अन्तर्गत अन्तर्जालीय विश्व संस्कृत दिवस समारोह एवं रक्षाबंधन पर्व संस्कृतमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। अपने उद्घाटन भाषण में आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के प्रधान संरक्षक एवं पूर्वगृह सचिव उत्तर प्रदेश शासन डॉ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि विश्व की पूर्ण भाषा है -संस्कृत। इसलिए भारत सरकार 1969 ई. में विश्व संस्कृत दिवस श्रावण पूर्णिमा को मनाने का निर्णय लिया। पूर्णिमा भी पूर्णता का ही परिचायक है। अपने अध्यक्षीय भाषण में आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा ने कहा कि संस्कृत भाषा विश्व में विश्व कल्याण की कामना है तथा विश्व के सभी भाषाओं को समृद्ध करती है। अभियान की राष्ट्रीय संयोजिका प्रो. रागिनी वर्मा ने कहा कि आज हमें संस्कृत भाषा की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। अभियान के संरक्षक डॉ अनिल कुमार चौबे, बिहार प्रांत के उपाध्यक्ष डॉ दीप्ति कुमारी एवं सह संयोजिका डॉ नीरा कुमारी, पश्चिम बंगाल की प्रांत सह संयोजिका दयानी शारदेय, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या डॉ रागनी कुमारी एवं मुरली शुक्ल तथा अभियान की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा डॉ लीना चौहान ने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार पर बल दिया एवं संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर में जुड़ने का अनुरोध किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर दीघा में मिनी मैराथन रन फॉर फिटनेस का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारतीय हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर दीघा विधानसभा क्षेत्र में केंद्र सरकार के फिट इंडिया अभियान को समर्पित भव्य मिनी मैराथन दौड़ रन फॉर फिटनेस का अत्यंत उत्साहजनक माहौल में आयोजन किया गया। दीघा के विधायक एवं बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक डॉ. संजीव चौरसिया की जन-कल्याणकारी पहल तथा एम एस फाउंडेशन के सौजन्य से आयोजित इस दौड़ में पटना के कोने-कोने से आए 500 से अधिक नागरिकों ने अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। इस दौड़ में युवाओं, महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों तथा खेल प्रेमियों ने एक साथ कदम से कदम मिलाकर दौड़ लगाई और फिट दीघा, हिट दीघा का गगनभेदी संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव, दीघा के विधायक एवं बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक डॉ. संजीव चौरसिया, विधायक संजय गुप्ता तथा विधायक रत्नेश कुशवाहा विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया तथा पूरे रास्ते धावकों का तालियों से उत्साहवर्धन करते रहे। इस अवसर पर पटना एवं बिहार के कई राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय खेल हस्तियों, धावकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी शिरकत कर आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा और खेल भावना से भरपूर इस मिनी मैराथन में पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम तीन स्थान प्राप्त विजेताओं को मंच से मुख्य अतिथियों द्वारा ट्रॉफी, पदक व नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। देशभक्ति और फिटनेस के गीतों के बीच धावकों का विशाल समूह सप्तमूर्ति से प्रारंभ होकर स्ट्रेंड रोड, हज भवन, इको पार्क, नया सचिवालय और सरदार पटेल गोलम्बर से होते हुए वापस सप्तमूर्ति पहुंचकर दौड़ का समापन किया। सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि दीघा विधानसभा की देवतुल्य जनता और खासकर युवाओं का यह अभूतपूर्व उत्साह यह सिद्ध करता है कि हमारा दीघा जागरूक और ऊर्जावान है। वहीं बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि फिट दीघा, हिट दीघा का हमारा यह अभियान केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि दीघा को हर क्षेत्र में अव्वल बनाने का एक निरंतर संकल्प है जब हमारा दीघा फिट रहेगा, तभी दीघा का हर नागरिक सशक्त और हिट रहेगा। जबकि दीघा के विधायक एवं बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक डॉ. संजीव चौरसिया ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है। किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल करने या समाज निर्माण में योगदान देने के लिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का बेहतर होना पहली शर्त है।

पांचवें दिन भी केवाइपी केंद्र संचालकों का धरना जारी

केवाइपी केंद्रों पर प्रशिक्षण शुरू नहीं किए जाने के विरोध में आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। संपूर्ण बिहार में संचालित कुशल युवा कार्यक्रम केंद्रों के रिन्यूवल, तत्काल नामांकन एवं प्रशिक्षण शुरू करने तथा करीब आठ महीने से लंबित बिलों के भुगतान की मांग को लेकर केवाईपी केंद्र संचालकों का धरना शनिवार को पांचवें दिन भी गर्दनीबाग में जारी रहा। केंद्र संचालकों ने कहा कि करीब दस वर्षों से केवाईपी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है और इन केंद्रों में लाखों रुपये का निवेश किया गया है। इसके बावजूद कई महीनों से प्रशिक्षण कार्य बंद है। प्रशिक्षण बंद रहने के कारण केंद्र संचालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है जबकि केंद्रों से जुड़े खर्च लगातार जारी है। आंदोलनकारियों ने मांग की कि पूर्व से संचालित सभी केवाईपी केंद्रों का तत्काल रिन्यूवल कर नामांकन एवं प्रशिक्षण कार्य शुरू किया जाए तथा लंबित बिलों का अविलंब भुगतान किया जाए। उन्होंने नए टेंडर की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब पुराने केंद्र और आवश्यक आधारभूत संरचना पहले से उपलब्ध हैं तो उन्हीं केंद्रों को अपग्रेड कर प्रशिक्षण क्यों नहीं शुरू किया जा रहा है। केंद्र संचालकों ने कहा कि विभाग की ओर से अब तक इस संबंध में कोई स्पष्ट एवं सकारात्मक पहल नहीं की गई है। सरकार से मांग की गई कि केवाईपी केंद्रों के भविष्य को लेकर स्पष्ट निर्णय लेते हुए तत्काल प्रशिक्षण एवं नामांकन बहाल किया जाए। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि 31 अगस्त 2026 तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो 1 सितंबर से आंदोलन को और तेज किया जाएगा तथा सामूहिक अनशन शुरू किया जाएगा।

बिहार गीत के रचयिता कवि सत्यनारायण ने छह दशकों की रचनात्मक यात्रा में बहुमुखी आयामों को स्पर्श किया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कवि सत्यनारायण की पहचान एक ऐसे जनकवि के रूप में है जिनकी कविता नुक्कड़ों पर कही गई। एकांत के कोमल लम्हों में पढ़ी गई और एक समय आया तो पूरे बिहार की अस्मिता और गौरव का स्वर बन कर समारोहों की शोभा बन गई। मशहूर चिंतक, लेखक, कवि और साहित्यकार शिवदयाल 1974 के जयप्रकाश आंदोलन को याद करते हुए कहते हैं उस समय बिहार के दो रचनाकारों कवि फणीश्वर नाथ रेणु और बाबा नागार्जुन राजधानी पटना के नुक्कड़ों पर अपनी रचनाधर्मिता की छाप छोड़ रहे थे, उन्हीं के साथ एक तीसरा नाम था कवि सत्यनारायण का जिन्हें सुनने के लिए दर्शक उतावले हो रहे थे। श्री शिवदयाल कहते हैं कि कवि सत्यनारायण किसी चहारदीवारी में कैद नहीं थे। उन्होंने कहा कि जो लोग उनके गीतों को सुन कर विभोर हो जाते हैं, उन्हें उनका संग्रह 'टूटते जल-बिम्बों' को पढ़ना चाहिए और खड़ी बोली के साथ उनके प्रयोग को देखना चाहिए।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर डुंग डुंग हॉकी स्टेडियम में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन

पुरस्कार वितरण मंत्री श्रवण कुमार ने किया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आज हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार के तत्वावधान में दानापुर छावनी स्थित डुंग डुंग हॉकी स्टेडियम में एक दिवसीय हॉकी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य महान हॉकी खिलाड़ी एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर खेल भावना को बढ़ावा देना तथा राज्य में हॉकी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रवण कुमार नेता विधायक दल, ग्रामीण विकास एवं जनसंपर्क मंत्री सह अध्यक्ष हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार संघ उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार में हॉकी को जमीनी स्तर से मजबूत करने तथा प्रतिभावान खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार लगातार प्रयासरत है। प्रतियोगिता के समापन के पश्चात पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण हॉकी संघ के सचिव राणा प्रताप सिंह एवं मुख्य अतिथि श्रवण कुमार के द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव प्राप्त होता है और भविष्य में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है।

पटना-पूर्णा एक्सप्रेस में थर्ड एसी के दो अतिरिक्त कोच लगाए गए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सेवा को प्राथमिकता देते हुए नेपाल में उत्पन्न त्रासदी के बीच नेपाल से लौटकर भारत लौटने के बाद महाराष्ट्र की ओर जाने वाले 106 यात्रियों के लिए पूर्व मध्य रेल द्वारा यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने एवं आरामदायक रेल यात्रा के लिए विशेष व्यवस्था की गई। सड़क मार्ग से आज सुबह पटना जंक्शन पहुंचे इन यात्रियों को 17609 पटना-पूर्णा एक्सप्रेस से पटना से नागपुर के लिए रवाना किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समन्वित रूप से कार्य करते हुए यात्रियों की आवश्यकताओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया। यात्रियों के पटना जंक्शन पहुंचते ही पहले से ही तैयार दानापुर मंडल की वाणिज्य, आरपीएफ एवं मेडिकल टीम पूरी तत्परता के साथ सहायता में जुट गई। ट्रेन के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन पहुंचने पर यात्रियों को नाश्ता, पानी, चाय एवं स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की गयी। विदित हो कि नेपाल में बाढ़ की स्थिति के बीच भारत लौट रहे यात्रियों की सुगम वापसी के लिए रेलवे द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई है। पटना में इन यात्रियों के लिए 17609 पटना-पूर्णा एक्सप्रेस ट्रेन में थर्ड एसी के दो अतिरिक्त कोच लगाए गए। साथ ही टिकट उपलब्ध कराने के लिए रात से ही अतिरिक्त स्पेशल टिकट काउंटर की व्यवस्था कर दी गई थी।

संपादकीय

शुरू से रहे स्पष्टता, जाति जनगणना में कांग्रेस की आपत्ति

केंद्र सरकार ने जाति जनगणना की तारीखों का ऐलान करते हुए बताया कि यह कार्य चुनौतीपूर्ण रहेगा। जबकि, भारत की राजनीति में जाति का हमेशा महत्वपूर्ण स्थान रहा है, उसे निर्धारित करना कठिन साबित हो सकता है। जनगणना की प्रक्रिया शुरू हो गई है और जाति की गणना दूसरे चरण में होगी, लेकिन इसके संबंध में सवाल उठने लगे हैं।केंद्र सरकार ने पिछले साल जब जाति जनगणना कराने की तारीखों का ऐलान किया, तभी स्पष्ट था कि यह काम चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। देश की राजनीति में जाति हमेशा अहम रही है, लेकिन इसे निश्चित करना उतना ही मुश्किल। अभी जनगणना की प्रक्रिया शुरू ही हुई है और जाति की गणना दूसरे चरण में की जाएगी, लेकिन सवाल उठने शुरू हो गए है।कांग्रेस की आपत्ति। कांग्रेस का आरोप है कि जाति जनगणना में ओबीसी का कॉलम नहीं है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आंकड़े जुटाने के तरीकों पर भी अंगुली उठाई है। उनकी आपत्ति इस वात पर है कि जाति का कॉलम खुला अपनी जाति खुद लिखनी है। अब चूंकि देश के विभिन्न हिस्सों में एक ही जाति को अलग-अलग नामों से जाना जाता है, तो आंकड़े उलझे हुए मिल सकते हैं। इससे कोई निष्कर्ष निकालना बहुत मुश्किल होगा। 2011 की गलती।इस आशंका को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। 2011 की सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना में भी इसी फॉर्मेट का इस्तेमाल किया गया था। तब 46 लाख से ज्यादा जातियां, उपजातियां, उपनाम दर्ज हो गए थे। इन आंकड़ों में इतनी विसंगति थी कि सरकार ने इनको जारी नहीं किया। कांग्रेस का सुझाव है कि लोगों पर छोड़ने के बजाय जातियों की पहले से एक तय लिस्ट होनी चाहिए। इससे एक जाति एक ही नाम से दर्जजाति जनगणना का उद्देश्य केवल यह पता लगाना नहीं है कि देश में कितनी जातियां और उनकी कितनी आबादी है, बल्कि यह जानना भी है कि अलग-अलग सामाजिक समूहों को वास्तविक स्थिति क्या है। असमानता दूर करने के लिए लागू की गई नीतियां कितनी कारगर रहीं और आगे उनमें किन बदलावों की दरकार है. इसकी सही तस्वीर जानने के लिए आंकड़ों की शुद्धता मायने रखती है। इसी से शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। अगर किसी तरह का सवाल या संदेह है, तो उसे पहले ही दूर कर लिया जाना चाहिए। इसके लिए जो भी सुझाव आते हैं, उन पर विचार-विमर्श करने में हर्ज नहीं है। साथ ही, यह भी स्पष्ट रहना बहुत जरूरी है कि जुटाए गए आंकड़ों का इस्तेमाल किस तरह किया जाएगा। जाति जनगणना का देश की राजनीतिक और सामाजिक स्थिति पर गहरा असर पड़ने वाला है। इसलिए प्रक्रिया पूरी तरह भरोसेमंद और सवालों के परे होनी चाहिए।

महाराष्ट्र के ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए कामचलाऊ मराठी भाषा जरूरी किए जाने को लेकर विवाद उठना स्वाभाविक है। यह विवाद बांबे हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार ने इस नियम को लागू करते हुए तर्क दिया है कि इससे यात्रियों और टैक्सी-ऑटो चालकों के बीच भरोसा बढ़ेगा और यात्रियों में सुरक्षा का भाव रहेगा। मोटे तौर पर सरकार की यह दलील बेहतर लगती है, लेकिन जब राज्य की टैक्सियों और ऑटो की संख्या और उनके चालकों पर ध्यान देते हैं तो यह सवाल सिर्फ भाषा का नहीं रह जाता, बल्कि उपराष्ट्रीयता के उभार और उसके बहाने राष्ट्रीयता के विचार को चुनौती का भी हो जाता है। इस सोच का सिरा आगे बढ़ते हुए हिंदी विरोध और प्रकारांतर से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के प्रवासियों की मुखालफत तक जा पहुंचता है।

मराठी अस्मिताबोध की नई अभिव्यक्ति

(उमेश चतुर्वेदी)

भारतीय राष्ट्रीयता के समर्थन में 'विविधता में एकता' का पाठ हर भारतीय को स्कूली घुट्टी में मिला है। लेकिन जीवन की कठोर राहों पर उतरते हैं तो पता चलता है कि राष्ट्रीयता की असल धारा जितनी गहरे तक हिंदी हृदय प्रदेशों में बहती है, उतनी गैर हिंदीभाषी प्रदेशों में नजर नहीं आती।

महाराष्ट्र के ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए कामचलाऊ मराठी भाषा जरूरी किए जाने को लेकर विवाद उठना स्वाभाविक है। यह विवाद बांबे हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार ने इस नियम को लागू करते हुए तर्क दिया है कि इससे यात्रियों और टैक्सी-ऑटो चालकों के बीच भरोसा बढ़ेगा और यात्रियों में सुरक्षा का भाव रहेगा। मोटे तौर पर सरकार की यह दलील बेहतर लगती है, लेकिन जब राज्य की टैक्सियों और ऑटो की संख्या और उनके चालकों पर ध्यान देते हैं तो यह सवाल सिर्फ भाषा का नहीं रह जाता, बल्कि उपराष्ट्रीयता के उभार और उसके बहाने राष्ट्रीयता के विचार को चुनौती का भी हो जाता है। इस सोच का सिरा आगे बढ़ते हुए हिंदी विरोध और प्रकारांतर से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के प्रवासियों की मुखालफत तक जा पहुंचता है।

भारतीय राष्ट्रीयता के समर्थन में 'विविधता में एकता' का पाठ हर भारतीय को स्कूली घुट्टी में मिला है। लेकिन जीवन की कठोर राहों पर उतरते हैं तो पता चलता है कि राष्ट्रीयता की असल धारा जितनी गहरे तक हिंदी हृदय प्रदेशों में बहती है, उतनी गैर हिंदीभाषी प्रदेशों में नजर नहीं आती। दिलचस्प यह है कि राष्ट्रीयता के पुरजोर पोषक इन इलाकों को उपहास में कभी बीमारू कहा जाता था। इस पर गोबरपट्टी और गोबरनाडु का विशेषण खास धारा की वैचारिकी ने जो चस्पा कर रखा है। इस सोच की प्रमुख वजह आर्थिक रूप से इन इलाकों का अपेक्षाकृत उपराष्ट्रीयता वाले इलाकों से पिछड़े रहना है। इसी वजह से रोजी-रोटी की खातिर महाराष्ट्र के टैक्सी और ऑटो चालकों में सबसे बड़ी संख्या भदेस माने वाले बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश आदि के प्रवासी शामिल हैं। जाहिर है कि मराठी का कामचलाऊ ज्ञान रखने के नियम का शिकार यही लोग ज्यादा हुए हैं। इससे इनकी ही रोजी-रोटी पर संकट बढ़ा है।

महाराष्ट्र के ताजा आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक, राज्य में 12 लाख 96 हजार से ज्यादा ऑटो हैं, जबकि करीब पांच लाख टैक्सियां हैं। यहां के परिवहन विभाग के मुताबिक, अकेले ग्रेटर मुंबई इलाके में करीब पांच लाख टैक्सियां और ऑटो रिक्शा चल रहे हैं। इनमें करीब 75 फीसद ऑटो-टैक्सी चालक गैर मराठी और हिंदीभाषी इलाकों के ही हैं। राज्य के दूसरे इलाकों में करीब आधे ऑटो-टैक्सी चालक हिंदीभाषी हैं। महाराष्ट्र ही क्यों, किसी भी राज्य के सेवा क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को वहां की स्थानीय भाषा आनी चाहिए। उनके रोजाना का काम स्थानीय भाषा के कामचलाऊ ज्ञान से चल सकता है। बड़ा सवाल यह है कि मराठी के कामचलाऊ ज्ञान का पैमाना क्या हो, महाराष्ट्र सरकार का आदेश इस मसले में स्पष्ट नहीं है। विवाद और परेशानी इस वजह से भी है।

सर्विस सेक्टर और रेहड़ी-पटरी लगाने वाले अक्सर कामकाज करते-करते स्थानीय भाषा सीख लेते हैं। दिल्ली के कनॉट प्लेस में हथकरघा और दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं कम शिक्षित हैं। लेकिन वे हिंदी ही नहीं, अंग्रेजी, जर्मन और स्पेनिश भी धाराप्रवाह बोल लेती हैं। तमिलनाडु को लेकर धारणा है कि वहां घोर हिंदी विरोधी माहौल है। लेकिन वहां के प्रमुख पर्यटन स्थल महाबलीपुरम् में भीख मांगने वाले भी बहुभाषी मिल जाते हैं, जो हिंदीभाषी सैलानियों से हिंदी में भीख मांगते हैं। वहां घूम-घूमकर छोटे-मोटे सामान बेचने वाली लड़कियां भी तकरीबन अनपढ़ हैं, लेकिन वे हिंदी, गुजराती, बांग्ला आदि बोल लेती हैं। चाहे कनॉट प्लेस के फुटपाथ पर दस्तगारी का सामान बेचने वाली गुजराती महिलाएं हों या कोलकाता की गलियों में दुकान लगाने वाले बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग हों, अगर वे अंग्रेजी और बांग्ला आदि बोलते हैं तो इसकी वजह कोई स्कूली शिक्षा नहीं, बल्कि रोजाना का संपर्क और जरूरत है। ऐसा नहीं कि महाराष्ट्र के ऑटो-टैक्सी चालक मराठी का कामचलाऊ ज्ञान या समझ नहीं रखते। यहां ध्यान रखने की बात है कि अपनी माटी से दूर जब कोई ऑटो या टैक्सी चलाने का काम चुनता है तो वह तत्काल सड़क पर नहीं उतरता। वह पहले सड़कों को पहचानता है, उनकी भाषा को समझने की कोशिश करता है।

भाषा विज्ञान की नजर से देखें तो मराठी, गुजराती और राजस्थानी ऐसी भाषाएं नहीं है, जिन्हें आम हिंदीभाषी समझ नहीं सकता। ठीक इसी तरह इन भाषा-भाषियों के लिए हिंदी भी ऐसी भाषा नहीं है, जिसे वे न समझ सकें। भाषा को लेकर जब भी कोई विवाद उठता है, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन का एक इंटरव्यू याद आता है। जिसमें उन्होंने अपनी दादी की चारधाम यात्रा का जिक्र किया था। उनकी दादी ने शायद पिछली सदी के दूसरे दशक में तमिलनाडुके पालघाट इलाके के अपने गांव से चारधाम की यात्रा की थी और महीनों बाद सकुशल वापस लौट आई थीं। शेषन ने कहा था कि उनकी दादी तमिल के अलावा कोई अन्य भाषा नहीं जानती थीं, लेकिन उन्हें चारधाम यात्रा से दिक्कत नहीं हुई। सिर्फ शेषन ही नहीं, सदियों से लोग भारत के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक तीर्थ यात्राएं करते रहे हैं। आज तो तकनीक का विस्तार हो गया है, संचार क्रांति हो चुकी है। जब ये सहूलियतें नहीं थीं, तब क्या तीर्थ यात्राएं रूकीं। तब क्या भाषाएं बाधा बनीं। ऐसे में सवाल यह है कि फिर आज भाषा कैसे चुनौती बन सकती है।

कम ही लोग स्वीकार करेंगे, लेकिन राज्यों के पुनर्गठन के लिए बनाए गए फजलुर्रहमान आयोग की रिपोर्ट ही भाषायी उपराष्ट्रीयता को बढ़ावा देने वाली रही। आयोग ने भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की सिफारिश की थी। इसी के नजीतन भारतीय उपराष्ट्रीयताओं को अपनी भाषाओं के बहाने अपना वर्चस्व साबित करने का आधार मिल गया। इसी वजह से आए दिन राज्यों में अपनी भाषाओं को लेकर अस्मिताबोध जागता रहता है। इस बोध के निशाने पर अक्सर हिंदीभाषी ही रहते हैं। महाराष्ट्र सरकार में शामिल एकनाथ शिंदे की शिवसेना के मूल में भी मराठी उपराष्ट्रीयता और अस्मिताबोध रहा है। इस अस्मिताबोध को शिवसेना संस्थापक बाला साहब ठाकरे ने पहली अभिव्यक्ति 1960 के दशक में मुंबई में मलयाली भाषा-भाषियों के खिलाफ आंदोलन के जरिए दी और बाद के दिनों में उनके भतीजे राज ठाकरे तो इस अस्मिताबोध के दबंग पैरोकार बनकर उभरे। केंद्र सरकार और बैंकों आदि की नौकरियों के लिए परीक्षा देने मुंबई-नासिक आदि पहुंचे हिंदीभाषी छात्रों को बाकायदा पीटकर इस भाषा बोध को राज ठाकरे के कथित सैनिक दिखाते रहे। वे भूल गए कि बंग-भंग के खिलाफ आंदोलन के दौरान 1905 में मराठी मानुष के पूज्य पुरूष बाल गंगाधर तिलक ने वाराणसी की यात्रा की थी। इस दौरान 'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' में दिए एक व्याख्यान में उन्होंने पुरजोर तरीके से 'हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा ' घोषित किया था। मराठी अस्मिताबोध के शोर में तिलक की यह आवाज अक्सर खोती रही है।

एक खतरा यह भी है कि मराठी के कामचलाऊ ज्ञान की शर्त राज्य के दूसरे धंधे में काम कर रहे लोगों पर भी बाद में लागू हो सकती है। चूंकि उपराष्ट्रीयता वाले इलाकों में अपनी भाषा और संस्कृति का मसला लोगों के मर्म को छूता है, इसलिए राजनीति अक्सर इसे उभारने की कोशिश करती है। मौका देखकर आने वाले दिनों में राज्य में कार्यरत निर्माण मजदूरों आदि पर भी यह शर्त थोपी जा सकती है। इससे निश्चित तौर पर प्रवासी हिंदीभाषियों के लिए संकट पैदा होगा, उससे पलायन भी बढ़ सकता है। जिसकी कीमत राज्य की अर्थव्यवस्था और उद्योग को भी चुकानी पड़ सकती है। इसलिए जरूरी है कि इस मसले पर सर्वमान्य और सर्वस्वीकार्य रास्ता तलाशा जाए। नियमों को बेड़ी नहीं, लोक का सहयोगी होना चाहिए। इस नजरिए से भी इस बारे में विचार होना चाहिए। आखिर में इस भाषा विवाद का एक सिरा देवेंद्र फड़णवीस के राजनीतिक करीयर से भी जुड़ता है। भारतीय जनता पार्टी का एक वर्ग उनमें राष्ट्रीय राजनीति की संभावना देखता है। महाराष्ट्र तक तो उनका मराठी अस्मिताबोध स्वीकार्य हो सकता है।

लेकिन जब वे राष्ट्रीय राजनीति में सफल होने की कोशिश करेंगे, अपनी भाषा बोध के बहाने हिंदीभाषियों का विरोध उनकी राह की बाधा बन सकता है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एससीओ शिखर सम्मेलन में शिरकत करने की पुष्टि करते हुए उनके उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान दौरे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जिसके बाद पूरी दुनिया में हलचल-सी मच गयी है। हलचल इसलिए मची है क्योंकि जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर एक साथ दिखाई देंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीने पर पिछले साल की तरह फिर से सांप लोट सकते हैं। पिछली बार चीन के तियानजिन में एससीओ मंच पर इन तीन नेताओं की तस्वीर ने अमेरिकी रणनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ा दी थी। तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भारत-अमेरिका रिश्तों को दशकों पीछे धकेलने वाला कदम बताया था और कहा था कि ऐसी नीतियों ने मोदी को पुतिन और शी के और करीब पहुंचा दिया। अब दृश्य और बड़ा है। पहले मध्य एशिया, फिर नई दिल्ली यानि पहले एससीओ और उसके तुरंत बाद ब्रिक्स। संदेश साफ है कि भारत किसी की रणनीतिक जागीर नहीं है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। चीन बेल्ट एंड रोड के जरिए अपनी पकड़ बढ़ा रहा है, रूस इस क्षेत्र को अपने पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और अमेरिका भी यहां अपनी मौजूदगी तथा रणनीतिक पहुंच बनाए रखने की कोशिश में है। ऐसे में मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत को खेल का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना रही है।

उज्बेकिस्तान इस रणनीति का अहम केंद्र है। मोदी की प्रस्तावित ताशकंद यात्रा व्यापार, रक्षा, निवेश, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति दे सकती है। पिछले पांच वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय कारोबार लगभग 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया गया है। भारत का निवेश फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

लेकिन इस यात्रा की असली ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया रणनीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सामरिक महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक आवश्यकता है।

अफगानिस्तान भी मोदी-मिर्जियोयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट समन्वय विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा सहयोग, 'दुस्तलिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है। इसके बाद बिश्केक में एससीओ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ सीधे संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एससीओ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं।

बिना गोली चलाए कैसे लड़ी जा रही है नई जंग, भारत के लिए क्यों अहम है साइबर सुरक्षा

आधुनिक दुनिया में डेटा केवल सूचना नहीं, बल्कि रणनीतिक बढ़त का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। इसी बदलती तस्वीर के बीच हाल ही में कथित तौर पर सामने आए एक असुरक्षित चीनी डेटाबेस ने नई चिंता पैदा कर दी है। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार इंटरनेट पर मिले इस डेटाबेस में विभिन्न देशों के नागरिकों से जुड़ी सूचनाएं संग्रहीत थीं। रिपोर्ट में दावा किया गया कि इनमें कुछ भारतीय नागरिकों के रिकॉर्ड भी शामिल थे। हालांकि सार्वजनिक प्रमाण वास्तविक समय की निगरानी की पुष्टि नहीं करते, लेकिन इस घटना ने स्पष्ट कर दिया कि व्यक्तिगत और संस्थागत डेटा आज वैश्विक प्रतिस्पर्धा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

(राकेश गांधी)

यह पहला अवसर नहीं है जब चीन पर साइबर जासूसी के आरोप लगे हों। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जापान और यूरोप के कई देशों ने भी चीन समर्थित साइबर गतिविधियों को लेकर चिंता जताई है। अगर कोई देश बिना एक गोली चलाए किसी दूसरे देश की आर्थिक गतिविधियों, संचार व्यवस्था, ऊर्जा तंत्र, सरकारी संस्थानों और नागरिकों से जुड़ी अहम सूचनाओं तक पहुंच बना ले, तो क्या वह युद्ध में रणनीतिक बढ़त हासिल नहीं कर लेगा? यही कारण है कि इक्कीसवीं सदी में युद्ध का स्वरूप बदल रहा है। अब लड़ाई सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि साइबर स्पेस या कहें आभासी दुनिया में भी लड़ी जा रही है।

आधुनिक दुनिया में डेटा केवल सूचना नहीं, बल्कि रणनीतिक बढ़त का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। इसी बदलती तस्वीर के बीच हाल ही में कथित तौर पर सामने आए एक असुरक्षित चीनी डेटाबेस ने नई चिंता पैदा कर दी है। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार इंटरनेट पर मिले इस डेटाबेस में विभिन्न देशों के नागरिकों से जुड़ी सूचनाएं संग्रहीत थीं। रिपोर्ट में दावा किया गया कि इनमें कुछ भारतीय नागरिकों के रिकॉर्ड भी शामिल थे। हालांकि सार्वजनिक प्रमाण वास्तविक समय की निगरानी की पुष्टि नहीं करते, लेकिन इस घटना ने स्पष्ट कर दिया कि व्यक्तिगत और संस्थागत डेटा आज वैश्विक प्रतिस्पर्धा का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

यह पहला अवसर नहीं है जब चीन पर साइबर जासूसी के आरोप लगे हों। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जापान और यूरोप के कई देशों ने भी चीन समर्थित साइबर गतिविधियों को लेकर चिंता जताई है। दूसरी ओर चीन इन आरोपों को निराधार बताता रहा है और स्वयं को भी साइबर हमलों का शिकार बताता है। ऐसे में आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़ कर यह समझना जरूरी है कि आखिर डिजिटल जासूसी का महत्त्व इतना क्यों बढ़ गया है। आज किसी भी देश की अर्थव्यवस्था, बैंकिंग, बिजली, रेलवे, संचार, स्वास्थ्य सेवाएं, रक्षा प्रतिष्ठान और सरकारी व्यवस्थाएं डिजिटल नेटवर्क पर ही निर्भर हैं।

ऐसे में यदि किसी देश की महत्त्वपूर्ण प्रणालियों के बारे में विस्तृत जानकारी किसी दूसरे देश के हाथ लग जाए, तो संकट की स्थिति में उसका रणनीतिक उपयोग हो सकता है। डिजिटल जासूसी का अर्थ केवल मोबाइल फोन या कंप्यूटर में सेंध लगाना नहीं होता। कई बार सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाएं, यात्रा रिकॉर्ड, सोशल मीडिया गतिविधियां, व्यावसायिक जानकारियां और इंटरनेट पर मौजूद अन्य सूचनाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से जोड़ कर किसी व्यक्ति, संस्था या पूरे देश का विस्तृत डिजिटल ब्योरा तैयार किया जा सकता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ अब डेटा को 'नया हथियार' भी कहने लगे हैं।

पिछले दो दशकों में चीन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सुपर कंप्यूटिंग और डिजिटल तकनीक में बड़े पैमाने पर निवेश किया है। प्रशासन, शहरी प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था में इन तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। यही क्षमता उसे वैश्विक डिजिटल प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाती है, लेकिन साथ ही कई देशों में संदेह का कारण भी बनती है। अनेक पश्चिमी देशों का आरोप है कि चीन साइबर माध्यमों से रणनीतिक सूचनाएं जुटाने का प्रयास करता है। इन आरोपों की हर मामले में स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी यह निर्विवाद है कि आज दुनिया की सभी बड़ी शक्तियां साइबर क्षमताओं को राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्त्वपूर्ण आधार मान रही हैं। अमेरिका, रूस, इजराइल, ब्रिटेन और अन्य देश भी साइबर सुरक्षा तथा साइबर खुफिया तंत्र पर लगातार निवेश कर रहे हैं। इसलिए यह प्रतिस्पर्धा केवल दो देशों तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का हिस्सा बन चुकी है।

यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि भारत और चीन के बीच प्रत्यक्ष युद्ध जैसी स्थिति नहीं है, तो भारत को लेकर इतनी रुचि क्यों दिखाई देती है। इसका जवाब बदलती वैश्विक राजनीति में छिपा है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। डिजिटल भुगतान, अंतरिक्ष कार्यक्रम, रक्षा आधुनिकीकरण, सेमीकंडक्टर मिशन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विनिर्माण के क्षेत्र में उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। हिंद महासागर में उसकी सामरिक स्थिति भी अहम है।

ऐसे में भारत की आर्थिक, तकनीकी और सामरिक गतिविधियों पर वैश्विक शक्तियों की नजर रहना स्वाभाविक है। यह भी समझना होगा कि आधुनिक दौर की प्रतिस्पर्धा केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि तकनीक, नवाचार और सूचना पर आधारित है। इसलिए किसी भी देश की डिजिटल क्षमता को समझना उसकी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा बन चुका है। भारत के लिए चुनौती यह नहीं है कि कौन उसे देख रहा है, बल्कि यह है कि वह अपनी डिजिटल सीमाओं की सुरक्षा कितने प्रभावी ढंग से कर पा रहा है।

यदि डिजिटल दुनिया भविष्य का युद्धक्षेत्र है, तो क्या भारत इसके लिए तैयार है? आज भारत सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। आधार, डिजिलॉकर, ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल स्वास्थ्य मिशन और ई-गवर्नेंस आदि नागरिकों के जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं, लेकिन जिस तेजी से डिजिटल सेवाओं का विस्तार हुआ है, उतनी ही तेजी से साइबर सुरक्षा की चुनौतियां भी बढ़ी हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में किसी देश को अस्थिर करने के लिए हमेशा पारंपरिक युद्ध की आवश्यकता नहीं होगी। यदि बिजली ग्रिड, बैंकिंग नेटवर्क, संचार व्यवस्था, रेलवे, हवाई यातायात या सरकारी सेवाओं पर बड़े पैमाने पर साइबर हमला हो जाए, तो उसका असर केवल तकनीकी नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक भी हो सकता है। इसलिए साइबर सुरक्षा अब सूचना प्रौद्योगिकी का विषय भर नहीं रह गई है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की पहली पंक्ति का अहम हिस्सा बन चुकी है।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी तकनीकी क्षमता और मानव संसाधन हैं। दुनिया की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों में हजारों भारतीय इंजीनियर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शोधकर्ता अहम जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। आईआईटी, भारतीय विज्ञान संस्थान, सी-डैक, इसरो, डीआरडीओ और देश के तेजी से विकसित होते नवउद्यम भी इस क्षमता को मजबूत बना रहे हैं। भारत के सामने चुनौती प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि उस प्रतिभा को राष्ट्रीय सुरक्षा की साझा रणनीति से जोड़ने की है। यदि सरकारी संस्थान, निजी उद्योग, शोध संस्थाएं और वैश्विक स्तर पर कार्यरत भारतीय विशेषज्ञ एक समन्वित रणनीति के तहत काम करें, तो भारत अपनी डिजिटल सुरक्षा को नई ऊंचाई दे सकता है।

भारत और चीन के संबंध आने वाले वर्षों में प्रतिस्पर्धा और सहयोग के साथ आगे बढ़ेंगे। सीमा पर शांति बनाए रखना जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी आभासी दुनिया में सतर्क रहना है। दुनिया की बड़ी शक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और डेटा संरक्षण पर अरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं। भारत को इस प्रतिस्पर्धा में तकनीक विकसित करने वाले राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत करनी होगी। इक्कीसवीं सदी में किसी राष्ट्र की संप्रभुता केवल उसकी भूमि, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं रह गई है।

उसका डेटा, डिजिटल नेटवर्क और उसकी तकनीकी क्षमता भी उसकी संप्रभुता का अभिन्न हिस्सा हैं। इसलिए भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती केवल सीमाओं की रक्षा नहीं, बल्कि डिजिटल सीमाओं की सुरक्षा भी होगी। आने वाले समय में किसी देश की ताकत केवल उसकी सेना से नहीं आंकी जाएगी। उसके मजबूत साइबर नेटवर्क, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सुरक्षित डेटा ही उसकी राष्ट्रीय शक्ति के नए पैमाने होंगे।

नाव पर सवार होकर बाढ़ग्रस्त इलाकों में पहुंचे सांसद

अधिकारियों को राहत कार्य तेज करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

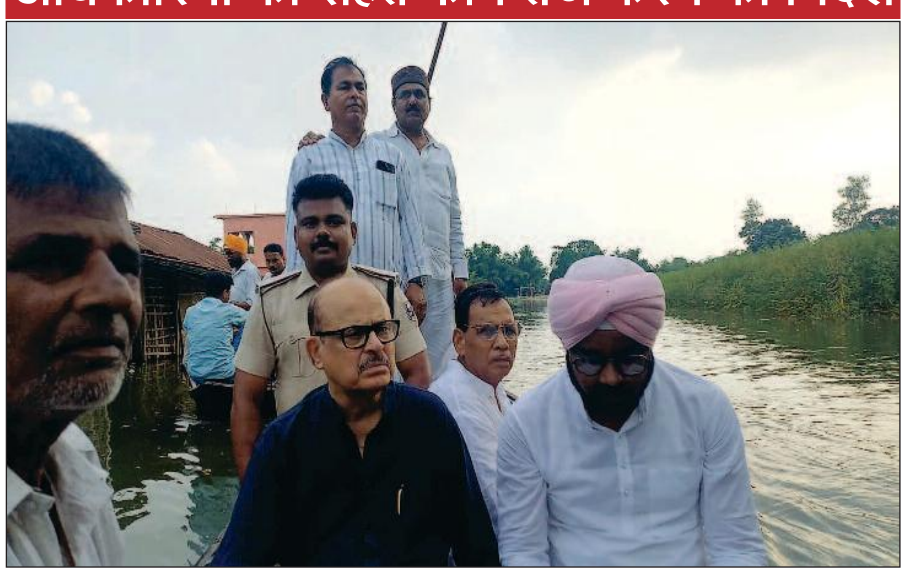

बरारी (कटिहार)। बरारी विधानसभा क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए कटिहार सांसद तारिक अनवर ने शनिवार को बाढ़ प्रभावित इलाकों का भ्रमण किया। सांसद ने मोहना चांदपुर पंचायत के भवानीपुर गांव समेत बाढ़ से प्रभावित हो रहे विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर ग्रामीणों से जनसंपर्क किया और उनकी समस्याओं से अवगत हुए। भवानीपुर गांव में बाढ़ का पानी प्रवेश कर जाने के बाद सांसद तारिक अनवर नाव पर सवार होकर प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे। उन्होंने जलभराव की स्थिति,ग्रामीणों की परेशानी और आवागमन की समस्याओं का मौके पर जायजा लिया। इस दौरान ग्रामीणों ने बाढ़ के कारण उत्पन्न हो रही परेशानियों से सांसद को अवगत कराया। सांसद ने मौके से ही संबंधित अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित इलाकों में आवश्यक राहत एवं बचाव की सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने विशेष रूप से प्रभावित परिवारों के बीच प्लास्टिक, ब्लीचिंग पाउडर, मवेशियों के लिए चारा उपलब्ध कराने तथा जरूरत वाले क्षेत्रों में सामुदायिक रसोई शुरू करने को कहा, ताकि बाढ़ के कारण लोगों को भोजन एवं जरूरी सामान के लिए परेशान नहीं होना पड़े।बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के दौरान सांसद तारिक अनवर ने सरकार पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कटिहार के लोगों को आखिर कब तक हर वर्ष बाढ़ का दंश झेलना पड़ेगा। बाढ़ की समस्या कोई नई नहीं है, बावजूद इसके इसके स्थायी समाधान के लिए सरकार की ओर से ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से बाढ़ को लेकर किए जाने वाले दावे जमीनी स्तर पर पूरी तरह प्रभावी नजर नहीं आते। बाढ़ आने के बाद राहत सामग्री और अस्थायी व्यवस्था करने के बजाय ऐसी ठोस कार्ययोजना तैयार करने की जरूरत है, जिससे हर साल बाढ़ की मार झेलने वाले लोगों को स्थायी राहत मिल सके। सांसद ने कहा कि कटिहार को बाढ़ की समस्या से निजात दिलाने का मुद्दा उन्होंने कई बार संसद में उठाया है। संबंधित मंत्री को भी लिखित रूप से समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक आश्वासन के अलावा कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि इसका खामियाजा कटिहार के लोगों को हर वर्ष बाढ़ के रूप में भुगतना पड़ रहा है। सांसद ने बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। भ्रमण के दौरान सांसद प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव, दिलीप विश्वास, शाहनवाज खान, अवधेश मंडल, जहांगीर आलम, सिमरनजीत सिंह, सुरजी लाल चौधरी, भगवत प्रसाद भगत, शाहिद बैठा, मुनेश्वर ठाकुर, शेख इलियास समेत कई स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बुद्धिजीवी मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी का एनडीए कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के कटिहार आगमन पर भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज राय के नेतृत्व में स्टेशन परिसर में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित भाजपा एवं एनडीए कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन व स्वागत किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मनोज राय ने कहा संगठन के प्रति समर्पण, कुशल नेतृत्व एवं दीर्घ राजनीतिक अनुभव से समृद्ध मिथिलेश तिवारी पूर्व में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री के रूप में भी संगठन को मजबूती प्रदान कर चुके हैं।उनके कटिहार आगमन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। उन्होंने कहा कि मिथिलेश तिवारी अपने कुशल संगठनात्मक अनुभव, दूरदर्शी नेतृत्व एवं प्रभावी कार्यशैली के माध्यम से बिहार के शिक्षा विभाग में ऐतिहासिक एवं सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर, सुदृढ़ एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए उनके प्रयास निश्चित रूप से बिहार के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार कर रहे हैं। कटिहार की धरती पर उनका आगमन हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए गौरव एवं उत्साह का विषय है। मिथिलेश तिवारी ने सर्किट हाउस में एनडीए कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक भी किया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय और भाजपा के जयघोष के साथ उनका स्वागत किया। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि कार्यकताओं का यह आत्मीय स्वागत संगठन के प्रति समर्पण, अनुशासन और एकजुटता का प्रतीक रहा। इस इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री रामनाथ पांडे, गोविंद अधिकारी, सौरभ कुमार मालाकार, जिला मंत्री गौरव पासवान, युवा मोर्चा अध्यक्ष अभिषेक सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रियंका सिंह, महेंद्र झा,नगर अध्यक्ष राजेश शर्मा, निगम पार्षद प्रमोद महतो सहित बड़ी संख्या में भाजपा एवं मोर्चा के कार्यकर्ता एवं एनडीए के कार्यकर्ता ने मिलकर स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

गहरे पानी में डूबने से अधेड़ की मौत

अमदाबाद/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड क्षेत्र के बैरिया ग्राम पंचायत के नासी टोला के समीप पटसन उठाने के दौरान गहरे पानी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान बैरिया पंचायत के वार्ड संख्या छह निवासी शेख रहीम (55) के रूप में हुई है।मुखिया प्रतिनिधि शेख गुलजार ने बताया कि गंगा नदी का पानी बैरिया पंचायत के निचले इलाकों में फैल गया है। नासी टोला के आसपास भी चारों ओर पानी भर गया है। दस बजे करीब रहीम पानी से पटसन उठा रहे थे। इसी दौरान वह गहरे पानी में चले गए और डूब गए। जिससे उनकी मौत हो गई।परिजनों व ग्रामीणों के सहयोग से शव को पानी से बाहर निकाला गया। वही प्रभारी अंचल पदाधिकारी चंदन कुमार ने बताया कि डूबने से एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली है। सूचना मिलते ही राजस्व कर्मचारी को मौके पर भेजा गया था। परिजनों ने पोस्टमार्टम नहीं कराने को लेकर लिखित आवेदन दिया है।घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। मुखिया मुन्नी खातून, प्रमुख प्रतिनिधि मो. अजहरुद्दीन, शेख गुलजार, शेख बारूल समेत अन्य लोगों ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

एनएसयूआई की ओर से विधायक को ज्ञापन सौंपकर अलग परीक्षा भवन निर्माण कराने की मांग की

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिला एनएसयूआई की ओर से पूर्व जिलाध्यक्ष अमित पासवान के नेतृत्व में सदर विधायक तारकिशोर प्रसाद को मांगपत्र सौंपकर केबी झा कालेज में अलग से परीक्षा भवन निर्माण कराने की मांग की है।अपने मांग पत्र में उन्होंने लिखा है कि वर्तमान में कालेज में परीक्षा से संबंधित कार्य अलग-अलग जगह होने से सिर्फ छात्र-छात्राओं को हीं नहीं बल्कि महाविद्यालय प्रशासन को भी काफी परेशानी होती है।ऐसे में कालेज परिसर में एक अलग परीक्षा भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही है।जिसमें परीक्षा संचालन से संबंधित सभी कार्य एक हीं भवन से संचालित हो सके।उन्होंने सदर विधायक से पृथक परीक्षा भवन निर्माण कराने को लेकर आवश्यक सहयोग करने का आग्रह किया है। इस मौके पर शुभम पासवान नकुल पासवान,विशाल रमानी, प्रकाश मिश्रा, शदाब आदि मौजूद रहे।

स्नान करने दौरान डुबने से युवक की मौत

फलका/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। रक्षाबंधन के त्योहार पर ममेरी बहन से राखी बंधवाने अपने ननिहाल आये एक युवक की शनिवार सुबह नहाने के दौरान नदी में डूबने से मौत हो गयी। मृतक की पहचान भवानीपुर थाना क्षेत्र के सिंघिया गांव निवासी सोनू कुमार शर्मा (32) पिता चरितर शर्मा रूप में हुई है। मृतक की पत्नी बेचनी देवी और उनके तीन बच्चे हैं। परिजनों के अनुसार सोनू कुमार शर्मा रक्षाबंधन के अवसर पर फलका प्रखंड के मोरसंडा गांव स्थित अपने नाना-मामू के घर आए थे। शनिवार सुबह करीब आठ बजे वह मोरसंडा स्थित कमला घाट में नहाने के लिए गए थे। इसी दौरान अचानक पैर फिसल जाने से वह गहरे पानी में चले गए और देखते ही देखते डूब गए।घटना के बाद घाट पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गयी। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना परिजनों एवं ग्रामीणों को दी। इसके बाद स्थानीय गोताखोरों ने काफी मशक्कत कर पानी में खोजबीन शुरू की। काफी प्रयास के बाद सोनू को पानी से बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय मुखिया राजू नायक तथा फलका प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। एएसआई राहुल कुमार सुमन ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कटिहार भेज दिया। रक्षाबंधन के दौरान हुई इस दर्दनाक घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पत्नी बेचनी देवी समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं तीन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ जाने से गांव में भी मातम पसरा हुआ है।

अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई में 10,500 जुमार्ना की वसूली

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। नगर निगम कटिहार की ओर से शहर को अतिक्रमणमुक्त एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से शनिवार को वार्ड संख्या-05 में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मिर्चाईबाड़ी हनुमान मंदिर से कारगिल चौक तक तथा सब्जी पट्टी मोड़ एवं हनुमान मंदिर के समीप निर्धारित क्षेत्रों में अतिक्रमण की जांच एवं कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने सड़क एवं सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की तथा अतिक्रमणकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस कार्रवाई के क्रम में कुल 10,500 का जुमार्ना वसूल किया गया। इस अभियान के दौरान नोडल पदाधिकारी सह नगर प्रबंधक ज्योति कृष्णमूर्ति, सहायक अभियंता विवेक कुमार,कनीय अभियंता अजय सिंह, स्वच्छता पदाधिकारी नूर अली, सभी अमीनसहित अतिक्रमण दल के सदस्य उपस्थित रहे। टीम के सभी सदस्य 10:00 बजे निर्धारित स्थल पर पहुंचकर अभियान में शामिल हुए।नगर निगम द्वारा स्पष्ट किया गया कि शहर में सार्वजनिक सड़कों एवं स्थानों पर अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

महायज्ञ के प्रतिमा विसर्जन जुलूस सम्पन्न

आजमनगर/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सावन पूर्णिमा के मौके पर आयोजित महायज्ञ कार्यक्रम का समापन के बाद विसर्जन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाजार स्थित पोद्दार टोली बोल बम सेवा समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन पूर्णिमा के मौके पर महायज्ञ का आयोजन किया गया था। 24 प्रहर महायज्ञ कार्यक्रम का समापन व विसर्जन में बेहद भक्ति में माहौल और भारी संख्या में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर सनातन पोद्दार, रॉकी पोद्दार, बबलू पोद्दार, चंदन पोद्दार, मनोज पोद्दार, सुमन पोद्दार, राकेश पोद्दार, राहुल पोद्दार, पंकज पोद्दार, सज्जन पोद्दार, भुवनेश्वर पोद्दार सहित सैकड़ो की संख्या में बोल बम सेवा समिति के सदस्य एवं श्रद्धालु भाग लिये ।

जनता दरबार का हुआ आयोजन, चार मामले का ऑन द स्पॉट निष्पादन

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अंचल कार्यालय मनसाही में हर शनिवार की भांति इस शनिवार भी जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में कुल छः आवेदन पड़े जिसमें चार मामले का निष्पादन ऑन द स्पॉट किया गया। दो आवेदन लंबित रहे। मौके पर अंचलाधिकारी मो. इस्माइल, राजस्व कर्मचारी महबूब आलम, अबू समहा, पवन कुमार सहित फरियादी मौजूद रहे ।

बिजली की लचर व्यवस्था पर ग्रामीणों में आक्रोश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। बलिया बेलोन क्षेत्र के ग्राम पंचायत चनदहर में रह रह कर बिजली कट और लो वोल्टेज की समस्या से लोग परेशान हैं। मुखिया प्रतिनिधि सह अधिवक्ता रागिब शजर के नेतृत्व में ग्रामीणों ने शनिवार को कलदासपुर चौक में टायर जला कर विरोध प्रदर्शन करते हुए बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा की स्थिति में सुधार नहीं होता है तो सड़क पर उतर कर आन्दोलन किया जायेगा।विभाग के अधिकारियों का घेराव किया जायेगा। उन्होंने बताया की चनदहर पंचायत के मीनापुर, बघवा, कलदासपुर, खाड़ी, पकडया, मध्यम टोला, नया टोली, सातधडया टोला, बलिया टोला आदि गांव में वर्षो पूराना जर्जर तार, बिजली ट्रांसफार्मर की कमी के कारण उपभोक्ताओं को सही तरह से बिजली नहीं मिल रही है। इस समस्या को ले कर सांसद, विधायक, बिजली विभाग के अधिकारी को सूचना देने के बाद भी बिजली सप्लाई में सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि लो भोलटेज के कारण खेतों की सिंचाई प्रभावित होता है। छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होता है।मुखिया रागिब शजर ने पंचायत में 10 अतिरिक्त बिजली ट्रांसफार्मर की मांग की है। साथ ही शफीक के घर से मदरसा जामेउल ओलूम कुरआन कलदासपुर तक 20, शाह आलम के दुकान से मुस्लिम के घर तक नौ, मनरेगा भवन से सलाम के घर तक 20, हेलाल के घर से जाकिर के घर तक 20 अतिरिक्त बिजली पोल की जरूरत है। कुछ ऐसी ही स्थिति अन्य वार्डों की है।इस अवसर पर अधिवक्ता रागिब शजर, जुबेर आलम, एकबाल, अबुल हसन, आफताब आलम, महफील, नाहिद आलम, अबुल हयात, मुस्लिम, मतलीब, हेलाल, नजीर आलम, नजर, मुश्फिक आलम आदि उपस्थित रहे ।

हवाई फायरिंग करने वाला युवक हथियार संग धराया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुरसेला (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के मजदिया गांव में रक्षाबंधन की देर रात एक युवक द्वारा हवाई फायरिंग करने की जानकारी सामने आई है। ग्रामीण की सूचना पर पुलिस ने युवक को कटरिया पुलिस पिकेट के पास धर दबोचा। इस बीच पुलिस से भागने के क्रम में बाइक सवार युवक पुलिस पीकेट के समीप लगे बेरिकेट से टकराकर दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे में युवक का हाथ टूट गया। तलाशी के दौरान युवक के पास से एक देशी कट्टा, एक जिंदा गोली, मोबाइल और पल्सर बाइक बरामद की गई है। जानकारी के मुताबिक शेरमारी वार्ड संख्या 10 निवासी नीरज कुमार रक्षाबंधन के दिन अपनी बहन के घर मजदिया आया था। देर रात बाइक लेकर मजदिया से निकलने के दौरान उसके द्वारा दो-तीन राउंड हवाई फायरिंग किए जाने की बात बताई जा रही है। गोली चलने की आवाज से गांव में अफरातफरी मच गई। इसके बाद किसी ने पुलिस को इसकी सूचना दी। बताया जा रहा है कि एनएच 31 पर कटरिया पुलिस पीकेट के पास बाइक सवार युवक को पकड़ने के लिए पुलिस ने रोड पर बेरिकेट लगा दिया। भागने के क्रम में युवक बेरिकेट से टकराकर दुर्घनाग्रस्त हो गया। बाद में पुलिस ने उसे इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया।

अभियोजन कार्यों की वादवार समीक्षा, पीड़ितों को ससमय न्याय दिलाने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। जिला पदाधिकारी, विनोद दूहन की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष वेश्म में विशेष लोक अभियोजक (उत्पाद), विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) तथा विशेष लोक अभियोजक (अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम) के अभियोजन कार्यो की वादवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान संबंधित विशेष लोक अभियोजकों द्वारा न्यायालयों में लंबित मामलों की स्थिति, अभियोजन की प्रगति तथा विभिन्न वादों में की जा रही कार्रवाई के संबंध में जिला पदाधिकारी को जानकारी दी गई। जिला पदाधिकारी द्वारा प्रत्येक वाद की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला पदाधिकारी ने संबंधित विशेष लोक अभियोजकों को निर्देशित किया कि सभी मामलों में गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी अभियोजन सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से उत्पाद अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ कार्य करते हुए निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने निर्देश दिया कि मामलों में अनावश्यक विलंब न हो तथा साक्ष्यों एवं अभिलेखों का समुचित अध्ययन करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रभावी ढंग से पक्ष रखा जाए। साथ ही, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। जिला पदाधिकारी ने कहा कि अभियोजन कार्यों का उद्देश्य केवल वादों का निष्पादन नहीं, बल्कि पीड़ितों को ससमय एवं न्यायसंगत न्याय उपलब्ध कराना भी है। इसके लिए सभी संबंधित पदाधिकारी एवं अभियोजन पक्ष पूरी तत्परता, संवेदनशीलता एवं समन्वय के साथ कार्य करें।

अररिया में राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्रतिभाओं का सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अररिया में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खेल विभाग, महिला एवं बाल विकास निगम, अररिया तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत इंडोर स्टेडियम, अररिया में जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वहीं, खेल भवन सह व्यायामशाला, अररिया में थाँगता प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। इसके अलावा जिले के विभिन्न विद्यालयों में भी राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला प्रोग्राम पदाधिकारी श्रीमती कविता कुमारी एवं जिला खेल पदाधिकारी सन्याल कुमार ने मेजर ध्यानचंद को पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर जिला प्रोग्राम पदाधिकारी ने मेजर ध्यानचंद के खेल योगदान को याद करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ खेल भी बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने बेटियों को शिक्षा, साहस और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने तथा महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनने का संदेश दिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। जिला खेल पदाधिकारी ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अभिभावकों से बच्चों की रुचि के अनुरूप उन्हें खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की।

लोजपा रामविलास की बैठक में कई लोगों ने थामा पार्टी का दामन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला अतिथि गृह में शनिवार को लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक जिलाध्यक्ष सह बलरामपुर विधायक संगीता देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में पार्टी संगठन का विस्तार करना और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना था। जिसमें जिले भर से आए सैकड़ों कार्यकताओं ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। बैठक के दौरान वक्ताओं ने पार्टी की नीतियों और राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया। नए सदस्यों ने लोजपा रामविलास की नीतियों में आस्था जताते हुए पार्टी का दामन थामा, जिन्हें जिलाध्यक्ष संगीता देवी एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। इस अवसर पर पार्टी के कई प्रमुख स्थानीय पदाधिकारी, पंचायत स्तर के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। मौके पर प्रधान महासचिव,रुपेश सिंह, उपाध्यक्ष निलेश गुप्ता, नगर अध्यक्ष रमेश पासवान, युवा अध्यक्ष संजय सिंह एसटीएससी जिला अध्यक्ष राजकिशोर पासवान, महिला अध्यक्ष नितु यादव, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष रफीक आलम, किसान जिला अध्यक्ष रविशंकर वर्मा, महासचिव मुन्ना पासवान सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

कोढ़ा में खेल दिवस पर स्पोर्ट्स डे का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढ़ा (कटिहार) । राजकीय डिग्री कॉलेज, कोढ़ा में स्पोर्ट्स डे का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य सीके मिश्रा के द्वारा किया गया। इसके पश्चात स्पोर्ट्स इवेंट इंचार्ज प्रीतम कुमार सिंह के नेतृत्व में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. हरिओम प्रसाद, शंभू कुमार यादव, राशि झा, गुलअफसा परवीन, सत्यम, संदीप सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षकों ने उपस्थित रहकर सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। शिक्षकों के प्रोत्साहन से छात्र-छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और उन्होंने पूरे जोश एवं खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया,जिसमें महाविद्यालय के छात्र - छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।कार्यक्रम के दौरान 100 मीटर दौड़ महिला वर्ग प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में पूजा कुमारी ने प्रथम स्थान आस्मिन खातून ने द्वितीय स्थान तथा ब्यूटी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं शतरंज महिला वर्ग में शुप्रिया कुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।शतरंज छात्र वर्ग में दिवाकर कुमार विजेता रहे। सभी प्रतिभागियों ने खेल भावना,अनुशासन एवं उत्साह का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं ने विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आत्मविश्वास और टीम भावना को बढ़ावा दिया। महाविद्यालय परिवार ने सभी विजेता एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं तथा भविष्य में भी खेलकूद की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

अपहरण के झूठे केस का पदार्फाश, मुफस्सिल पुलिस रही परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हफलागंज में एक युवक पर झूठे अपहरण का मामला प्रकाश में आने पर सनसनी की फैल गई। मामले को लेकर पंचायत के मुखिया मुकेश पासवान ने कथित अपहर्ता युवक मिलन मोदी को जहां हफलागंज में घूमते हुए पाया। वही इसकी सूचना मुफसिल पुलिस को भी दी गई। जिस पर अपहरण का आरोप लगाया गया युवक बंटी पासवान ने बताया कि उन्हें घटना को लेकर कोई जानकारी नहीं है और उनके प्रतिष्ठा को हनन करने के लिए इस तरह के मनगंढत शिकायत पुलिस को की गई थी। जिसको लेकर उन्होंने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। इस संबंध में बताया जाता है कि मिलन मोदी एक सरकारी जमीन पर कई वर्षो से रह रहा था। इस सरकारी जमीन पर उन्होंने एक महिला से ₹30000 सूद पर लिया हुआ था। जिसे वह चुकता नहीं कर रहे थे। जिस पर महिला ने पंचायत के माध्यम से मिलन मोदी पर पैसे वापस करने का दबाव बनाया। इसके बाद मिलन मोदी की पत्नी ने एसपी कटिहार को ऑनलाइन आवेदन करते हुए पति के अपहरण कर लिए जाने की बात कही। जिस पर मुफस्सिल पुलिस ने अपनी जांच शुरू की और जांच में अपहरण का पूरा मामला झूठा साबित हुआ। हफलागंज में आराम से घूम रहे मिलन मोदी ने मुफस्सिल पुलिस को लिखित आवेदन देते हुए उनकी पत्नी द्वारा उनके अपहरण के बात खारिज करते हुए गलती के लिए पुलिस से माफी भी मांगा। इस संबंध में थानाध्यक्ष संतोष निराला ने बताया कि शिकायत के आलोक में जांच शुरू की गई और पुलिस के जांच में अपहरण का मामला गलत पाया गया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में 80-100 गज के प्लॉट पर बिल्डर से फ्लैट बनवाने वालों के लिए बड़ी खबर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में संपत्ति के बंटवारे और मालिकाना हक को लेकर होने वाले कानूनी विवादों को कम करने के लिए दिल्ली सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। नई व्यवस्था लागू होने पर, ऐसे किसी भी करार को सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में पंजीकृत कराना होगा, जिस पर एक फीसदी शुल्क लागू हो सकता है। दरअसल, दिल्ली में विशेषकर 8ओ से 100 गज के छोटे प्लॉटों पर बिल्डरों द्वारा जमीन मालिकों के साथ मिलकर 3-4 मंजिला फ्लैट बनाने का बड़ा चलन है। अधिकतर बिल्डर और मालिक महज 50 या 100 रुपये के स्टांप पेपर पर ही आपसी समझौता कर लेते हैं। कई बार किसी फ्लोर के बदले नकद भुगतान की शर्तें भी होती हैं। ऐसे समझौतों से सरकार को राजस्व का नुकसान तो होता ही है, साथ ही भविष्य में आपसी विवाद भी बढ़ते हैं। अधिकारियों के अनुसार, एक्ट में प्रस्तावित बदलाव के बाद अब केवल स्टांप पेपर पर करार करना कानूनी रूप से पर्याप्त नहीं होगा। इस एग्रीमेंट का रजिस्ट्रेशन

नहीं कराया गया तो बाद में फ्लैट की बिक्री के समय मुश्किलें आ सकती हैं। ऐसी स्थिति में बकाया करारनामे का शुल्क वसूला जाएगा, जिसका अतिरिक्त 1 प्रतिशत भार खरीदार की जेब पर पड़ सकता है। दिल्ली सरकार जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए संपत्ति के ट्रांसफर को लेकर सख्त रुख अपना चुकी है। जीपीए के जरिए ब्लड रिलेशन के अलावा किसी बाहरी व्यक्ति को संपत्ति ट्रांसफर करने पर भी स्टांप ड्यूटी वसूली जा सकेगी। यह कलेक्टर ऑफ स्टांप तय करेगा कि कितना स्टांप शुल्क लिया जाना है। हालांकि, दिल्ली सरकार रजिस्ट्रेशन एक्ट में प्रस्तावित बदलाव के जरिए 4 फीसदी स्टांप शुल्क जीपीए पर लेने पर विचार कर रही है।

8वें वेतन आयोग में देरी से कर्मचारियों को झटका, सैलरी में 3.45 लाख रुपये तक का नुकसान

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को 8वें वेतन आयोग से वेतन बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, आयोग की सिफारिशें लागू होने में देरी हुई तो कर्मचारियों को मिलने वाले एरियर को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो सकता है। खासतौर पर यह सवाल अहम है कि एरियर सिर्फ बेसिक पे पर मिलेगा या महंगाई भत्ता , हाउस रेंट अलाउंस और ट्रांसपोर्ट अलाउंस जैसे भत्तों पर भी लागू होगा। पिछले वेतन आयोगों के पैटर्न को देखें तो आमतौर पर कर्मचारियों को एरियर मुख्य रूप से बेसिक पे पर मिलता है। डीए, एचआरए और टीपीटीए जैसे फिक्स्ड या पॉलिसी आधारित भत्तों पर

एरियर तभी मिलता है, जब सरकार इसके लिए अलग से घोषणा करे। ऐसे में 8वें वेतन आयोग में भी अगर सिर्फ बेसिक सैलरी पर एरियर मिला, तो लागू होने में देरी से कर्मचारियों को करीब 3.45 लाख रुपये तक का संभावित एरियर नुकसान हो सकता है। यह मूल वेतन पर आधारित है और हर छह महीने पर संशोधित होता है। आयोग का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी डीए में बढ़ोतरी जारी रहती है। इसलिए इसका एरियर नहीं मिलता। नए वेतन आयोग में एचआरए की दरें रिवाइज होती हैं, लेकिन कर्मचारियों को इस बढ़े हुए दर का पिछला एरियर नहीं दिया जाता। यह पद और शहर के आधार पर तय होता है। 8वें वेतन आयोग में दरें रिवाइज होंगी, लेकिन नए दरों का पिछला अंतर कर्मचारियों को एरियर के रूप में मिलना मुश्किल है।

दिल्ली एनसीआर में बढ़े सीएनजी के दाम, मोटर चालकों पर पड़ेगा भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एनसीआर और कुछ अन्य शहरों में सीएनजी और पीएनजी सप्लाई करने की जिम्मेदारी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड को है। इस कंपनी ने सीएनजी के दाम में 3.89 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी कर दी है। यह फैसला आज यानी शनिवार, 29 अगस्त 2026 से लागू हो गया है। इससे मोटर चलाने वालों को महंगा पड़ेगा।

सीएनजी के दाम में बढ़ोतरी के बाद अब दिल्ली में इसकी नई कीमत 86.98 रुपये प्रति किलो हो गई है। इससे पहले यह कीमत 83.09 रुपये प्रति किलो थी। नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी का नया रेट 95.59 रुपये प्रति किलो हो गया है।

सीएनजी की कीमत में इस साल 5वीं बढ़ोतरी

इस साल सीएनजी की कीमतों में यह पांचवीं बढ़ोतरी है। आपको याद होगा कि इसी साल फरवरी में इजरायल ने ईरान पर हमला किया था। उसके बाद होमुर्ज संकट हुआ तब से पेट्रोलियम पदार्थों और नेचुरल गैस के दाम बढ़ ही रहे हैं। हां, मई के बाद देखें तो यह पहली बढ़ोतरी है। इससे पहले ढ्ढत्रु ने 10 ही दिन की अवधि

के दौरान चार चरणों में कुल 6 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की थी। इस बढ़ोतरी के बाद अब मेरठ में सीएनजी का नया दाम 95.47 रुपये प्रति किलो हो गया है। गुड़गांव या गुरुग्राम में अब यह 92.01 रुपये प्रति किलो पड़ रहा है। हरियाणा के ही रेवाड़ी में इसका नया दाम 91.59 रुपये प्रति किलो है। उत्तर प्रदेश के शामली में अब सीएनजी का नया रेट 95.47 रुपये, कानपुर में सीएनजी का नाया दाम 98.31 रुपये हो गया है।

पेट्रोल और डीजल की तरह, सीएनजी की कीमतें भी विभिन्न राज्यों और शहरों में अलग-अलग होती है। दरइसल इस पर राज्य सरकार की वैट संरचना अलग-अलग है, इसलिए दाम भी अलग अलग है। साथ ही ढुलाई भाड़े का भी दाम पर कुछ असर पड़ता है।

नेचुरल गैस के दाम हुए दूने

पेट्रोलियम कंपनियों से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट के बाद कच्चा तेल ही नहीं प्राकृतिक गैस भी खूब महंगा हुआ है। इस साल जुलाई से लेकर अब तक लिक्विफाइड नेचुरल गैस या रुह्रत्र की कीमतें दोगुनी हो गई हैं। बेंचमार्क गैस एशिया- इस साल फरवरी में लगभग .11 प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट के भाव बिक रहा था।

मुनाफा कूटकर भागने लगे निवेशक, 110 प्रतिशत लिस्टिंग के बाद टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स का शेयर लुढ़का

नईदिल्ली, एजेंसी। कल शुक्रवार को मेन बोर्ड से टेम्पसैंस इंस्ट्रूमेंट्स का आईपीओ शेयर बाजार में लिस्ट हुआ। इसने लिस्टिंग पर ही निवेशकों को करीब 110 फीसदी मुनाफा दिया। बाद में शेयर में कुछ और तेजी आई, लेकिन मार्केट बंद होते-होते यह शेयर करीब 7 फीसदी लुढ़क गया। ऐसे में माना जा रहा है कि निवेशक लिस्टिंग पर मुनाफा लेकर इससे अलग हो गए। थर्मल इंजीनियरिंग और इंस्ट्रूमेंटेशन क्षेत्र की कंपनी टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स का आईपीओ शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स पर इश्यू प्राइस 300 रुपये के मुकाबले 110 फीसदी प्रीमियम के साथ 631.20 रुपये पर लिस्ट हुआ। वहीं एनएसई पर यह 111 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ था। यानी आईपीओ में शेयर पाने वाले निवेशकों की लिस्टिंग के साथ ही रकम दोगुने से ज्यादा हो गई। लिस्टिंग के बाद भी शेयर में तेजी जारी रही। बीएसई पर यह 631.20 रुपये तक पहुंच गया था। हालांकि, ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली देखने को मिली और शेयर 7.03 प्रतिशत गिरकर 586.80 रुपये पर बंद हुआ। एक समय यह गिरकर 551.20 रुपये पर आ गया था। यानी लिस्टिंग प्राइस के मुकाबले इसमें 12.67 फीसदी की गिरावट आ गई थी।

साल 2026 में सोना, बिटकॉइन और शेयर बाजार के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिल रहा

बिटकॉइन ने शॉर्ट टर्म में सबसे तेज वापसी करते हुए पिछले एक महीने में 20 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। साल 2026 में सोना, बिटकॉइन और शेयर बाजार के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है। जहां भारतीय शेयर बाजार रिटर्न के मामले में पीछे रहा है, वहीं सोने ने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर, बिटकॉइन ने हाल के दिनों में जोरदार वापसी करते हुए शॉर्ट टर्म में निवेशकों का ध्यान खींचा है। ऐसे में कई निवेशकों के मन में आ रहा होगा कि क्या उन्हें अपने पोर्टफोलियो में बदलाव करना चाहिए या नहीं

पिछले कुछ समय के प्रदर्शन पर नजर डालें तो बिटकॉइन सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली एसेट क्लास बनकर उभरा है। पिछले एक महीने में बिटकॉइन में 20 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। बीते 15 दिनों में यह फिर से 80 हजार डॉलर के पार चला गया था। हालांकि पिछले एक हफ्ते में इसमें फिर से कुछ गिरावट देखने को मिली है। इस साल अभी तक बिटकॉइन 11 फीसदी से कुछ ज्यादा गिर गया है।

अगर सोने की बात करें तो इसमें इस साल काफी उतार-चढ़ाव रहा है। एमसीएक्स पर पिछले एक महीने में सोने की कीमत में करीब 10 फीसदी की तेजी आई है। इस साल जनवरी में सोने में अपना ऑल टाइम हाई बनाया था। साल 2026 की शुरुआत से अब तक यानी ड्ढञ्जष्ठ आधार पर सोना करीब 8 फीसदी ऊपर है। अभी अक्टूबर डिलीवरी वाले सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम 1,56,400 रुपये है।

भारतीय शेयर बाजार का प्रमुख इंडेक्स निफ्टी 50 इन दोनों एसेट क्लास से पीछे नजर आया है। निफ्टी 50 में पिछले एक सप्ताह में करीब 0.47 फीसदी की गिरावट आई है। वहीं, पिछले एक महीने में इंडेक्स करीब 0.31 फीसदी नीचे रहा है। 6 महीने में भी इसमें करीब-करीब 3 फीसदी की गिरावट आई है। बात अगर इस साल की करें तो यह 7.54 फीसदी लुढ़क गया है।

क्या निवेशकों को पोर्टफोलियो बदलना चाहिए

सोने, बिटकॉइन और शेयरों के प्रदर्शन में अंतर ने निवेशकों के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हालिया ट्रेंड को देखते हुए पोर्टफोलियो में बदलाव करना चाहिए एक्सपर्ट के मुताबिक, इसे किसी एक एसेट क्लास से निवेशकों के पूरी तरह दूर जाने के तौर पर नहीं देखना चाहिए। उनके अनुसार, निवेशकों के पोर्टफोलियो बनाने का तरीका लगातार बदल रहा है। बढ़ती आर्थिक अनिश्चितता, ब्याज दरों को लेकर बदलती उम्मीदें और टेक्नोलॉजी में तेजी से हो रहे बदलाव निवेशकों को डायवर्सिफिकेशन पर ज्यादा ध्यान देने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। सोना, बिटकॉइन और स्टॉक्स का प्रदर्शन बताता है कि अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में अलग-अलग एसेट क्लास बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं।

ट्रैक्टर ड्राइवर का बेटा कॉलेज में हुआ फेल, एयरोस्पेस चुना और खड़ी कर दी 800 करोड़ रुपये की कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। कॉलेज के पहले सेमेस्टर में सभी विषयों में फेल होना किसी भी छात्र के लिए बड़ा झटका हो सकता है। लेकिन तमिलनाडु के आनंद मेगालिंगम की कहानी बताती है कि एक असफलता जिंदगी का अंत नहीं, बल्कि सही दिशा तलाशने

का मौका भी बन सकती है। कभी आर्थिक परेशानियों के बीच पढ़ाई करने वाले आनंद आज भारत के निजी स्पेस सेक्टर में अपनी पहचान बना चुके हैं।

रोज 6 किमी पैदल चलकर जाते थे स्कूल

आनंद का बचपन तमिलनाडु में सीमित संसाधनों के बीच बीता। वह स्कूल जाने के लिए रोज करीब 6 किलोमीटर पैदल चलते थे। उनके पिता परिवार का खर्च चलाने के लिए ट्रैक्टर ड्राइवर के तौर पर काम करते थे।

आनंद ने पढ़ाई जारी रखी और आगे चलकर कंप्यूटर साइंस में दाखिला लिया। उन्हें उम्मीद थी कि यह विषय उन्हें एक स्थिर करियर बनाने में मदद करेगा। लेकिन कॉलेज के पहले सेमेस्टर में वह सभी विषयों में फेल हो गए। उन्हें जल्द ही महसूस हुआ कि कंप्यूटर साइंस में उनकी दिलचस्पी नहीं है। इसके बाद उन्होंने कॉलेज छोड़ दिया। आनंद ने दिसंबर 2021 में स्पेस जोन इंडिया कंपनी की स्थापना की। स्पेस जोन इंडिया कंपनी स्पेस टेक्नोलॉजी, हाइब्रिड रॉकेट, रिसर्च और स्पेस एजुकेशन के क्षेत्र में काम करती है। खास बात यह है कि आनंद ने अपने पिता को भी इस कारोबार का हिस्सा बनाया और उन्हें कंपनी का को-फाउंडर बनाया। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने अपने पिता को कंपनी में 50 फीसदी हिस्सेदारी दी। कंपनी की वैल्यूएशन अब करीब 800 करोड़ रुपये बताई जाती है। उनकी कंपनी ने 24 अगस्त 2024 को तमिलनाडु के थिरुविदंधई से हाइब्रिड रॉकेट ञ्जस्ञ्ज-1 को लॉन्च किया था।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग ने बदली जिंदगी

कॉलेज छोड़ने के बाद आनंद ने अपनी रुचि को समझने की कोशिश की। उन्हें विमानन और अंतरिक्ष तकनीक में दिलचस्पी थी। इसी वजह से उन्होंने एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की। इस बार उनकी पढ़ाई में बड़ा बदलाव देखने को मिला। उन्होंने कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और पुरस्कार जीते। धीरे-धीरे उन्हें भरोसा होने लगा कि एयरोस्पेस ही उनका सही क्षेत्र है। आनंद ने भारत इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की और 9.8 सीजीपीए के साथ गोल्ड मेडल हासिल किया। आनंद अब एयरोस्पेस के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए तैयार थे।

तुकाराम मुंढे का बड़ा एक्शन, सिपला कंपनी की पुणे यूनिट का ड्रग लाइसेंस रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन कमिश्नर तुकाराम मुंढे की कार्रवाई जारी है। फूड कंपनियों पर एक्शन लेने के साथ अब दवा कंपनी भी उनके निशाने पर आ गई है। एफडीए ने दवा निर्माता कंपनी सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड की पुणे स्थित कैरी एंड फॉरवर्डिंग (ष्ट×स्न) यूनिट का दवा बिक्री लाइसेंस रद्द कर दिया है। नियामकीय निकाय के अनुसार, यह कार्रवाई रिएक्टिन प्लस टैबलेट्स के स्टोरेज, पैकेजिंग और बाजार से दवा वापस मंगाने की प्रक्रियाओं में पाई गई गंभीर अनियमितताओं के कारण की गई है। एफडीए के मुताबिक, लाइसेंस रद्द करने का आदेश 27 अगस्त से प्रभावी हो गया है। यह कार्रवाई पुणे जिले के वाडकी स्थित कंपनी के मुख्य वेयरहाउस में की गई जांच के बाद हुई। इस साल जून के आसपास किए गए शुरुआती निरीक्षण के दौरान एफडीए अधिकारियों ने पाया कि रिएक्टिन प्लस (शेड्यूल ॥ की एक प्रिस्क्रिप्शन दवा) की पैकेजिंग पर अनधिकृत रूप से एनाल्जेसिक और एंटीपायरेटिक (दर्द निवारक और बुखार रोधी) लिखा हुआ था। शुरुआती जांच के बाद नियामक ने कंपनी को इस भ्रामक पैकेजिंग वाली दवा को बाजार से वापस मंगाने (रिकॉल) का आदेश दिया था।

उद्यमी होना सिर्फ बिजनेस शुरू करना नहीं, जहां लोग रुकावटें देखते हैं, वहां अवसर खोजें

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सफल कारोबारी और अरबपति उद्यमी माइकल ब्लूमबर्ग का मानना है कि मुश्किलों में भी अवसर तलाशना ही असली उद्यमिता है। उनके अनुसार, कारोबारी होना सिर्फ कोई बिजनेस शुरू करने या पैसा कमाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दुनिया को देखने का एक अलग नजरिया है। इसमें रचनात्मक सोच, जोखिम लेने का साहस, नए विचार और चुनौतियों के बीच अवसर पहचानने की क्षमता शामिल होती है। उद्यमी वह व्यक्ति नहीं है जो सिर्फ कंपनी शुरू करता है। असली उद्यमी वह है जो वहां भी अवसर देख सके, जहां दूसरे लोगों को केवल मुश्किलें और रुकावटें नजर आती हैं। इसके लिए जोखिम लेने और कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने का साहस जरूरी है।

ब्लूमबर्ग का यह विचार बताता है कि उद्यमिता सबसे पहले एक सोच और मानसिकता है। सफल लोग मुश्किल हालात में हार मानने के बजाय उनका समाधान तलाशते हैं। जहां दूसरे लोग किसी समस्या को बाधा मानते हैं, वहीं उद्यमी उसी समस्या में नया अवसर खोजने की कोशिश करता है।

ऐसी सोच व्यक्ति को नए आइडिया पर काम करने, जोखिम लेने और असफलताओं से सीखने के लिए प्रेरित करती है। कारोबार में सफलता के लिए केवल पैसा या संसाधन पर्याप्त नहीं होते, बल्कि बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी जरूरी होता है। माइकल ब्लूमबर्ग खुद इस सोच का बड़ा उदाहरण हैं। उन्होंने 1981 में ब्लूमबर्ग एलपी की स्थापना की और इसे दुनिया की प्रमुख वित्तीय सूचना कंपनियों में शामिल किया।

उनका सफर आसान नहीं था। उन्होंने 1966 में वॉल स्ट्रीट के निवेश बैंक में एंट्री-लेवल नौकरी से करियर शुरू किया था। करीब 15 साल बाद उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। इसके बाद उन्होंने इसी झटके को अपने कारोबारी सफर की शुरुआत में बदल दिया। नए रास्ते खोलती हैं। इसके लिए व्यक्ति को अपने विचारों पर भरोसा रखना और आलोचना, प्रतिस्पर्धा तथा अनिश्चितता के बावजूद आगे बढ़ते रहना पड़ता है। ब्लूमबर्ग का यह विचार युवाओं को जोखिम लेने, नए विचारों पर काम करने और असफलताओं से न डरने की सीख देता है। जिंदगी में हर चुनौती को केवल परेशानी मानने के बजाय उसमें संभावित अवसर तलाशना सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। उद्यमिता का मतलब हमेशा कंपनी खोलना नहीं है। किसी समस्या का नया समाधान खोजना, अलग तरीके से काम करना या किसी पुराने काम को बेहतर बनाने की कोशिश करना भी उद्यमी की सोच का हिस्सा है।

विदेशी मुद्रा भंडार में कितनी बढ़ोतरी

विदेशी मुद्रा भंडार ऑल टाइम हाई पर, टूट गया पिछला रिकॉर्ड

मुंबई, एजेंसी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर से ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। दरअसल, पिछले दिनों रिजर्व बैंक ने देश में विदेशी मुद्रा के प्रवाह को बढ़ाने के लिए एफसीएनआर-बी योजना शुरू की थी। इस योजना का बढ़िया रिस्पांस रहा। तभी तो बीते 21 अगस्त को समाप्त सप्ताह लगातार 8वां सप्ताह रहा जबकि अपने विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई। बीते सप्ताह भी भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में .12.4 बिलियन की बढ़ोतरी हुई। की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 21 अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में .12.422 बिलियन की भारी बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 9.905 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर .729.328 बिलियन का हो गया है। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को अपना भंडार .728.494 बिलियन के ऑल टाइम हाई पर था। यह रिकॉर्ड अब टूट गया।

एफसीए भंडार कितना बढ़ा

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 21 अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में भी 9.482 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह

पहले इसमें .7.225 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर .591.333 बिलियन का हो गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व भी बढ़ा: आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के दाम में थोड़ी वृद्धि हुई है। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में 2.801 बिलियन की बढ़ोतरी हुई है। एक सप्ताह पहले भी इसमें 2.679 बिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपने सोने के भंडार की वैल्यू बढ़ कर .114.218 बिलियन का हो गया है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का था। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का करीब 16.7 प्रतिशत बैठता है। इसके मूल्य में कमी होती है यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार को प्रभावित करता है।

एसडीआर में वृद्धि

रिजर्व बैंक के आंकों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार .112 मिलियन की वृद्धि हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें .5 मिलियन की कमी हुई थी। अब अपना कुल एसडीआर भंडार बढ़ कर .18.852 बिलियन का हो गया है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में भी 26 मिलियन की बढ़ोतरी हुई है। इसमें एक सप्ताह पहले भी 5 मिलियन की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना आईएमएफ रिजर्व बढ़ कर .4.925 बिलियन का हो गया है। रिजर्व बैंक ने पिछले दिनों बताया था कि अगस्त तक इस योजना में .65.4 बिलियन आ चुके थे।

मुकेश अंबानी को मिली बड़ी खुशखबरी, जिया आईपीओ को सेबी की मंजूरी, 37700 करोड़ जुटाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को बड़ी खुशखबरी मिली है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ने जियो प्लेटफॉर्म्स के बहुप्रतीक्षित आईपीओ को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित पब्लिक इश्यू से करीब 37,700 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य बताया जा रहा है। इस आधार पर कंपनी की वैल्यूएशन करीब 9.5 लाख करोड़ रुपये हो सकती है। अगर आईपीओ इसी आकार का आता है तो यह भारत के सबसे बड़े आईपीओ में शामिल हो सकता है। करीब 3 अरब डॉलर के संभावित इश्यू साइज के साथ जियो का आईपीओ हुंडई मोटर इंडिया के पब्लिक इश्यू को पीछे छोड़ते हुए भारत के सबसे बड़े आईपीओ में शामिल हो सकता है। इसमें ऑफर फॉर सेल का कोई हिस्सा नहीं होगा। यानी आईपीओ से मिलने वाली रकम सीधे कंपनी के पास जाएगी। इश्यू का अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा क्यूआइबीएस के लिए आरक्षित किया जा सकता है, जबकि कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल निवेशकों के लिए रखा जाएगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के पात्र शेयरधारकों और कर्मचारियों के लिए कितने शेयर आरक्षित किए जाएंगे, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

न्यायालय को गुमराह करना पुलिस अधिकारी को पड़ा भारी

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने दिए जांच और कार्रवाई के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडे की अदालत ने न्याय प्रशासन के साथ खिलवाड़ करने और कोर्ट को गुमराह करने वाले एक पुलिस अनुसंधानकर्ता के खिलाफ बेहद सख्त रुख अपनाया है। एक जब्त वाहन को छोड़ने से जुड़े मामले में फर्जी रिपोर्ट सौंपने पर अदालत ने न सिर्फ पुलिस अधिकारी को 'शो-कॉज' नोटिस जारी किया बल्कि पुलिस अधीक्षक, को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए आदेश की कॉपी भेज दी है।

जब्त वाहन का विवाद: यह मामला लिट्टीपाड़ा थाना कांड संख्या 59/2025 से जुड़ा है। रविकांत रवि नामक व्यक्ति ने अपने जब्त वाहन को मुक्त कराने के लिए याचिका दायर की थी।

निचली अदालत का फैसला: न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी की अदालत ने 07.04.2026 को वाहन छोड़ने की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि वाहन के राजसात की कार्यवाही शुरू हो चुकी है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडे की अदालत में जब इस फैसले को चुनौती दी गई (क्रिमिनल रिवीजन संख्या 34/2026), तो पुलिस की एक बड़ी गड़बड़ी सामने आई।

पहली रिपोर्ट (01.02.26): अनुसंधानकर्ता मृत्युंजय कुमार ने कोर्ट में रिपोर्ट दी कि वाहन राजसात करने की कार्यवाही उपायुक्त, पाकुड़ द्वारा शुरू कर दी गई है। इसी आधार पर निचली अदालत ने वाहन छोड़ने से मना कर दिया था।

दूसरी विरोधाभासी रिपोर्ट (03.07.26): इसके बाद उसी अधिकारी ने अदालत में एक और रिपोर्ट दाखिल की, जिसमें कहा गया कि वाहन के संबंध में कोई भी राजसात कार्यवाही शुरू ही नहीं हुई है! अदालत ने यह भी पाया कि जिन धाराओं (भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 106(1), 125, 125 के तहत मामला दर्ज है, उनमें वाहन को राजसात करने का कोई प्रावधान ही नहीं बनता। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिवाकर पांडे ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि कह्न मृत्युंजय कुमार ने जानबूझकर अदालत को गुमराह किया है और न्याय प्रक्रिया को प्रभावित किया है। अदालत ने निम्नलिखित आदेश पारित किए हैं।

निचली अदालत का आदेश रद्द: दंडाधिकारी द्वारा 07.04.2026 को दिए गए आदेश को अदालत ने अवैध मानते हुए रद्द कर दिया है और याचिकाकर्ता की पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार कर लिया है। **अनुसंधानकर्ता पर जांच शुरू:** झूठी रिपोर्ट देने के मामले को गंभीरता से लेते हुए अदालत ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 379 के तहत मृत्युंजय कुमार के खिलाफ जांच शुरू करने का आदेश दिया है।

कारण बताओ नोटिस: अदालत ने आइओ मृत्युंजय कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। **एसपी पाकुड़ को सूचना:** अदालत ने अपने कार्यालय को निर्देश दिया है कि इस आदेश की एक प्रति सौंपी गई दोनों रिपोर्ट की कॉपी पाकुड़ के पुलिस अधीक्षक को भेजी जाए, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

पुरूष नसबंदी की संख्या निराशाजनक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में परिवार नियोजन को महिलाओं का दायित्व समझ लिया गया है, लिहाजा नसबंदी के मामलों में पुरुषों की भागीदारी मात्र 0.2 प्रतिशत पर ठिठकी हुई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) और राज्य स्वास्थ्य समिति के हालिया आंकड़े स्पष्ट कर रहे कि स्थायी गर्भनिरोधक उपायों (नसबंदी) को अपनाने में महिला और पुरुष भागीदारी के बीच बहुत बड़ा अंतर है। पुरुषों की रूढ़ मानसिकता के कारण इस अंतर को पाटना सहज भी नहीं। आश्चर्यजनक यह कि पुरुष नसबंदी के मामलों में पिछले 20 वर्षों के दौरान गिरावट ही आई है। एनएफएचएस-6 इसे 0.2 प्रतिशत बता रहा, जो एनएफएचएस-3 के दौरान 0.6 प्रतिशत रहा था। एनएफएचएस-3 के आंकड़े 2005-06 में जुटाए गए थे, जबकि एनएफएचएस-6 के 2023-24 में। इस गिरावट के कारण तात्कालिक हो सकते हैं, लेकिन बिहार आज भी देश में सर्वाधिक प्रजनन-दर वाला राज्य बना हुआ है।

सड़क सुरक्षा को ले बैठक

सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। जिला समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त पदाधिकारी ऋतुराज की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत के नेतृत्व में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का अयोजित किया गया। समिति की पूर्व बैठक में दिए गए। निदेशों के आलोक में किए गए। हर कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। इस दौरान जिले की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने, दुर्घटनाओं में कमी लाने औंर शहर को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए कई कड़े एवं सुधारात्मक निर्णय लिए गए।समीक्षा के क्रम में चुट्टूपालू घाटी में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने हेतु किए जा रहे, कार्यों की विस्तृतपुर्वक जानकारी ली गई। उपायुक्त ऋतुराज ने वर्तमान में घाटी में लगाई गई लाइटों के नियमित रूप से कार्य करने की स्थिति की जांच की। उन्होंने घाटी क्षेत्र में दुर्घटनाओं को रोकने लगाए गए। साइन बोर्ड की संख्या में वृद्धि करने तथा वाहनों की गति (स्पीड) को नियंत्रित करने हेतु कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही घाटी में ओवर स्पीडिंग पर रोक लगाने, हाई मास्ट लाइट लगाने, सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त रखने औंर ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर उन स्थानों पर सुधारात्मक कार्रवाई कर दुर्घटनाओं को रोकने के निर्देश दिए गए। हिट एंड रन दुर्घटनाओं से संबंधित मामलों की भी विस्तृत पुर्वक समीक्षा की गई। उपायुक्त ऋतुराज ने इस योजना के तहत मिलने वाली मुआवजा प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए। जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश एक्का को निर्देशित किया कि हिट एंड रन के तहत आए सभी लंबित मामलों का जल्द से जल्द निष्पादन सुनिश्चित करे। प्रभावित परिवारों को ससमय राहत औंर मुआवजा मिल सके। इसके साथ ही सड़क दुर्घटना को रोकने एवं अवैध परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न स्थानों पर सघन वाहन जाँच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। वहीं रामगढ़ शहर को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए बैठक में उपायुक्त पदाधिकारी ऋतुराज ने सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराने निर्देश दिए गए। यातायात सुगम हो सके और आम जनता को परेशानी न हो सके। सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए। बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाने वाले चालकों पर सख्त कार्रवाई करते हुए। चालान काटने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही जिले के सभी पेट्रोल पंपों में हेलमेट नहीं, तो पेट्रोल नहीं'अभियान को सख्ती से जारी रखने की बात कही गई। मौके पर जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों /अधिकारियों के सहित अन्य संबंधित विभागों के सदस्यगण मौजूद थे।

डीएवी पाकुड़ में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन

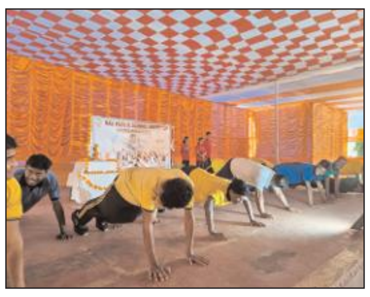

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। स्थानीय विद्यालय डीएवी पब्लिक स्कूल पाकुड़ में शनिवार को विद्यालय परिसर में राष्ट्रीय खेल दिवस सह मेजर ध्यानचंद जन्म दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती द्वारा महान हॉकी खिलाड़ी एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। खेलेगा भारत, जीतेगा भारत थीम के तहत आयोजित इस आयोजन में प्राचार्य ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व के बारे में बताया। विद्यार्थियों को नियमित रूप से किसी न किसी खेल में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया। विभिन्न खेल गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने खेल भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का परिचय दिया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के महिला शिक्षकों के बीच म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका लुत्फ बच्चों ने उठाया। बच्चों के बीच विभिन्न प्रकार के खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मेजर ध्यानचंद दिवस बना खेल संकल्प का पर्व

गूंजी विजय और खेलभावना की हुंकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। श्री कृष्ण विधा मंदिर में मेजर ध्यानचंद दिवस बना खेल संकल्प का पर्व है।गूँजी विजय और खेलभावना की हुंकार से, जहां खेल केवल विजय का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्य, आत्मविश्वास, सामूहिकता और संघर्षशीलता का जीवन पाठ बन जाता है, वहीं शिक्षा अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त करती है। इसी भावना को चरितार्थ करते हुए।

श्री कृष्ण विद्या मंदिर, रामगढ़ में आज हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती अत्यंत उत्साह ऊर्जा और खेलोंमुख वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विशेष प्रार्थना सभा पूर्णतः खेल और मेजर ध्यानचंद के प्रेरणादायी व्यक्तित्व पर केंद्रित रही। विद्यार्थियों को उनके जीवन, समर्पण, अनुशासन तथा राष्ट्र के प्रति उनकी गौरवपूर्ण खेल - सेवा से परिचित कराया गया। साथ ही विद्यालय परिसर में विभिन्न खेल गतिविधियों एवं रोमांचक मुकाबलों का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने अद्भुत उत्साह, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा कबड्डी का रोमांचक मुकाबला, जिसमें कक्षा 10वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं ने अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। दमदार मुकाबले के उपरांत कक्षा 12वीं के छात्र एवं छात्राओं ने विजय ध्वज लहराया। इसके पश्चात कक्षा नवमी एवं ग्यारहवीं के छात्रों के बीच वॉलीबॉल का शानदार मुकाबला आयोजित हुआ। दोनों टीमों ने पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ एक दूसरे को कड़ी चुनौती दी। अंततः उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर कक्षा 11वीं के छात्रों को जीत हासिल हुई। इसी क्रम में टेबल टेनिस का आकर्षक मुकाबला भी कराया गया जिसने छात्रों की एकाग्रचितता, मानसिक सजगता और तकनीकी दक्षता को उजागर किया।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल (अधिवक्ता) ने अपने प्रेरक संदेश में कहा कि मैदान में मिली जीत और हार दोनों ही जीवन के महत्वपूर्ण शिक्षक हैं, जीत हमें विनम्र रहना सिखाती है और हार हमें अपनी कमियों को पहचानकर और अधिक दृढ़ता से आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।कार्यक्रम का समग्र वातावरण उत्सव, उमंग, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से ओत - प्रोत रहा। खेल शिक्षक मनोरंजन चौधरी के मार्गदर्शन के तहत सारी खेल गतिविधियां सकुशल संपन्न हुई। अन्य सभी शिक्षकों का योगदान सराहनीय रहा।

मलबे में छह घंटे तक दबा रहा वृद्ध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। प्रखंड क्षेत्र के मटुआ गांव में देर रात मूसलाधार बारिश के बीच एक खपरैल मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे के समय मकान के अंदर सो रहे वृद्ध किशुन मांझी मलबे में दब गए। रात का समय होने के कारण आसपास के लोगों को घटना की तत्काल जानकारी नहीं हो सकी। करीब छह घंटे तक वृद्ध मलबे के नीचे दबे रहे। सुबह ग्रामीणों की नजर गिरे हुए मकान पर पड़ी तो उन्हें अनहोनी की आशंका हुई।

ग्रामीणों ने बिना देर किए मलबा हटाने का काम शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद वृद्ध को मलबे से बाहर निकाला गया। राहत की बात रही कि करीब छह घंटे तक मलबे में दबे रहने के बावजूद उनकी सांसें चल रही थीं।

ग्रामीण आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों ने वृद्ध की हालत चिंताजनक बताई है।

बताया जाता है कि घटना रात करीब 12 बजे की है। किशुन मांझी अपने खपरैल मकान में सो रहे थे। इसी दौरान लगातार हो रही बारिश के बीच अचानक मकान ढह गया।

मकान का मलबा सीधे वृद्ध के ऊपर जा गिरा और वह उसके नीचे दब गए। रात का समय और तेज बारिश होने के कारण किसी को घटना की भनक नहीं लगी। सुबह तक वृद्ध उसी स्थिति में मलबे के नीचे फंसे रहे।सुबह मकान पूरी तरह गिरा देखकर ग्रामीणों को किसी के अंदर दबे होने का अंदेशा हुआ। इसके बाद ग्रामीणों ने एकजुट होकर मलबा हटाना शुरू किया।

काफी प्रयास के बाद किशुन मांझी को बाहर निकाला जा सका। ग्रामीणों का कहना है कि यदि सुबह समय रहते मलबा नहीं हटाया जाता तो स्थिति और गंभीर हो सकती थी। वृद्ध को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

मरांडी ने पाकुड़ में डेमोग्राफी बदलाव पर जताई चिंता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। झारखंड के नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने पाकुड़ जिले में हुए डेमोग्राफी बदलाव पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने अपने दो दिवसीय पाकुड़ दौरे के दौरान एक प्रेस वार्ता में यह बात कही। मरांडी ने बताया कि वर्ष 2001 से 2011 के बीच, यानी दस वर्षों की अवधि में, जिले में आदिवासी आबादी का प्रतिशत घटा है, जबकि मुस्लिम आबादी का प्रतिशत बढ़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बदलाव घुसपैठ के कारण हुआ है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में एसआईआरका कार्य चल रहा है। मरांडी ने चुनाव आयोग से खतियान की जांच करने की मांग की, उनका मानना है कि इससे सारी हकीकत सामने आ जाएगी। उन्होंने गलत तरीके से वंशावली बनाकर वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने का भी आरोप लगाया। श्री मरांडी ने संथाल परगना टेंडेंसी एक्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में जमीन की खरीद-बिक्री नहीं होती है। ऐसे में, खतियान की जांच से डेमोग्राफी बदलाव का पूरा मामला स्पष्ट हो सकेगा।

उन्होंने सरकार से इस मामले में तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। मरांडी ने स्पष्ट आरोप लगाया कि जिले में बांग्लादेशी घुसपैठ हुई है और अन्य राज्यों से भी लोग आकर यहां बसे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि केंद्र सरकार ने डेमोग्राफी बदलाव को लेकर एक समिति का गठन किया है, जो जल्द ही राज्य का दौरा करेगी। उम्मीद है कि इसके बाद पूरा मामला सामने आ जाएगा। खनिज संशोधन बिल पर अपनी बात रखते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि यह बिल पूरे देश के लिए है और इससे राज्य को लाभ ही होगा। उन्होंने बिल के विरोध को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार का मानना है कि राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए टैक्स से खनिज संपदा की दरें बढ़ती हैं, जिससे कोयला और लौह अयस्क जैसी वस्तुएं महंगी हो जाती हैं और कंपनियों को नुकसान होता है।

समाजसेवा का मकसद जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना

समाजसेवी लुत्फुल हक का सम्मान समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। समाजसेवा के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय कार्य कर रहे विख्यात समाजसेवी लुत्फुल हक के सम्मान में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, फरक्का के बैनर तले फरक्का ब्लॉक हॉल में स्वागत-सह-सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में उन्हें समाजसेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

लुत्फुल हक को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। सिडनी में मिले इस सम्मान की खुशी में फरक्का में भी उनका आत्मीय स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की। समारोह को और खास बनाते हुए लुत्फुल हक ने नीट क्वालीफाई करने वाले छह मेडिकल विद्यार्थियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज की सफलता उनके कठिन परिश्रम का परिणाम है। आने वाले समय में वे चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज और देश की सेवा करें, यही सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सफलता केवल अपने सपनों को पूरा करने का नाम नहीं है, बल्कि अपनी प्रतिभा का उपयोग समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए करना ही सफलता को सार्थक बनाता है।

समारोह में लुत्फुल हक ने कहा कि समाजसेवा के क्षेत्र में मिलने वाला सम्मान उनके लिए गौरव के साथ-साथ और बेहतर काम करने की जिम्मेदारी भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि जब समाज किसी व्यक्ति के अच्छे कार्यों को पहचानता है तो उससे सेवा का उत्साह और मजबूत होता है।

कार्यक्रम में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी फरक्का के संपादक कल्याण कुमार भट्टाचार्य, अधिवक्ता रबीउल आलम, हाजिकुल इस्लाम, दीपरजीत भगत, विश्वजीत हालदार, दीपायन तालुकदार, सोमित्रो मित्रा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम का मंच संचालन देबोलीना बनर्जी ने किया। समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने समाजसेवा, शिक्षा और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को लेकर किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

फरक्का में आयोजित यह समारोह केवल एक समाजसेवी के सम्मान तक सीमित नहीं रहा।

एक ओर विदेश में मिले सम्मान के बाद लुत्फुल हक का अभिनंदन हुआ, तो दूसरी ओर नीट में सफलता हासिल करने वाले छह विद्यार्थियों को सम्मान देकर मेहनत, शिक्षा और सेवा की नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करने का संदेश भी दिया गया।

एएनएम की नियुक्ति की फिर खुली फाइल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के बेगूसराय जिले से स्वास्थ्य विभाग में करीब तीन दशक पुरानी एक नियुक्ति को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने का मामला सामने आया है। बरौनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीन बीहट स्वास्थ्य उपकेंद्र में कार्यरत एएनएम मंजू कुमारी की वर्ष 1993 में हुई नियुक्ति को लेकर शिकायत की गई है। शिकायतकर्ता डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने आरोप लगाया है कि मंजू कुमारी कथित तौर पर फर्जी नाम और नियुक्ति पत्र के आधार पर नौकरी कर रही हैं। हालांकि, ये आरोप अभी जांच के अधीन हैं और नियुक्ति में अनियमितता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।मामला उस समय और गंभीर हो गया, जब नियुक्ति से जुड़े दस्तावेजों की जानकारी आरटीआई के जरिए मांगी गई। विभागीय जवाब मिलने के बाद शिकायतकर्ता ने नियुक्ति पत्र की प्रमाणिकता और पूरी नियुक्ति प्रक्रिया की वैधता की विस्तृत जांच की मांग की है। अब स्वास्थ्य निदेशालय के स्तर से मामले की दोबारा जांच कराई जा रही है।

शिकायत में बताया गया है कि मंजू कुमारी, पति अनिल कुमार राय, चेरिया क्षेत्र की निवासी हैं और बीहट स्वास्थ्य उपकेंद्र में एएनएम के पद पर कार्यरत हैं। उनकी सेवा पुस्तिका में जन्मतिथि 12 अगस्त 1966 दर्ज होने की बात कही गई है।

शिकायत के अनुसार, उनकी नियुक्ति स्वास्थ्य निदेशालय, बिहार, पटना के ज्ञापांक 5(6), दिनांक 2 जनवरी 1993 के आधार पर बताई गई है। शिकायतकर्ता ने इसी नियुक्ति से संबंधित मूल दस्तावेज और अन्य विवरण आरटीआई के माध्यम से मांगे थे। आरटीआई के जवाब में स्वास्थ्य निदेशालय की ओर से पत्र संख्या 6/एम-16-27/2026-961(6) के माध्यम से जानकारी दी गई। जवाब में बताया गया कि संबंधित ज्ञापांक वाला पत्र अधीक्षक, एनएमसीए के नाम से जारी बताया गया है।

इसके बाद शिकायतकर्ता ने नियुक्ति पत्र की वास्तविकता पर सवाल उठाते हुए मूल अभिलेखों के सत्यापन की मांग की।

जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स बैठक में अवैध खनन पर चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत की समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक का आयोजित किया गया। बैठक दौरान जिला खनन पदाधिकारी निशांत अभिषेक के द्वारा अवैध खनन के विरुद्ध किए जा रहे कार्यों की उपायुक्त ऋतुराज सहित अन्य को पीपीटी के माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

उपायुक्त ने अवैध खनन पर रोक लगाने किए गए कार्यों की जानकारी ली एवं प्रभावी तरीके से अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिए। वे खनन टास्क फोर्स की पूर्व की बैठक में दिए गए। सख़्त निर्देश के आलोक में किए गए। कार्यों की जानकारी ली गई। इसी दौरान उपायुक्त के द्वारा अवैध मुहानों को बंद करने के तहत किए गए। कार्यों की जानकारी लेने के क्रम में उपायुक्त ने कहीं से भी अवैध मुहानों से खनन होने संबंधित सूचना प्राप्त होने पर त्वरित रूप से कार्रवाई करते हुए। उसे अच्छी तरह बंद कराने आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। खनन टास्क फोर्स की बैठक के दौरान उपायुक्त ने खनिजों के परिवहन से संबंधित सभी वाहनों में जीपीएस लगाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने छह सीओ एवं सभी थाना प्रभारी / ओपी थाना प्रभारी को अवैध बालू परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने कई दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त जिलेभर में संचालित सभी कारखाने फैक्ट्री आदि में सघन जांच अभियान चलाकर दिए गए। मानकों का अनुपालन नहीं करने वाले संस्थाओं को चिन्हित कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान जिला स्तरीय पदाधिकारी, पुलिस अधिकारियों, विभिन्न परियोजनाओं के महाप्रबंधकों, अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों सहित अन्य लोग मौजूद थे।

ट्रेन में आग की अफवाह को लेकर अफरातफरी

धुआं निकलने के कारणों को लेकर चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बगहा। बगहा चीनी मिल स्थित रेलवे ढाला, गुमटी संख्या-49 के समीप शनिवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब बांद्रा मुंबई से बरौनी जा रही 19037 अवध एक्सप्रेस में अचानक आग लगने की अफवाह फैल गई।

चलती ट्रेन में इंजन के बगल में लगे जनरेटर से अचानक तेज मात्रा में धुआं निकलने लगा। धुआं देखकर यात्रियों में आग लगने की आशंका पैदा हो गई और देखते ही देखते ट्रेन के अंदर अफरातफरी का माहौल बन गया।

घबराए यात्रियों ने तत्काल चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोक दिया। ट्रेन के रुकते ही कई यात्री नीचे उतरकर सुरक्षित स्थान की ओर जाने लगे।

वहीं, रेलवे ढाला के आसपास मौजूद लोगों में भी कुछ देर के लिए हड़कंप की स्थिति बन गई। यात्रियों के बीच ट्रेन में आग लगने की चर्चा तेजी से फैलने लगी।घटना की सूचना मिलते ही लोको पायलट, गार्ड और रेलकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे।

रेलकर्मियों ने ट्रेन के इंजन के समीप लगे जनरेटर और आसपास के हिस्सों की जांच की। तत्परता से जांच करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया गया। जांच के बाद ट्रेन को दुरुस्त कर आगे के लिए रवाना किया गया। इस दौरान करीब कुछ समय तक ट्रेन गुमटी संख्या-49 के समीप रुकी रही, जिससे रेल परिचालन भी प्रभावित हुआ।

जनरेटर से अचानक अधिक धुआं निकलने को लेकर मौके पर तरह-तरह की चचाएं होती रहीं। कुछ लोगों का कहना था कि ब्रेक शू में अधिक गरमाहट होने के कारण धुआं निकला होगा।

हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। रेलकर्मियों की जांच के बाद ट्रेन का परिचालन शुरू करा दिया गया।घटना के बाद अवध एक्सप्रेस में सवार यात्रियों ने राहत की सांस ली।

राहत की बात यह रही कि घटना में किसी यात्री के झुलसने या किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है।

इधर, घटना से संबंधित वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है, जिसके बाद मामले को लेकर लोगों के बीच चर्चा तेज हो गई है।

दलीप ट्रॉफी

दलीप ट्रॉफी में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने मचाया गदर !

● कप्तान ईशान किशन को लेकर खोला सबसे बड़ा राज

नईदिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन ने नॉर्थ ईस्ट जोन को पारी और 210 रनों से हराकर सेमीफाइनल में एंट्री मार ली है. इस बड़ी जीत में टीम के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी का बल्ला भले ही खामोश रहा, लेकिन उन्होंने अपनी फिरकी से 2 अहम विकेट झटककर महफिल लूट ली. मैच के बाद इस युवा स्टार ने अपनी घातक गेंदबाजी के राज से पर्दा उठाया और बताया कि आखिर किस मास्टर प्लान के तहत उन्होंने विरोधी बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसाया. वैभव सूर्यवंशी को फैन्स विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जानते हैं. ऐसे में इस युवा खिलाड़ी ने गेंद से कमाल का प्रदर्शन कर सभी को हैरान कर दिया. दरअसल, नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ खेले गए मैच में जब ईस्ट जोन के गेंदबाजों को विकेट निकालने में संघर्ष करना पड़ रहा था, तब कप्तान ईशान किशन ने वैभव को गेंद थमाई. ईशान को लग रहा था कि यह एक रिस्क है, लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर वैभव ने सिर्फ 3 ओवर में 11 रन देकर 2 अहम विकेट चटका दिए और अपने कप्तान को पूरी तरह से गलत साबित कर दिया.

● **'ईशान भैया को नहीं पता था कि मैं विकेट टेकर हूं'** – बीसीसीआई डोमेस्टिक द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में अपनी इस शानदार गेंदबाजी पर बात करते हुए वैभव ने मजेदार खुलासा किया. उन्होंने कहा कि अगर आप किसी भी बल्लेबाज से पूछें तो उसे गेंदबाजी करने में मजा आता है. विरोधी टीम के विकेट नहीं गिर रहे थे, इसलिए मुझे 2-3 ओवर फेंकने को कहा गया. ईशान भैया को लगा कि मुझे गेंद थमाना एक रिस्क है, लेकिन उन्हें यह नहीं पता था कि मैं एक विकेट टेकर गेंदबाज हूं.

● **बल्ले से फ्लॉप तो गेंद से रहे सुपरहिट** – वैभव ने आगे कहा कि मुझे पता था कि अगर मैं 5 विकेट भी ले लूं, तब भी मुझे सिर्फ 3 ओवर ही गेंदबाजी करने को मिलेगी. इसलिए मैंने बस अपनी लाइन और लेंथ पर फोकस किया. पिछले मैच में मैं बल्ले से कुछ खास नहीं कर पाया था, इसलिए टीम के लिए गेंदबाजी में योगदान देकर मुझे बहुत मजा आया.

अनाया बांगर ने तोड़ी चुप्पी

मारिजाने कैप की आलोचना पर दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर ने दक्षिण अफ्रीका की ऑलराउंडर मारिजाने कैप की आलोचना पर जवाब दिया है। कैप ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा अनाया को ऑस्ट्रेलिया में महिला घरेलू क्रिकेट के रास्ते के लिए मंजूरी दिए जाने पर सवाल उठाते हुए इस फैसले को गलत बताया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अनाया को तत्काल प्रभाव से कम्युनिटी और प्रीमियर क्रिकेट खेलने के लिए पात्र माना है। हालांकि, यह मंजूरी अपने आप में किसी टीम में चयन की गारंटी नहीं है।

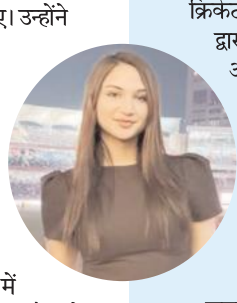

● **अनाया बांगर ने दिया जवाब** – कैप की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अनाया ने कहा कि इस मुद्दे पर आपत्ति जताने वाले लोगों को पहले इसके बारे में पूरी जानकारी हासिल करनी चाहिए। उन्होंने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'जो लोग इसके खिलाफ आवाज उठाना चाहते हैं, उन्हें वास्तव में पहले इस विषय के बारे में खुद को शिक्षित करना चाहिए।' अनाया ने आगे कहा, 'मैंने पहले ही यह जरूरी जानकारी उपलब्ध करा दी है कि मुझे कोई अनुचित फायदा नहीं है और मैं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से तय किए गए दिशानिर्देशों का पालन कर रही हूं।'

एशियन गेम्स में नहीं दिखेगा नीरज चोपड़ा का जलवा

'गोल्डन बॉय' का टूटा सपना

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत की एशियन गेम्स 2026 की पदक उम्मीदों को बहुत बड़ा झटका लगा है. देश के स्टार जैवलिन थ्रोअर और दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा चोट के कारण इस पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं. इसका सीधा मतलब है कि वह जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे. नीरज चोपड़ा ने खुद सोशल मीडिया के जरिए फैन्स को यह बुरी खबर दी है. उन्होंने बताया कि लुसाने डायमंड लीग में 88.05 मीटर का अपना सीजन बेस्ट थ्रो फेंकने के बाद वह काफी अच्छी लय में महसूस कर रहे थे और उन्हें वह मोमेंटम मिल गया था जिसकी उन्हें तलाश थी. लेकिन इसके तुरंत बाद ट्रेनिंग के दौरान उनके टखने में लिगामेंट टियर हो गया. उन्होंने कहा कि यह उनके लिए काफी निराशाजनक है, खासकर तब जब उन्हें लग रहा था कि उनकी लय पूरी तरह वापस आ गई है. हालांकि, उन्होंने मजबूती दिखाते हुए यह भी कहा कि परेशानियां और झटके इस सफर का हिस्सा हैं. फिलहाल उनका पूरा ध्यान अपनी रिकवरी पर है ताकि वह पहले से भी ज्यादा मजबूती के साथ मैदान पर वापसी कर सकें।

चोट चलते खिताब का बचाव करने से चूक जाएंगे नीरज

नीरज के लिए यह चोट बेहद निराशाजनक समय पर आई है, क्योंकि उन्हें लगने लगा था कि उनकी पुरानी फॉर्म और लय वापस आ रही है. उन्होंने खुद माना कि ऐसे झटके खेल के सफर का हिस्सा हैं और अब उनका पूरा ध्यान सिर्फ अपनी रिकवरी पर है. इस चोट की वजह से नीरज अब 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा नहीं ले पाएंगे और जैवलिन थ्रो में अपने खिताब का बचाव करने से चूक जाएंगे. अब नीरज की गैरमौजूदगी में एशियन गेम्स में भारत की पदक उम्मीदों का भार रोहित यादव के कंधों पर आ गया है. रोहित ने हाल ही में भुवनेश्वर में हुए वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर इवेंट में 87.68 मीटर का अपना पर्सनल बेस्ट थ्रो फेंककर जीत दर्ज की थी. नीरज के बाहर होने के बाद अब रोहित ही इस बड़े इवेंट में भारत के सबसे मजबूत पदक दावेदार बनकर उभरे हैं.

ऐसा रहा है नीरज का प्रदर्शन

इस साल नीरज की वापसी मिली-जुली रही थी. उन्होंने ग्लासगो में हुए इवेंट में पोडियम फिनिश तो किया, लेकिन श्रीलंका के रुमेश पथिरागे ने 89.75 मीटर का शानदार थ्रो फेंककर उनसे गोल्ड मेडल छीन लिया था. इसके बाद लुसाने में नीरज अंक तालिका में सातवें नंबर पर पहुंच गए थे और क्वालिफिकेशन की रेस में थे, लेकिन अब यही टूर्नामेंट उनके 2026 सीजन का आखिरी इवेंट बनकर रह गया है.

जैस्मिन लंबोरिया

लड़कों के साथ मुक्केबाजी के अभ्यास से शुरू किया करियर

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा था। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड 7 स्वर्ण पदक जीते थे। इसमें पुरुष और महिला दोनों मुक्केबाजों ने स्वर्ण जीते थे। स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला मुक्केबाजों में एक नाम जैस्मिन लंबोरिया का भी था। लंबोरिया ने 57 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय और प्रतिभा के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाली जैस्मिन लंबोरिया का जन्म 30 अगस्त 2001 को भिवानी, हरियाणा में हुआ था। भिवानी को 'लिटिल क्यूबा' के नाम से जाना जाता है। यह स्थान मुक्केबाजी का गढ़ है। जैस्मिन के लिए मुक्केबाजी के क्षेत्र में करियर बनाने का फैसला आसान नहीं था। लड़की होने की वजह से उन्हें परिवार और समाज की रूढ़िवादी सोच से जूझना पड़ा, लेकिन एक बार सभी का विश्वास हासिल करने के बाद फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जैस्मिन को अपने सफर में चाचा संदीप और परविंदर का भी बाद में साथ मिला, दोनों बॉक्सिंग में राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रहे हैं। भिवानी की लैंबोरिया बॉक्सिंग अकादमी में जब जैस्मिन ने प्रशिक्षण शुरू किया, उस समय वहां कोई महिला मुक्केबाज नहीं थी।

'ईमानदार आदमी हैं', इंटरव्यू में इमरान खान पर बोलते हुए रो पड़े जावेद मियांदाद

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी जावेद मियांदाद अपने साथी क्रिकेटर और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बारे में बात करते हुए रो पड़े, जो जेल में बंद हैं। 1975 और 1996 के बीच छह वर्ल्ड कप खेलने वाले मियांदाद ने कहा कि इमरान खान भ्रष्ट नहीं हैं। उन्हें ईमानदार बताते हुए उनकी रिहाई की गुहार लगाई। 2018 और 2022 के बीच देश के प्रधानमंत्री रहे इमरान खान को भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी पाए जाने के बाद 2023 में जेल भेजा गया था। मियांदाद ने इमरान खान को लेकर नैरेटिव यूट्यूब चैनल पर कहा, 'वह एक ईमानदार आदमी है। वह कोई ऐसे इंसान नहीं हैं जो भ्रष्ट काम करता हो, वरना उन्होंने बहुत कुछ किया होता। अगर आप उन्हें बाहर निकाल देंगे तो क्या होगा? क्या वह किसी को खाएंगे या नुकसान पहुंचाएंगे? वह भी किसी के बेटे हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि वह क्या कर रहे होंगे।'

इमरान खान के मेडिलक जांच के बाद मियांदाद का आया बयान – 69 साल के जावेद मियांदाद का बयान इमरान खान के इस्लामाबाद में मेडिकल जांच के तुरंत बाद आया, जिसके बाद उन्हें रावलपिंडी की अदियाला जेल वापस भेज दिया गया।

'हमें कोई नहीं रोक पाएगा'

एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक पर शूटर आशी चौकसे की नजर

भोपाल, एजेंसी। भारतीय राइफल शूटर आशी चौकसे ने साल 2018 में अचानक प्रतिस्पर्धी शूटिंग शुरू की थी। अब 24 वर्षीय आशी अपने दूसरे एशियन गेम्स की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने अब तक एशियन गेम्स में एक कांस्य और दो रजत पदक जीते हैं। अब उनका बड़ा लक्ष्य आइची-नागोया 2026 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना है। आशी ने 2022 एशियन गेम्स (जो 2023 में हुए थे) में महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में रजत, महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी टीम इवेंट में रजत और महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी इवेंट में कांस्य पदक जीता था। उन्हें लगता है कि यहां मुकाबला करने से जापान में होने वाले अगले इवेंट के लिए उनकी समझ और आत्मविश्वास बेहतर हुआ है। अपने पहले और दूसरे एशियन गेम्स के सफर के अंतर पर बात करते हुए आशी ने कहा, 'एशियन गेम्स ओलंपिक के बाद सबसे बड़े मल्टी-स्पोर्ट टूर्नामेंट में से एक है और मैं वहां पहले भी मुकाबला कर चुकी हूं। मैंने उस मंच पर परफॉर्म किया है, इसलिए मुझे पता है कि इसके लिए क्या चाहिए। तीन पदक जीतने के बाद, अब मुझे इस लेवल पर मुकाबला करने का अच्छा अनुभव है। इसी वजह से इस बार मैं जापान एक क्लियर सोच और लक्ष्य के साथ जा रही हूं कि मुझे इस प्रतियोगिता में क्या हासिल करना है। 'एशियन गेम्स तक के सफर में कड़ी ट्रेनिंग शामिल थी, जिसके दौरान भारतीय शूटिंग टीम ने भोपाल में इंटेंसिव कैंप में हिस्सा लिया। शुरुआती कैंप में कई मैच और फाइनल सिमुलेशन के साथ-साथ लंबे शूटिंग सेशन भी शामिल थे, जिनका मकसद एथलीटों की सहनशक्ति और निरंतरता को परखना था। आशी ने कहा, 'हम तैयारी में बहुत मेहनत और कोशिश कर रहे थे। इस कैंप की रणनीति मैच और फाइनल आयोजित करने की थी। हमने लगभग तीन-चार मैच और तीन-चार फाइनल खेले, जो 10 दिन के कैंप में बहुत अधिक हैं। मैच खेलना बहुत इंटेंस होता है, भले ही वह सिर्फ 60-शॉट का मैच हो। हमने 120-शॉट का मैच भी खेला, जो किसी प्रोग्राम में नहीं होता, लेकिन हमने इसे लंबे समय तक सहनशक्ति और स्थिरता की जांच करने के लिए किया, ' शूटिंग टीम ने स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम किया है और शूटिंग के दौरान अपनी सांस लेने के तरीके और प्रतिक्रियाओं को समझने के लिए बायोफीडबैक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। 'जब हम शूटिंग करते हैं, तो साइकोलॉजिस्ट हमारी सांस और शरीर की दूसरी प्रक्रियाओं पर नजर रखने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हैं। हमने कई बार ऐसा किया है और यह वाकई बहुत मददगार रहा है। इससे हमें खुद को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली है। उन्होंने सोने से पहले और जागने के बाद कुछ एक्सरसाइज करने का भी सुझाव दिया। मैं ऐसा कर रही हूं और इससे मेरी शूटिंग में भी मदद मिल रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'छोटी-छोटी बातें बहुत मायने रखती हैं। हमें पता है कि क्या करना है, कैसे शूट करना है, लेकिन कुछ छोटी-छोटी चीजें होती हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता। अगर हम उन्हें सही तरीके से, परफेक्शन के साथ करें, तो मुझे लगता है कि हमें कोई नहीं रोक पाएगा।'

47 की उम्र में डेब्यू

51 की उम्र हिक्स ने 5 विकेट लिए, महिला क्रिकेटर ने 96 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ रचा

नईदिल्ली, एजेंसी। जोआन हिक्स को क्रिकेट करियर शुरू करने में लगभग आधी सदी लग गई। उन्होंने 47 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया। चार साल बाद 51 साल की उम्र में आइल ऑफ मैन की इस क्रिकेटर ने इतिहास रच दिया। वह 90 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट में 5 विकेट लेने वाली सबसे बुजुर्ग खिलाड़ी बन गईं। ग्रीस की महिला टीम के खिलाफ दाएं हाथ की ऑफ-स्पिनर हिक्स ने तीसरी बार टी20 इंटरनेशनल में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 10 रन देकर पांच विकेट लेकर करियर का बेस्ट प्रदर्शन किया। हिक्स घातक गेंदबाजी के कारण ग्रीस 15 ओवर में 52 रन सिमट गई। आइल ऑफ मैन ने पावरप्ले में नौ विकेट रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

बर्ट आयरनमोंगर का रिकॉर्ड तोड़ा

51 साल और 173 दिन की उम्र में, हिक्स इंटरनेशनल क्रिकेट (पुरुष या महिला) में 50 साल की उम्र के बाद पांच विकेट लेने वाले पहले बॉलर बन गईं। हिक्स ने ऑस्ट्रेलिया के बर्ट आयरनमोंगर का 96 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गईं।

आयरनमोंगर ने दोनों पारियों में झटके थे 5 विकेट – लेफ्ट आर्म स्पिनर आयरनमोंगर ने 1932 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 49 साल और 314 दिन की उम्र में पांच विकेट लिए थे। इत्तेफाक से, उन्होंने दोनों पारियों में पांच विकेट लिए थे। पहली पारी में 6 रन देकर पांच विकेट और दूसरी पारी में 18 रन देकर छह विकेट झटके। प्रोटियाज टीम एक पारी से हारी थी। वह ऑस्ट्रेलिया के 153 रन के जवाब में 36 और 45 रन पर आउट हो गई थी।

टी20 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय कप्तान सूर्या ने सुनाया संघर्ष भरे दिन

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव इस समय अपने करियर के एक अलग दौर से गुजर रहे हैं। 2026 में भारत को टी20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान को अब भारतीय टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है। हालांकि, सूर्यकुमार ने वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के साथ बातचीत में उन्होंने अपनी पहली कमाई और क्रिकेट के शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद किया। सूर्यकुमार ने बताया कि मुंबई की अंडर-15 टीम के साथ अपने पहले दौरे के दौरान उन्हें पूरे सीजन के लिए सिर्फ 15,000 रुपये मिले थे। उस समय उनके पास किसी कंपनी का बैट स्पॉन्सर भी नहीं था, इसलिए उन्होंने अपनी पूरी कमाई क्रिकेट का सामान खरीदने में लगा दी थी।

वर्ल्ड कप जिताने के कुछ महीने बाद टीम से बाहर

सूर्यकुमार ने 2026 में भारत की कप्तानी करते हुए टीम को टी20 वर्ल्ड कप का खिताब दिलाया था। यह भारत का तीसरा टी20 वर्ल्ड कप खिताब था और लगातार दूसरा खिताब भी था। इससे पहले भारत ने 2007 में एमएस धोनी और 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में यह ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, वर्ल्ड कप जीतने के कुछ ही महीनों बाद सूर्यकुमार को भारतीय टी20 टीम से बाहर कर दिया गया। चयनकर्ताओं ने अगले दो साल के चक्र को ध्यान में रखते हुए टीम में बदलाव का फैसला किया और श्रेयस अय्यर को कप्तानी की जिम्मेदारी दी।

खराब फॉर्म बनी बड़ी वजह – सूर्यकुमार की बल्लेबाजी में लगातार निरंतरता की कमी भी चयनकर्ताओं के फैसले की एक वजह मानी गई। 2026 के आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इसके बावजूद सूर्यकुमार का कहना है कि वह भारतीय टीम में वापसी के लिए अपनी तरफ से पूरी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने वापसी के सवाल पर कहा, 'देखिए, मैं पूरी मेहनत कर रहा हूं और वह सब कुछ कर रहा हूं जो मैं कर सकता हूं। अगर चीजें अच्छी होती हैं, तो सब कुछ अपने आप सही जगह पर आ जाएगा।'

'15 हजार रुपये मिले थे, मैंने पूरी रकम खर्च कर दी'

सूर्यकुमार यादव ने अपनी पहली कमाई को याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि जब मैंने पहली बार मुंबई के लिए अंडर-15 क्रिकेट खेला था, तब मुझे 15,000 रुपये मिले थे। यह पूरे दौरे के लिए थे। मैंने शायद पूरी रकम खर्च कर दी थी। उस समय मेरे पास बैट का कोई स्पॉन्सर नहीं था, इसलिए मैं अपनी पूरी कमाई क्रिकेट का सामान खरीदने में खर्च करता था।' उनका यह बयान बताता है कि भारतीय क्रिकेट के मौजूदा स्टार ने अपने शुरुआती दिनों में किस तरह सीमित संसाधनों के बीच क्रिकेट का सफर तय किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर 1600 मीटर दौड़ में युवाओं ने दिखाया दमखम, विजेता हुए सम्मानित

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर क्रीड़ा भारती गिरिडीह एवं रोटरी क्लब ऑफ गिरिडीह ग्रेटर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को सर्कस मैदान में 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रतियोगिता में बालिका वर्ग को दो ग्रुप और बालक वर्ग को एक ग्रुप में बांटकर प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। बालिका वर्ग ग्रुप-1 में सक्सेस डिफेंस एकेडमी की ईशा कुमारी प्रथम, भैया जी फिजिकल अकादमी की नंदनी कुमारी द्वितीय और रिया कुमारी तृतीय रहीं। ग्रुप-2 में सोनू फिजिकल अकादमी की निशा राणा ने प्रथम स्थान हासिल किया। नंदनी कुमारी द्वितीय और भैया जी फिजिकल अकादमी की सुनीता बास्के तृतीय रहीं। बालक वर्ग में सक्सेस फिजिकल अकादमी के बजरंगी कुमार प्रथम, सोनू डिफेंस अकादमी के शिवम कुमार द्वितीय और सक्सेस फिजिकल अकादमी के निलेश कुमार तृतीय रहे। बबलू कुमार चौथे और नीतीश कुमार पांचवें स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता के बाद विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं और समाज में खेल संस्कृति को मजबूत करते हैं। आयोजन को सफल बनाने में संतोष खत्री, राजेंद्र सर्वे, अमित स्वर्णकार, आकाश कुमार स्वर्णकार, अनिल मिश्रा, सीए ब्रह्मदेव प्रसाद सहित विभिन्न फिजिकल अकादमियों के प्रशिक्षकों एवं सदस्यों का योगदान रहा।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी एवं तीरंदाजी प्रतियोगिता

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय खेल दिवस एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर जिले में हॉकी एवं तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ उपायुक्त मो० जावेद हुसैन द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 350झ400 खिलाड़ी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे है। आयोजन का उद्देश्य जिले के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना तथा खेल के प्रति युवाओं में रुचि एवं जागरूकता को बढ़ावा देना है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। उपायुक्त ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बल्कि इससे अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास एवं मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर हॉकी एवं तीरंदाजी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में विशेष उत्साह एवं जोश देखने को मिला।

इंटीरियो बाय गोदरेज ने देवघर में खोला अपना पहला एक्सक्लूसिव स्टोर

देवघर, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रमुख फर्नीचर ब्रांड, इंटीरियो बाय गोदरेज ने झारखंड के देवघर में अपने नए स्टोर के शुभारंभ की घोषणा की है, जिससे राज्य में कंपनी की रिटेल मौजूदगी और मजबूत हुई है। 4000 वर्ग फुट में फैला यह स्टोर देवघर में इंटीरियो बाय गोदरेज का पहला एक्सक्लूसिव स्टोर है, जो शहर और आसपास के इलाकों के ग्राहकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले फर्नीचर की पूरी रेंज पेश करता है। इस लॉन्च पर बात करते हुए, इंटीरियो बाय गोदरेज के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हैड ऑफ कंज्यूमर बिजनेस, डॉ. देव नारायण सरकार ने कहा कि झारखंड के देवघर में हमारा नया स्टोर उभरते बाजारों में अपनी मौजूदगी को और बढ़ाने और उपभोक्ताओं के करीब उच्च गुणवत्ता वाले फर्नीचर समाधान पहुंचाने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बेहतर रेल, सड़क और हवाई कनेक्टिविटी के साथ देवघर में बुनियादी ढांचे का लगातार विकास हो रहा है। इससे क्षेत्र में ब्रांडेड फर्नीचर की मांग भी बढ़ रही है। शहर के एक प्रमुख संपर्क मार्ग पर स्टोर की रणनीतिक स्थिति हमें देवघर और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते उपभोक्ता आधार तक पहुंचने में सक्षम बनाएगी। उन्होंने कहा कि इस स्टोर के शुरू होने के साथ हमें उम्मीद है कि इस वित्त वर्ष में राजस्व 70 लाख रुपये तक पहुंच जाएगा। इस विस्तार के साथ हम झारखंड में अपने रिटेल नेटवर्क को मजबूत करने और उपभोक्ताओं को फर्नीचर खरीदारी का बेहतर और सुविधाजनक अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मवेशियों से लदा पिकअप पलटा, 15 की मौत

मयूरहंड, चतरा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मयूरहंड थाना क्षेत्र के चतरा-हजारीबाग मुख्य मार्ग स्थित पंचमो जंगल के पास शनिवार अहले सुबह करीब चार बजे मवेशियों से लदा पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में 15 मवेशियों की मौत हो गई, जबकि 3-4 मवेशी घायल बताए जा रहे हैं। बताया जाता है कि वाहन में क्षमता से अधिक मवेशियों को लादकर ले जाया जा रहा था। घटना के बाद चालक और उपचालक मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और मवेशियों को वाहन से बाहर निकाला। मयूरहंड थाना प्रभारी राहुल दुबे पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने पिकअप को जब्त कर रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर मवेशी तस्करों की तलाश शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर ओपन माइंड वर्ल्ड स्कूल में खेल उत्सव

गिरिडीह, नव बिहार टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शनिवार को धरियाडीह स्थित ओपन माइंड वर्ल्ड स्कूल में खेल उत्सव का आयोजन किया गया। विद्यालय के कोच कर्मवीर पांडेय के नेतृत्व में बच्चों के बीच बास्केटबॉल और खो-खो प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राचार्य चंद्रमल्लिका घोष चौधुरी ने कहा कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष इसका संदेश ह्लएक घंटा खेल के मैदान मेंह्व रखा गया है। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और खेल भावना विकसित करने के साथ स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि आयोजन का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को खेल संस्कृति से जोड़ना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। मौके पर एकेडमिक प्रमुख मोहम्मद शहरयार, राजेंद्र लाल बरनवाल, श्रुति सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

राष्ट्रीय खेल प्रतिभाओं-खिलाड़ियों को सम्मान देना, मकसद

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। खेल दिवस के उपलक्ष्य पर विश्व भारती कलाकार परिषद के तत्वावधान में भगतसिंह चौक पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम में विश्व भारती कलाकार परिषद के अध्यक्ष डॉ दीपक कुमार घोष ने कहा कि हर वर्ष 29 अगस्त को भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है।

यह दिन महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर खेल प्रतिभाओं, खिलाड़ियों और खेल भावना को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने कहा कि बच्चा जब प्रथम कदम बढ़ाता है, तो पहले पैर ही चलाता है। यही भावना धीरे धीरे फुटबॉल की तरफ बढ़ जाती है, तत्पश्चात हाकी, वालीबाल, टेनिस से क्रिकेट आदि खेलों में परिणत हो जाती है। उन्होंने फुटबालर पी के बनर्जी सहित अन्य खिलाड़ियों पर भी विस्तृत चर्चा की।मुरहू के खेलप्रेमी डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि मेजर ध्यान चंद की हाकी से बढ़ते - बढ़ते आधुनिक क्रिकेट तक खेल की लोकप्रियता दिखाई देती है। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि भारतीय फुटबॉल के महान सितारे प्रदीप कुमार (पी.के.) बनर्जी को याद करना प्रासंगिक है। 23 जून 1936 को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में जन्मे पी.के. बनर्जी भारतीय फुटबॉल के स्वर्णिम दौर के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल रहे। उन्होंने कहा कि खेल से शारीरिक फिटनेस, स्वस्थ्य जीवनशैली देश का नवनिर्माण, सम्मान और ख्याति बढ़ती है।अखिल भारतीय सांस्कृतिक विकास महासंघ के अध्यक्ष तपन घोष ने संबोधन में कहा कि पी.के. बनर्जी ने 1955 में भारतीय राष्ट्रीय टीम के लिए पदार्पण किया। उन्होंने 1956 के मेलबर्न ओलंपिक में भारत के चौथे स्थान पर रहने वाली टीम का हिस्सा बनकर इतिहास रचा। 1960 के रोम ओलंपिक में उन्होंने भारतीय टीम की कप्तानी की।

इसके अलावा उन्होंने 1958, 1962 और 1966 के एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। युवा खेल प्रेमी ध्रुवेन्द्र भास्कर ने खेल को जीवन का आवश्यक अंग बताते हुए कहा कि पीके बनर्जी 1962 का जकार्ता में हुए एशियाई खेलों में भारत ने दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। 1970 के बैंकॉक एशियाई खेलों में भारतीय टीम ने कांस्य पदक जीता। पी.के. बनर्जी को 1961 में फुटबॉल में पहला अर्जुन पुरस्कार मिला ।1990में इन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गय। कार्यक्रम में जितेन्द्र पांडे, तुलसी प्रजापति, आदि उपस्थित रहे।

खेल दिवस पर धनबाद के प्रतिभाशाली तीरंदाज सम्मानित

धनबाद, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर धनबाद क्लब में धनबाद जिला तीरंदाजी संघ की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में तीरंदाजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राष्ट्रीय एवं जिला स्तर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया गया।

कार्यक्रम में धनबाद जिला तीरंदाजी संघ के पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों की मौजूदगी रही। खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए संघ के अध्यक्ष विजय झा ने कहा कि 29 अगस्त को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर पूरे देश में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के महान खिलाड़ियों को याद करने और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का अवसर है।

112 लोगों को वापस मिले खोए मोबाइल, चेहरों पर लौटी मुस्कान

आपका मोबाइल फिर से आपका अभियान के तहत गिरिडीह पुलिस की बड़ी पहल

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। खोया हुआ मोबाइल वापस मिलने की उम्मीद छोड़ चुके 112 लोगों के चेहरों पर शनिवार को उस वक्त खुशी लौट आई, जब गिरिडीह पुलिस ने उनके मोबाइल फोन वापस सौंपे।

पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने मोबाइल धारकों को उनके फोन सौंपे। गिरिडीह पुलिस की ओर से चलाए जा रहे ह्यआपका मोबाइल फिर से आपकाह्न अभियान के तहत जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गुम हुए मोबाइल बरामद किए गए थे। पुलिस की तकनीकी टीम और संबंधित थाना पुलिस के लगातार प्रयास से इन मोबाइल को ट्रेस कर बरामद किया गया। इनमें कई मोबाइल करीब दो महीने पुराने थे, जबकि कुछ फोन लगभग दो साल पहले गुम हुए थे।

मोबाइल वापस मिलने के बाद लोगों ने गिरिडीह पुलिस का आभार जताया और अभियान की सराहना की। लोगों का कहना था कि लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस पाकर उन्हें काफी खुशी हुई है। मौके पर एसपी डॉ. बिमल कुमार ने कहा कि तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल कर पुलिस लगातार गुम और खोए हुए मोबाइल की तलाश कर रही है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को उनका सामान वापस दिलाने के साथ-साथ पुलिस और आम जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करना है। एसपी ने लोगों से अपील की कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में बिना देर किए संबंधित थाना में सूचना दें। साथ ही किसी व्यक्ति को रास्ते में कोई मोबाइल मिले तो उसे अपने पास रखने के बजाय पुलिस को सौंपें, ताकि मोबाइल उसके वास्तविक मालिक तक पहुंचाया जा सके।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर जिले के सभी थानाध्यक्षों के साथ बैठक आयोजित

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चम्पारण के तत्वावधान में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितम्बर 2026 को सफल एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिले के सभी थानाध्यक्षों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी पुनीत कुमार तिवारी ने की। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी सहित जिले के सभी थानाध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में यातायात चालान से संबंधित मामलों के अधिकतम निष्पादन पर विशेष रूप से चर्चा की गई। सचिव नितिन त्रिपाठी ने सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि लंबित यातायात चालान मामलों में अधिक से अधिक संबंधित पक्षकारों को नोटिस की तामिला सुनिश्चित की जाए, ताकि वे राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने मामलों का सुलह एवं समझौते के आधार पर त्वरित निष्पादन करा सकें। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि नोटिस की तामिला के उपरांत उसकी तामिला रिपोर्ट समय पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार को उपलब्ध कराई जाए। थाना स्तर पर लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकतम मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए चिन्हित करने तथा पक्षकारों तक लोक अदालत के लाभ की जानकारी पहुंचाने पर भी बल दिया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पुनीत कुमार तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत त्वरित, सरल एवं सुलभ न्याय का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके माध्यम से छोटे एवं समझौता योग्य मामलों का सौहार्दपूर्ण वातावरण में निस्तारण किया जा सकता है। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों से राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की। बैठक के दौरान नए आपराधिक कानूनों—भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रावधानों पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों के बीच नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, पुलिस की भूमिका तथा अनुसंधान एवं न्यायिक प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया।सचिव नितिन त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए नोटिस की अधिकतम तामिला, समयबद्ध रिपोर्टिंग एवं पुलिस-न्यायिक तंत्र के बीच प्रभावी समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

के. एन. बक्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में सूक्ष्म शिक्षण सिद्धांत और अभ्यास पर मासिक सेमिनार

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। के. एन. बक्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में पाठ्यक्रम आधारित मासिक सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय ह्लसूक्ष्म शिक्षण सिद्धांत और अभ्यासह्व रहा।

कार्यक्रम में सभी प्रशिक्षणार्थियों ने विषय से संबंधित लेख तैयार कर उसकी प्रस्तुति दी। महाविद्यालय के प्राचार्य ने सूक्ष्म शिक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसमें छात्राध्यापक कृत्रिम एवं नियंत्रित परिस्थिति में वास्तविक कक्षा जैसी शिक्षण प्रक्रिया का अभ्यास करता है। इससे शिक्षण कौशल को विकसित करने में सहायता मिलती है। प्रो. बिनोद कुमार सुमन ने कहा कि सूक्ष्म शिक्षण में लघु कक्षा, सीमित छात्र संख्या, छोटी पाठ योजना, कम अवधि और सीमित पाठ्य सामग्री का प्रयोग किया जाता है। प्रशिक्षणार्थी आरती कुमारी, विनीता सोरेन, रोशन सिंह और अदिति टुडू ने भी सूक्ष्म शिक्षण के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में डॉ. शंकर सिंह, प्रो. निलेश लकड़ा, डॉ. राजेश रविदास, प्रो. राजीव शर्मा सहित रंजीत कुमार, प्रियंका कुमारी, दीपा कुमारी, आशा कुमारी, ललिता सोरेन, अनीता मुर्मू आदि उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

प्रमंडल स्तरीय तीन दिवसीय खेल महोत्सव का हजारीबाग में भव्य शुभारंभ

● सात जिलों के 1,288 खिलाड़ी कर रहे प्रतिभा का प्रदर्शन

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल मुख्यालय हजारीबाग स्थित कर्जन स्टेडियम में तीन दिवसीय प्रमंडल स्तरीय हजारीबाग खेल महोत्सव का आज, 29 अगस्त को, भव्य एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में शुभारंभ हुआ। यह आयोजन 29, 30 एवं 31 अगस्त 2026 तक चलेगा। समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा सामूहिक रूप से खेल ध्वज फहराने, अभिनंदन गान, दीप प्रज्वलन तथा विभिन्न जिलों से आई टीमों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक मार्चपास्ट की सलामी के साथ हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए प्रमंडलीय आयुक्त श्री विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और आत्मबल बढ़ाने का सशक्त साधन भी है। उन्होंने खिलाड़ियों से हार-जीत की चिंता किए बिना खेल को आत्मविश्वास के महोत्सव के रूप में लेने तथा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आह्वान किया। खेल बच्चों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हैं। हजारीबाग सांसद श्री मनीष जायसवाल ने कहा कि खेल बच्चों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ-साथ उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करते हैं। उन्होंने प्रमंडल के विभिन्न जिलों से आए सभी युवा खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तेज रफ्तार कंटेनर ने मजदूरों को रौंदा, दो की मौत; तीन गंभीर

रांची, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नामकुम थाना क्षेत्र के पुराना रामपुर के पास शनिवार को एनएच-33 पर भीषण सड़क हादसा हुआ। सड़क निर्माण में जुटे मजदूरों को तेज रफ्तार कंटेनर ने कुचल दिया। हादसे में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज गति से आ रहा कंटेनर अचानक अनियंत्रित होकर मजदूरों से टकराया और सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर नामकुम पुलिस पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

करहरबारी पंचायत में विशेष ग्राम सभा

जन्म प्रमाण-पत्र बनाने को लेकर लगाया गया कैंप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जन्म प्रमाण-पत्र निर्माण की प्रक्रिया को आसान और सुगम बनाने के उद्देश्य से गिरिडीह सदर प्रखंड की करहरबारी पंचायत में शनिवार को विशेष ग्राम सभा एवं कैंप का आयोजन किया गया।

कैंप में ग्रामीणों को जन्म प्रमाण-पत्र बनवाने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा आवश्यक कार्रवाई की गई। कार्यक्रम के दौरान पंचायत के ग्रामीणों ने पहुंचकर जन्म प्रमाण-पत्र से संबंधित आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी ली। पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों ने लोगों को प्रक्रिया में सहयोग किया। इस अवसर पर मुखिया सहारा खालुन, मुखिया प्रतिनिधि मुमताज जारी, पंचायत सेवक स्नेहा कुमारी, पंचायत सहायक पुस्ताक अंसारी, अनुप खानी, वार्ड सदस्य अमन बेसरा तथा रोजगार सेवक योग तौसिफ रजा सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे।प्रशासन की इस पहल से ग्रामीणों को जन्म प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए अनावश्यक परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है।

5 सितंबर से नगर निगम के खिलाफ भाकपा माले का महाअभियान

● 3600 शिकायतें जुटाकर सौंपने की तैयारी

नव बिहार टाइम्स संवा5ददाता

गिरिडीहः भाकपा माले नेता राजेश सिन्हा ने गिरिडीह नगर निगम की कार्यप्रणाली को लेकर 5 सितंबर, शिक्षक दिवस से महाअभियान शुरू करने की घोषणा की है। अभियान के पहले चरण में निगम के सभी 36 वार्डों से करीब 3600 लिखित शिकायतें एकत्र कर उन्हें बोरे में भरकर नगर निगम कार्यालय को सौंपने की बात कही गई है।

राजेश सिन्हा ने कहा कि नगर निगम में जनता की समस्याओं और शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने आम लोगों से अपनी समस्याओं को लिखित रूप में दो प्रतियों में देने की अपील की है। एक प्रति नगर निगम को सौंपी जाएगी, जबकि दूसरी प्रति अभियान के तहत निगरानी के लिए रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान होने तक उनकी लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी।उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान सबसे पहले 36 वार्डों में पार्षदों और आम जनता की ओर से पूर्व में की गई शिकायतों की जानकारी जुटाई जाएगी।

यह देखा जाएगा कि नाली, सड़क, गली, साफ-सफाई समेत अन्य समस्याओं को लेकर कितनी शिकायतें हुई और उन पर नगर निगम ने क्या कार्रवाई की। कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन के माध्यम से जवाब मांगा जाएगा। सिन्हा ने कहा कि इसके बाद प्रधानमंत्री आवास योजना में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों को भी उठाया जाएगा। साथ ही सीसीएल, पंचायत, उसरी नदी, रेलवे, टैक्स और स्वास्थ्य से जुड़े जनहित के मुद्दों को चरणबद्ध तरीके से सामने लाने की बात कही।

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के संदर्भ में उन्होंने कहा कि मंत्री गिरिडीह से हैं और उनके स्तर से विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री तक कई मामलों की पूरी जानकारी नहीं पहुंचती है।

ऐसे में भाकपा माले जनता से जुड़े मुद्दों और जमीनी हकीकत को सामने लाने का काम करेगा। राजेश सिन्हा ने कहा कि भाकपा माले प्रोटोकॉल के तहत विकास कार्यों का समर्थन करता है, लेकिन जहां गलत होगा, वहां विरोध भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य जनता की समस्याओं को मजबूती से उठाना और संबंधित विभागों से उसका समाधान कराना है।

मीडिया अध्ययन विभाग के छात्र अरमान ने यूजीसी नेट परीक्षा में मारी बाजी

मोतिहारी। नवबिहार टाइम्स संवाददाता। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने विवि अनुदान आयोग, नेट की जून-2026 की परीक्षा पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय से उत्तीर्ण की। मीडिया अध्ययन विभाग के स्नातकोत्तर 2024-26 बैच के छात्र अरमान अली ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय से सहायक प्राध्यापक एवं पी-एच.डी. में प्रवेश के लिए अहर्ता प्राप्त की है। वहीं, स्नातकोत्तर 2023-25 बैच के छात्र रहे प्रतीक कुमार ने भी पी-एच.डी. में प्रवेश के लिए क्वालीफाई किया है। प्रतीक वर्तमान में प्रभात खबर की डिजिटल शाखा में सेंट्रल सोशल डेस्क के एसएमएस ऑफिसर पद पर रांची में कार्यरत हैं और नौकरी करते हुए नेट की परीक्षा पास की है।

CMYK

संक्षिप्त समाचार

कोटपा अनुपालन को लेकर गांधी नगर में छापेमारी, 8 दुकानदारों पर चालान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक, बोकारो के निर्देश पर कोटपा-2003 के अनुपालन को लेकर गांधी नगर ओपी थाना क्षेत्र में छापेमारी और जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 8 चालान किए गए और 3,100 रुपये का अर्थदंड वसूला गया। अभियान के दौरान अधिकारी बिलफ्रेड लकड़ा ने दुकानदारों को तंबाकू नियंत्रण कानून के प्रावधानों का पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दुकानों पर तंबाकू उत्पादों के प्रचार-प्रसार से संबंधित पोस्टर या विज्ञापन नहीं लगाए जाएं। बिना वैधानिक चेतावनी चित्र वाले तंबाकू उत्पादों की बिक्री नहीं करने तथा खुली सिगरेट की बिक्री पर भी रोक का पालन करने को कहा गया। अधिकारियों ने बताया कि खुली सिगरेट की बिक्री की धारा 6(C) के प्रावधानों का उल्लंघन है। वहीं, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय पवन कुमार ने कहा कि मादक पदार्थों और तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान और छापेमारी जारी रहेगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त ने की बेलगड़िया में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में शनिवार को झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण के तहत बेलगड़िया क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान उपायुक्त ने पुनर्वासित परिवारों को बुनियादी सुविधाएं और रोजगारोन्मुख अवसर उपलब्ध कराने से जुड़ी सभी योजनाओं की बिंदुवार प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने मल्टी स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, प्राइमरी व सेकेंडरी स्कूल तथा आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण व सुदृढ़ीकरण कार्यों की समीक्षा की। साथ में हेल्थ सब-सेंटर, आवासों की मरम्मत, निर्बाध जलापूर्ति, सड़क निर्माण, सुरक्षा, साफ सफाई, स्ट्रीट लाइट अधिष्ठापन सहित अन्य कार्यों की वस्तुस्थिति की जानकारी

ली। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने तालाबों के जीर्णोद्धार कार्य की समीक्षा की। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा के भीतर पूरे करें। कहा कि बेलगड़िया में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरतें। उपायुक्त ने भू-धंसान एवं अग्नि प्रभावित क्षेत्र से शिफ्ट होने वाले परिवारों के लिए आवंटित आवासों में सभी सुविधाएं सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, महाप्रबंधक झरिया मास्टर प्लान राजीव चोपड़ा के अलावा भारत कोकिंग कोल लिमिटेड एवं जेआरडीए के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद को नमन

डीआरसीएम उत्कृष्ट विद्यालय में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास स्थित जिला रामरुद्र मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के द्वितीय दिवस का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य हरे कृष्ण बागबत्ता ने की। इस मौके पर प्राचार्य ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जीवन और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक खेलों में भारत को लगातार तीन स्वर्ण पदक दिलाकर देश का गौरव बढ़ाया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों से मेजर ध्यानचंद के अनुशासन, मेहनत और समर्पण से प्रेरणा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहद जरूरी है। नियमित खेल से विद्यार्थी शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि एपीओ विनय कच्छप ने भी विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने नियमित और अनुशासित अभ्यास को सफलता की कुंजी बताते हुए विद्यार्थियों से खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। समारोह के दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों, खेल शिक्षकों और आयोजन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में प्राचार्य ने सभी के प्रति आभार जताते हुए विद्यालय को खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया।

झारखंड आंदोलनकारियों को उपायुक्त अपने हाथों से देंगे प्रमाण पत्र

पांच सितंबर को होगा सम्मान समारोह

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड आंदोलनकारियों के सम्मान में 5 सितंबर को बीएस सिटी कैंप टू स्थित शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) में प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह की तैयारियों को लेकर शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाहरणालय सभागार में झारखंड आंदोलनकारियों के साथ संवाद किया। उपायुक्त ने कहा कि झारखंड राज्य के निर्माण में आंदोलनकारियों का योगदान अविस्मरणीय है। उनके संघर्ष, त्याग और योगदान को सम्मान देना जिला प्रशासन के लिए गौरव की बात है। उन्होंने आंदोलनकारियों से समारोह को लेकर सुझाव भी मांगे और कहा कि 5 सितंबर को वे अपने सुझाव क्रमबद्ध रूप से जिला प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं। समारोह में आंदोलनकारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रमाण-पत्र से संबंधित दस्तावेजों के सत्यापन के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए जाएंगे। उपायुक्त ने एनडीसी राज शर्मा को पर्याप्त संख्या में काउंटर की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि किसी आंदोलनकारी को परेशानी न हो। समारोह में शामिल होने वाले आंदोलनकारियों के लिए भोजन और अल्पाहार की भी समुचित व्यवस्था रहेगी। इस दौरान उपायुक्त भी आंदोलनकारियों के साथ खिचड़ी-चोखा के सहभोज में शामिल होंगे। बैठक में आंदोलनकारियों ने कहा कि यदि उपायुक्त स्वयं अपने हाथों से प्रमाण-पत्र प्रदान करेंगे तो यह उनके लिए सम्मान और गरिमा का विषय होगा। आंदोलनकारियों की भावना का सम्मान करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने 5 सितंबर को स्वयं प्रमाण-पत्र वितरित करने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा कि झारखंड निर्माण के लिए संघर्ष करने वाले आंदोलनकारियों का सम्मान करना जिला प्रशासन के लिए गौरव की बात है।

सोशल मीडिया पर मिली शिकायत पर उपायुक्त ने लिया संज्ञान: 15 वर्षीय खुशी का कोच्चि में सफल हृदय ऑपरेशन

खुशी के परिजनों ने बताया कि जिला प्रशासन की पहल और सहयोग से समय पर इलाज संभव हो सका। उन्होंने उपायुक्त और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से मिली शिकायत पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। उपायुक्त के निर्देश पर सिविल सर्जन बोकारो और फुसरो नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी ने पहल करते हुए जन्मजात हृदयरोग से पीड़ित 15 वर्षीय खुशी कुमारी, निवासी ढोरी बस्ती, फुसरो को इलाज और हृदय सर्जरी के लिए अमृता अस्पताल, कोच्चि भेजा। खुशी कुमारी का 21 अगस्त 2026 को अस्पताल में सफलतापूर्वक हृदय ऑपरेशन किया गया। सर्जरी के बाद आवश्यक उपचार और चिकित्सकीय निगरानी के उपरांत खुशी अब सकुशल अपने घर लौट आई हैं। वर्तमान में उनका स्वास्थ्य सामान्य बताया गया है। खुशी के परिजनों ने बताया कि जिला प्रशासन की पहल और सहयोग से समय पर इलाज संभव हो सका। उन्होंने इसके लिए उपायुक्त और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। उपायुक्त अजय नाथ झा ने खुशी के शीघ्र स्वस्थ होने और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त जनशिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान और जरूरतमंद लोगों तक सरकारी सहायता पहुंचाने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है।

बीएसएल में राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 पर उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं युवा प्रतिभाओं का सम्मान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के संपर्क एवं प्रशासन-क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर सेक्टर-4 स्थित मंगलम बैंक्वेट हॉल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य खेल भावना को प्रोत्साहित करना, उत्कृष्ट खेल प्रतिभाओं को सम्मानित करना तथा बच्चों एवं युवाओं में खेलों के प्रति रुचि और उत्साह को बढ़ावा देना रहा। समारोह में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, संपर्क एवं प्रशासन विभाग के अधिकारी, बड़ी संख्या में खिलाड़ी तथा खेल प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2025-26 में सेल एवं अंतर-इस्पात संयंत्र खेल प्रतियोगिताओं में बीएसएल स्पोर्ट्स टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विजेता एवं उपविजेता टीमों तथा खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों एवं टीमों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए उन्हें स्मृति-चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। साथ ही, क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा बोकारो जिले के 25 विद्यालयों के बच्चों के लिए आयोजित विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को भी मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा स्मृति-चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी ने सभी विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों तथा युवा प्रतिभागियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी और उन्हें निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं समर्पण के साथ अपने खेल कौशल को निखारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने खेलों को व्यक्तित्व विकास, टीम भावना, अनुशासन तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित यह समारोह बीएसएल की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा बोकारो जिले के बच्चों एवं युवाओं में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति संयंत्र की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बीएसएल द्वारा खेलों के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और उत्कृष्टता की भावना विकसित करने के लिए किए जा रहे प्रयास स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

विधायक जयराम महतो के समर्थन में जेएलकेएम कार्यकर्ताओं ने दी आंदोलन की चेतावनी

महुदा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के पार्टी सुप्रीमो सह डुमरी विधायक जयराम महतो के साथ बरवाअड्डा थाना प्रभारी द्वारा किए गए कथित व्यवहार तथा पुलिस एसोसिएशन के बयान के विरोध में शनिवार को जेएलकेएम कार्यकताओं ने महुदा ब्रह्मबाबा मंदिर परिसर में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जेएलकेएम के केंद्रीय उपाध्यक्ष आकाश वीरू ने कहा कि पुलिस का मूल दायित्व जनता की समस्याओं का समाधान करना और कानून-व्यवस्था बनाए रखना है। पुलिस को कानून के दायरे में रहते हुए आम लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना चाहिए। जनप्रतिनिधियों के साथ भी यदि पुलिस का व्यवहार अनुचित होता है, तो यह गंभीर विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार ने ऑडियो को तोड़-मरोड़कर विधायक जयराम महतो के मान-सम्मान को धूमिल करने का प्रयास किया है। साथ ही पुलिस एसोसिएशन द्वारा जिस तरह विधायक पर आरोप लगाए जा रहे हैं, उससे झारखंड की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। आकाश वीरू ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि बिना निष्पक्ष जांच के जयराम महतो के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाती है, तो जेएलकेएम कार्यकर्ता उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और झारखंड सरकार की होगी।

नीट पीजी 2026 परीक्षा को लेकर निषेधाज्ञा लागू

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नीट (पीजी)-2026 परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अनुमंडल दंडाधिकारी, चास श्रीमती प्रांजल ढांडा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की है। इन दो केंद्रों पर होगी परीक्षा। परीक्षा क्रेसेंट लैब, ग्वालाडीह मोड़, पिंड्राजोरा, चास तथा आयन डिजिटल जोन, खमरबेंदी गांव, चास-चंदनकियारी रोड, चास में आयोजित होगी। दोनों परीक्षा केंद्रों के 300 मीटर की परिधि में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, भीड़ लगाने, जुलूस, सभा, धरना एवं प्रदर्शन पर रोक रहेगी। किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र, लाठी-डंडा आदि लेकर चलने पर भी प्रतिबंध रहेगा।

एसजेएएस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में कोल इंडिया लाभार्थियों को मिलेगा कैशलेश इलाज

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एसजेएएस सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में अब कोल इंडिया के पात्र लाभार्थियों को निर्धारित प्रावधानों के तहत कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। अस्पताल प्रबंधन ने शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी प्रबंधन के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य झारखंड के मरीजों को उनके गृह क्षेत्र में ही आधुनिक एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए उन्हें रांची, कोलकाता या अन्य महानगरों का रुख न करना पड़े। अस्पताल में आईआईटी-आईएसएम, सिंफर, हर्ल, अदाणी समूह और पूर्व मध्य रेलवे सहित विभिन्न संस्थानों के पात्र लाभार्थियों को भी संबंधित नियमों के अनुसार उपचार की सुविधा दी जा रही है विशेष सहायता डेस्क की व्यवस्था लाभार्थियों की सुविधा के लिए अस्पताल में विशेष सहायता डेस्क बनाया गया है। यहां बीमा स्वीकृति, दस्तावेजों की जांच, भर्ती, जांच, सर्जरी, आईसीयू, दवा, डिस्चार्ज और फॉलोअप से संबंधित प्रक्रियाओं में सहयोग दिया जाएगा। अस्पताल में कैंसर, हृदय, किडनी, लिवर, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हेपेटोलॉजी, न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी सहित विभिन्न सुपर स्पेशियलिटी विभागों की सुविधा उपलब्ध है। हृदय रोगियों के लिए एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी, किडनी मरीजों के लिए डायलिसिस एवं यूरोलॉजी तथा कैंसर मरीजों के लिए विशेषज्ञ परामर्श और उपचार योजना की सुविधा उपलब्ध है।आयुष्मान योजना का लाभ भी जल्द अस्पताल प्रबंधन के अनुसार आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (गंभीर बीमारी योजना) के लाभार्थियों के लिए योजना का लाभ अगले 15 दिनों में पूर्ण रूप से शुरू हो जाएगा। इससे धनबाद सहित आसपास के जिलों के गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को राहत मिलने की उम्मीद है।अस्पताल में 24 घंटे इमरजेंसी, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, एनआईसीयू और एचडीयू की सुविधा उपलब्ध है। सीटी स्कैन, एमआरआई, डिजिटल एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, कलर डॉप्लर और आधुनिक पैथोलॉजी जांच की सुविधा भी एक ही परिसर में उपलब्ध कराई गई है इस सुविधा का लाभ धनबाद के अलावा बोकारो, गिरिडीह, जामताड़ा, देवघर, दुमका तथा आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को भी मिलेगा।

बोकारो विकारिएट फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का आगाज, 9 स्कूलों के 256 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। संत जेवियर्स स्कूल, बोकारो स्टील सिटी में शनिवार को दो दिवसीय बोकारो विकारिएट फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट में बोकारो जिले के 9 स्कूलों की जूनियर और सीनियर टीमों के कुल 256 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में लोयोला स्कूल गोमिया एवं ललपनिया, होली क्रॉस स्कूल बालीडीह, संत लुईस स्कूल टांड़ बालीडीह, संत एंथनी स्कूल जारंगडीह, मासी मारसाल स्कूल पतकी एवं कजरकिलो तथा संत जेवियर्स हिंदी और इंग्लिश मीडियम स्कूल की टीमें शामिल हैं। प्रतियोगिता में जूनियर और सीनियर वर्ग की कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं। टूर्नामेंट का उद्घाटन विद्यालय के प्राचार्य सह मुख्य अतिथि फादर अरुण मिंज एस.जे. ने किया। स्वागत भाषण में उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना और अनुशासन के साथ मैदान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का आह्वान किया। इसके बाद प्राचार्य ने किक-ऑफ कर जूनियर और सीनियर वर्ग के मुकाबलों का शुभारंभ किया। सीनियर वर्ग में ग्रुप-ए से मासी मारसाल स्कूल कजरकिलो ने अपने तीनों मुकाबले जीतकर 9 अंक के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसी ग्रुप से मासी मारसाल स्कूल पतकी ने दो मुकाबले जीतकर अंतिम चार में जगह बनाई। ग्रुप-बी में संत लुईस स्कूल टांड़ बालीडीह ने तीनों मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि लोयोला स्कूल ललपनिया ने दो मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। जूनियर वर्ग में ग्रुप-ए से मासी मारसाल स्कूल कजरकिलो ने तीनों मैच जीतकर और संत लुईस स्कूल टांड़ बालीडीह ने दो मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं ग्रुप-बी से मासी मारसाल स्कूल पतकी और संत जेवियर्स हिंदी मीडियम स्कूल बोकारो ने अंतिम चार में प्रवेश किया। पहले दिन के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उनकी प्रतिभा, जोश और खेल भावना ने मैदान पर मौजूद दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। रविवार को टूर्नामेंट के दूसरे दिन सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर फुटबॉल टूर्नामेंट में खैराचातर की टीम बनी विजेता

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आज सहयोगिनी की ओर से किशोरी नेतृत्व विकास कार्यक्रम के तहत फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र की किशोरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। टूर्नामेंट का उद्देश्य किशोरियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, आत्मविश्वास और खेल के प्रति रुचि को बढ़ावा देना रहा। प्रतियोगिता के पहले मैच में खैराचातर की टीम ने टांगटोना की टीम को शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-0 से हराया। दूसरे मैच में बगदा की टीम ने दुगार्पुर की टीम को 2-1 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला खैराचातर और बगदा की टीम के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में खैराचातर की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बगदा की टीम को 2-0 से हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर सहयोगिनी के समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि किशोरियों के व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करने का भी प्रभावी माध्यम है। समन्वयक कुमारी किरण ने कहा कि किशोरियों को खेल के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर मिलने से उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना विकसित होती है। हमारा प्रयास है कि किशोरियां खेल के साथ-साथ शिक्षा, नेतृत्व और सामाजिक बदलाव के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत पहचान बनाएं। फुटबॉल कोच सिमति किस्कु ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की किशोरियों में फुटबॉल को लेकर काफी प्रतिभा और उत्साह है। नियमित अभ्यास, उचित मार्गदर्शन और प्रतियोगिताओं में भागीदारी से इन खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज खिलाड़ियों ने जिस अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास के साथ खेल का प्रदर्शन किया, वह सराहनीय है। खेल के माध्यम से किशोरियां न केवल अपनी प्रतिभा को पहचान रही हैं, बल्कि नेतृत्व करना और चुनौतियों का सामना करना भी सीख रही हैं। इस दौरान सहयोगिनी द्वारा विजेता तथा उपविजेता टीम को पारितोषिक देकर के पुरस्कृत किया गया। मौके पर संस्था की एनिमेटर बिनीता देवी पुष्पा देवी संगीता देवी रेखा देवी संजना कुमारी, मालती कुमारी, मायावती कुमारी, गुलाबी कुमारी, नाख्तरी बेगम, सना परवीन, जुबेदा खातून, रानी परवीन, सुप्रिया कुमारी, सविता कुमारी, कीर्ति कुमारी, कृतिका रेशमी कुमारी आदि मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com